



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 52] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 27, 1975 (पौष 6, 1897)
No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 27, 1975 (PAUSA 6, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 नवम्बर 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की स्थायी अधिकारी कुमारी एस० टी० केसवानी को राष्ट्रपति द्वारा 27-9-75 से 11-11-75 तक की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के आने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली दिनांक, 20 नवम्बर 1975

सं० ए०-22013/2/75-प्रशासन-5—इस कार्यालय के दिनांक 1-11-75 के समसंख्यक पत्रांकन के द्वारा जारी की 386 GI/75

गई अधिसूचना के अधिकरण में, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, तमिलनाडु राज्य से प्रतिनियुक्त पुलिस निरीक्षक श्री एस० काशीराजन को दिनांक 16-10-75 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 नवम्बर 1975

सं० ए०-19036/ 75-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, मध्य प्रदेश राज्य के प्रतिनियुक्त पुलिस निरीक्षक श्री आर० एस० शुक्ला को दिनांक 15-11-75 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 नवम्बर 1975

सं० पी० एफ०/एस०-202/70-प्रशासन-I—केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त पश्चिम बंगाल के अधिकारी श्री एस० के० सिकंदर को दिनांक 10-9-

(11003)

1974 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता शाखा से कार्य-भारमुक्त कर दिया गया है और कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के पत्र संख्या 217/3/74-ए० वी० डी०-II दिनांक 29-7-74 में निहित भारत सरकार के आदेशों द्वारा उनकी सेवाएं सिक्किम सरकार को सौंप दी गईं।

2. श्री तेजीन्दर सिंह ने दिनांक 22 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० ए०-I, नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया।

गुलजारी लाल अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1975

सं० पी० एफ०/टी०-18/66-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री तेजीन्दर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० ए०-I, नई दिल्ली को प्रोन्नति पर दिनांक 22 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप में स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थागना, एफ० एस०-I, नई दिल्ली नियुक्त करते हैं।

फा० सं० ए०-II/33/75—श्री एच० के० जगन्नाथ, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, बंगलोर को प्रवर्तन निदेशालय के बंगलोर उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 31-10-75 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

नूपेन बक्शी
उप-निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 25 नवम्बर 1975

सं० ए० VI-3/75-स्थापना—राष्ट्रपति, निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सामने दी हुई तारीखों से आगामी आदेश जारी होने तक के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में पुलिस उप-अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर अस्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं।

2. उन्हें उनके नामों के सामने दी गई बटालियनों/ग्रुप सेंटरों में नियुक्त किया गया है और उन्होंने अपने पदों का कार्यभार उनके सामने दी गई तारीखों से सम्भाल लिया है :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	बटालियन/ग्रुप सेंटर में नियुक्ति	कार्यभार सम्भालने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री मधुसूधानन के० वी०	ग्रुप सेंटर-II अजमेर	25-8-75 (पूर्वाह्न)
2.	श्री सहोता रघुबीर सिंह हरी सिंह	34वीं बटालियन	25-8-75 (पूर्वाह्न)
3.	श्री राकेश मोहन शर्मा	22वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
4.	श्री शिवा प्रसाद के० के०	51वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
5.	श्री विनोद कुमार शर्मा	15वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
6.	श्री देवी प्रसाद मुकर्जी	9वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
7.	श्री अमरजीत सिंह बरार	39वीं "	25-8-75 (अपराह्न)
8.	श्री एस० जगदीश	56वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
9.	श्री विनोद वीर सिंह	8वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
10.	श्री सुरेश कुमार शर्मा	25वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
11.	श्री हरी राज सिंह	9वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
12.	श्री हरजीन्दर सिंह	26वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
13.	श्री एन० एस० बालाकेशन	17वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
14.	श्री शशीर्दन नायर एन० एम०	44वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
15.	श्री अब्दुल जब्बार शेक	27वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
16.	श्री जसबीर सिंह संधू	46वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
17.	श्री एस० सत्याम रेड्डी	50वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4
18.	श्री एस० मुरलीधरन	17वीं बटालियन	12-9-75 (अपराह्न)
19.	श्री रतनजीत सिंह	40वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
20.	श्री मदन सिंह राघवा	35वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
21.	श्री धीरेन्द्रा कुमार महापत्रा	32वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
22.	श्री अफताब अहमद खान	31वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
23.	श्री सुशील कुमार	ग्रुप सैंटर जम्मू	25-8-75 (पूर्वाह्न)
24.	श्री सईद असगर मेहदी काजमी	10वीं बटालियन	25-8-75 (पूर्वाह्न)
25.	श्री जोगिन्दर सिंह	ग्रुप सैंटर पूना	25-8-75 (पूर्वाह्न)
26.	श्री मोहम्मद ए० एम०	43वीं बटालियन	25-8-75 (पूर्वाह्न)
27.	श्री अनील दुग्गल	18वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
28.	श्री कृष्णा मूर्ति अर्दियर	42वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
29.	श्री राजन्द्र सिंह चिमा	40वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
30.	श्री बी० लक्ष्मीनारायणन	16वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
31.	श्री कृष्ण सिंह चिव	58वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
32.	श्री रमेश चन्द्रा	ग्रुप सैंटर श्रावड़ी	25-8-75 (पूर्वाह्न)
33.	श्री कवी रंजन ब्रह्मा	38वीं बटालियन	25-8-75 (पूर्वाह्न)
34.	श्री टी० के० नायक	28वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)
35.	श्री अमर सिंह	14वीं ,	25-8-75 (पूर्वाह्न)
36.	श्री एम० के० दास	31वीं "	25-8-75 (पूर्वाह्न)

एन० एस० सक्सना
महानिदेशक, के० रि० पु० दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 26 नवम्बर 1975

सं० एफ० 3/22/74-ईस्ट (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक कमान्डेंटों को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कमान्डेंट के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

2. इन अधिकारियों के पदस्थापन स्थान और उनके पद छोड़ने तथा ग्रहण करने की तिथियां उनके नामों के सामने । गई हैं।

क्रम सं०	नाम	पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार छोड़ा	कार्यभार छोड़ने की तिथि	पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार सम्भाल	पद ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री वाई० एन० कस्यप	वाईस प्रिन्सीपल सी० टी० सी०- II सी० आर० पी० एफ०	3-10-75 (पूर्वाह्न)	प्रिन्सीपल सी० टी० सी० II सी० आर० पी० एफ०	3-10-75 (पूर्वाह्न)
2.	श्री आर० आर० भन्ती	वाईस प्रिन्सीपल सी० टी० सी० I सी० आर० पी० एफ०	20-9-75 अपराह्न	कमान्डेंट 39 बटा० सी० आर० पी० एफ० ।	22-9-75 (पूर्वाह्न)
3.	श्री सुखचरण सिंह	सहायक कमान्डेंट 56 बटा० सी० आर० पी० एफ०	31-8-75 (पूर्वाह्न)	कमान्डेंट 27 बटा० सी० आर० पी० एफ०	10-9-75 (पूर्वाह्न)
4.	श्री आर० एस० नोटयाल	सहायक कमान्डेंट ग्रुप सैंटर सी० आर० पी० एफ० देवली ।	1-9-75 (पूर्वाह्न)	कमान्डेंट ग्रुप सैंटर सी० आर० पी० एफ० देवली ।	1-9-75 (पूर्वाह्न)

सं० एफ० 8/20/75-ईस्ट०—राष्ट्रपति, श्री एच० एस० दुबास, सहायक कमान्डेंट 36 बटालियन सी० आर० पी० फोर्स का त्याग पत्र 11-9-75 अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

सं० एफ० 2/84/75-ईस्ट० (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति, सिंगेडियर अजीतसिंह को पुनर्नियुक्ति पर बायरलेस अडवाईजर के पद पर महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में अस्थायी रूप में एक साल के लिए दिनांक 12-11-75 से नियुक्त करते हैं। बशर्ते कि अगर कोई प्रशासनिक आवश्यकता पड़े या उनकी अ-उपयुक्तता हो या और कोई अपेक्ष कारक हो तो उनकी समयपूर्वक सेवा समाप्त हो सकती है।

दिनांक 28 नवम्बर 1975

सं० एफ० 2/33/75-ईस्ट० (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति निम्नलिखित उप अधीक्षक पुलिस (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टरों) को उनके तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक कमान्डेंट के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

2. इन अधिकारियों के पदस्थापन स्थान और उनके पद छोड़ने तथा ग्रहण करने की तिथियां उनके नामों के सामने दी गई हैं।

क्रम सं०	नाम	पद तथा यूनिट जिसका कार्य- भार छोड़ा	कार्यभार छोड़ने की तिथि	पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार सम्भाला	पद ग्रहण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	श्री बी० एस० कालूर	उप० अ० पु० क० कमांडर/क्यू० एम० ग्रुप सेंटर सी० आर० पी० एफ० हैदराबाद।	26-6-75 (अपराह्न)	सहायक कमान्डेंट 14 बटा० सी० आर० पी० एफ०।	5-7-75 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एस० के० यादव	उप० अ० पु० क० कमांडर/क्यू० एम० ग्रुप सेंटर सी० आर० पी० एफ० दुर्गापुर।	16-8-75 (अपराह्न)	सहायक कमान्डेंट 58 बटा० सी० आर० पी० एफ०।	20-8-75 (पूर्वाह्न)
3.	श्री सर्वजीत सिंह	उप० अ० पु० क० क०/क्यू० एम० 40 बटा० सी० आर० पी० एफ०।	21-8-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमान्डेंट 40 बी० बटा० सी० आर० पी० एफ०।	21-8-75 (पूर्वाह्न)
4.	श्री आर० सी० साही	उप० अ० पु० क० क०/क्यू० एम० ग्रुप सेंटर सी० आर० पी० एफ० मुकामाघाट	14-8-75 (अपराह्न)	सहायक कमान्डेंट 53 बी० बटा० सी० आर० पी० एफ०।	18-8-75 (अपराह्न)
5.	श्री ए० सी० सीथाराम	उप० अ० पु० क० क०/क्यू० एम० 50 बटा० सी० आर० पी० एफ०।	13-8-75 (अपराह्न)	सहायक कमान्डेंट 21 बटा० सी० आर० पी० एफ०।	19-8-75 (अपराह्न)
6.	श्री जी० एस० रनधावा	उप० अ० पु० क० क०/क्यू० एम० 16 बटा० सी० आर० पी० एफ०।	9-8-75 (अपराह्न)	सहायक कमान्डेंट 11 बटा० सी० आर० पी० एफ०।	18-8-75 (पूर्वाह्न)
7.	श्री नसीब चन्द	उप० अ० पु० क० क०/क्यू० एम० ग्रुप सेंटर सी० आर० एफ० जम्मू।	5-8-75 (अपराह्न)	सहायक कमान्डेंट 23 बटा० सी० आर० पी० एफ०।	12-8-75 (अपराह्न)
8.	श्री के० के० मेहता	उप० अ० पु० क० क०/क्यू० एम० 59 बटा० सी० आर० पी० एफ०।	6-8-75 (पूर्वाह्न)	सहायक कमान्डेंट 59 बटा० सी० आर० पी० एफ०।	6-8-75 (पूर्वाह्न)
9.	श्री जे० सी० मेहरेस	उप० अधीक्षक पुलिस कम्पनी कमांडर/क्यू० एम० ग्रुप सेंटर सी० आर० पी० एफ० देवली।	12-8-75 (अपराह्न)	सहायक कमान्डेंट ग्रुप सेंटर सी० आर० पी० एफ० हैदराबाद।	21-8-75 (पूर्वाह्न)

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 22 नवम्बर 1975

सं० 1260/(ए०)—दिनांक 15 सितम्बर 1975
संख्या 936/(ए) के क्रम में डा० व्ही० एस० सहस्त्रबुधे एम० बी० बी० एस० को अवर चिकित्सा अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय अस्पताल में तदर्थ रूप में उन्हीं शर्तों के साथ 31 मार्च 1976 तक नियुक्त करते हैं।

बी० ज० जोशी

महाप्रबंधक

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1975

श्री जॉय पीटर फोरमैन (उत्पादन) को सहायक कार्य प्रबंधक के पद पर स्थानापन्न रूप से, प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद में सं० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अंतर्गत दिनांक 27 नवम्बर 1975 पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है। जॉय पीटर, की नियुक्ति का परिबीक्षा अवधि-काल दो वर्ष तक के लिए रहेगा।

रा० विश्वनाथन

महाप्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार (केन्द्रीय राजस्व)

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1975

सं० एडमन 1/5-5/प्रमोशन/74-75/कार्यालय आदेश 639/2081—श्रीमान् महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने इस कार्यालय के निम्नांकित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के समक्ष अंकित की गई तिथियों से समय-अंतर्गत सं० 840-1200 में स्थानापन्न रूप में अन्य आदेश होने तक सहर्ष लेखा अधिकारी नियुक्त किया है :-

नाम	लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नति की तिथि
-----	--

1. श्री डी० सी० गर्ग अनुभागाधिकारी 12-11-75 (पूर्वाह्न)
2. श्री आर० के० जोशी " 12-11-75 (अपराह्न)

एच० एस० दुमल

वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

दिनांक 28 नवम्बर 1975

सं० 40011(2)/75-प्रशा० ए०—(1) वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा :-

क्रम सं०	नाम, रीस्टर संख्या सहित ग्रेड	पेंशन स्थापना को अंतरण की तारीख	संगठन
1	2	3	4
1.	श्री हरबंस सिंह (पी०/250)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-76 रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद।

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान

जयपुर, दिनांक 28 नवम्बर 1975

सं० प्रशासन 2/जी० पी० सी० बी०/1052—महालेखाकार कार्यालय राजस्थान जयपुर के अनुभाग अधिकारी श्री प्रकाश चन्द्र भटनागर को 17-11-75 (पूर्वाह्न) से अग्रतर आदेश के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

र० अ० बोरकर

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 28 नवम्बर 1975

सं० 5834/ए० प्रशासन/130/75—इंडियन इग्ज एण्ड फारमैस्यूटिकल्स लिमिटेड में स्थाई रूप से अन्तर्लयन के परिणाम स्वरूप श्री एन० बी० जोशी, स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाएं का ग्रहणाधिकार अवसान इस विभाग में 30-6-75 से हो गया है।

गिरिजा ईश्वरन,

वरिष्ठ उप-निदेशक,

लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 26 नवम्बर 1975

सं० 3527/प्रशा०-II--58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री बी० एल० जैन, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी को 31-10-75 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया है और उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया गया है।

1	2	3	4
2. श्री एम०वी० एल० नारायणराव (पी०/360)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास।
3. श्री अमोलक राज (ओ०/228)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ।
4. श्री आर० के० हांडा (ओ०/322)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	29-2-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून।

(2) रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ के संगठन में सेवारत श्री एन० एस० श्रीनिवासन, स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/277) सिविल सेवा विनियमावली, जिल्द-I के अनुच्छेद 459 (ज) के प्रावधानों के अन्तर्गत, सेवा निवृत्त हो जाएंगे। उनको 17 दिसम्बर, 1975 पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा।

(3) रक्षा लेखा महा नियंत्रक, श्री आर० ए० धाम, स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी० 122) जो कि रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ के संगठन में सेवारत थे, के 29-10-75 को हुए निधन को खेद के साथ अधिसूचित करत हैं।

तदनुसार श्री आर० ए० धाम को 30-10-75 के पूर्वाह्न से विभाग की नफरी से निकाला जाता है।

एस० के० सुन्दरम्,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-16, दिनांक 22 नवम्बर 1975

सं० 44/75/जी०—सेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश की समाप्ति पर, श्री ए० वाई० दोले, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन) 30 नवम्बर, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लय
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1975

सं० 6/1097/75-प्रशा० (राज०)/11561—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1 में स्थानापन्न अधिकारी श्री के० सी० शेखरन को 1-9-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक इस कार्यालय में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/929/71-प्रशासन (राजपत्रित)/11544—सेवा निवृत्ति की आयु पूरी होने पर, श्री जे० अहमद ने 31 अक्टूबर, 1975 के दोपहर बाद से संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात और निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में नियंत्रक, आयात-और निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० डी० कुमार
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

संयुक्त-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

मद्रास-1, दिनांक 29 अगस्त 1975

रद्द करने का आदेश

विषय—सर्वश्री जे० एल० मोरीसन सन एंड जोन्स (भारत) लि०, मद्रास-600001 को जारी किए गए आयात लाइसेंस संख्या पी०/ई०/0210040, दिनांक 16 जुलाई 1973, की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति को रद्द करना।

सं० आई० टी० सी०/अनुलिपि-प्रति/3/ए० एम०-76/ई०-1—सर्वश्री जे० एल० मोरीसन सन एंड जोन्स (भारत) लि०, 9-10, सेकिन्ड लाइसेंस बीच, मद्रास-600001, को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से, अप्रैल, 73—मार्च, 74 लाइसेंस अवधि के लिए, सामान्य श्रौषध और भेषज का आयात करने के लिए 1250 रुपये (एक हजार दो सौ पचास रुपये मात्र) का एक आयात लाइसेंस संख्या पी०/ई०/0210040/सी०/एक्स० एक्स०/48/एम०/37-38, दिनांक 16-7-73 प्रदान किया गया था।

फर्म ने उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रति मरकटाइल बैंक लि०, बम्बई-1 के पास पंजीकृत कराने के पश्चात् 1250 रुपये के अंकित मूल्य का साख पत्र संख्या डी० सी०-बी० ओ० एम० 740616, दिनांक 17-7-74 खोलते समय खो गई है, किन्तु अन्तिम प्रेषण नहीं हो पाया था। अपने तर्क के समर्थन में उन्होंने एक शपथ पत्र भी दाखिल किया है।

चूंकि उक्त लाइसेंस की एक मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति संख्या को जारी की जा चुकी है और इसलिए उसकी मूल प्रति रद्द कर दी गई है।

इसे आपकी जानकारी के लिए सूचित किया जाता है।

आर० कुमारवेलु
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 26 नवम्बर 1975

सं० ई० एस० टी०-1-2(654)---वस्त्र आयुक्त, बुनकर सेवा केन्द्र मेरठ के अधीक्षक श्री शामलाल शर्मा को 9 अक्तूबर 1975 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, वस्त्र आयुक्त के अमृतसर स्थित प्रादेशिक कार्यालय में सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (नान टेक्नीकल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

वीरेन्द्र बहादुर वर्मा
निदेशक

उद्योग तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1975

सं० ए० 31014/1/75-प्रशा० (राज०)---विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक सम्पादक (हिन्दी) श्री आर० एस० भधुकर को लघु उद्योग विकास संगठन के कार्यालय विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के अन्तर्गत तकनीकी प्रचार प्रभाग में श्री पी० एस० महता के स्थान पर दिनांक 1 मई, 1972 से मूल रूप में स्थायी पद पर सहायक सम्पादक (हिन्दी) नियुक्त करते हैं।

के० वी० नारायणन् निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-I)

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

सं० प्र०-I/42 (42)---राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक 1-7-1973 से स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं० अधिकारी का नाम	वर्तमान स्थानापन्न पद	पद जिस पर स्थायी हुए	टिप्पणियाँ
1. श्री पी० चक्रवर्ती	निदेशक (प्रमति) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) म० नि० पू० नि० नई दिल्ली।	निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1)	श्री पी० नाथ स्थायी निदेशक (मा० पू० सेवा के ग्रेड-1) के स्थान पर जो 8-11-71 से उप महानिदेशक (मा० पू० से में अधि-समय मान पद) पर स्थाई हो गये।
2. श्री एस० के० राय	पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) म० नि० पू० नि० नई दिल्ली।	निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1)।	निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) अस्थाई पद जो पूर्ति विभाग के पत्र सं० ए०-11012/2/71-ई० एस०-1, दिनांक 13-12-1971 के अनुसार स्थायी पद में परिवर्तित किया गया।
3. श्री पी० सी० माथुर	पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) म० नि० पू० नि० नई दिल्ली।	निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1)।	श्री आई० एस० आहूजा, स्थाई निदेशक (भा० पू० से० के० ग्रेड-1) के स्थान पर जो दिनांक 13-1-1972 (अपराह्न) से सेवा से निवृत्त हो गये।
4. श्री एस० बी० सुन्दरम् अथर्वर	निदेशक पूर्ति तथा निपटान (भा० पू० से० के ग्रेड-1) पूर्ति तथा निपटान निदेशालय मद्रास।	निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1)।	श्री बी० सुब्रमणियन, स्थायी निदेशक (भा० पू० सेवा के ग्रेड-1) के स्थान पर जो दिनांक 1-3-1972 से उप महानिदेशक (भा० पू० सेवा के अधि समयमान पद) पर स्थायी हुए।

के० एल० कोहली
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1975

सं० ए०-15/4(166)/75---राष्ट्रपति, श्री अनंदाराम केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1 के अधिकारी तथा जो इस समय पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के तदर्थ आधार पर विशेष कार्याधिकारी (प्रशिक्षण) के रूप में कार्य कर रहे हैं को दिनांक 1-10-1974 से 30-9-1976 (अर्थात् उनकी निवर्तमान आयु की तिथि) तक उसी महानिदेशालय नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर विशेष कार्य अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1975

सं० प्र-1/1(86)---श्री अरदमन सिंह ने उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) के पद पर अवर्तित होने पर दिनांक 25 अक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महा निदेशालय, नई दिल्ली में पूर्ति निदेशक, (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) का पद भार छोड़ दिया।

के० एल० कोहली
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-1, दिनांक 21 नवम्बर 1975

सं० प्र-6/247(92)/58—श्री सी० आर० सरकार ने उप महानिदेशक (निरीक्षण) के पद से अवनति होने पर दिनांक 11-11-1975 के अपराह्न में मुख्यालय में निरीक्षण निदेशक का पद भार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पुर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 19 नवम्बर 1975.

सं० 731/2/बी०/2222 (जे० बी०)/19ए०—श्रीमती जयंती बोस (दत्ता) को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650/- प्रतिमास के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में आगे आदेश होने तक 21 अक्टूबर 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 7316/बी०/2222 (एस० के० बी०)/19ए०—श्री श्रीराम के० वैद्यगानकर को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650/- प्रति मास के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगे आदेश होने तक, 16 अक्टूबर 1975 से पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदान,
महानिदेशक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण

केन्द्रीय कार्यालय

हावड़ा-711103, दिनांक 7 नवम्बर 1975

सं० बी० एस० आई०-66-96-75-इस्टे०-संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर प्रभारी निदेशक भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण श्री जगदीश लाल की नियुक्ति हैडक्वार्टर, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (क्रिप्टोगामिक यूनिट) शिवपुर, हावड़ा के बोटा-निस्ट पद पर जो चतुर्थ योजना में संशोधित वेतन मान में रु० 650-30-740-35-810 ई० बी०-35-880-40-1000-40-1200 एवं नियमानुसार प्राप्य सामान्य भत्ते में स्वीकृत है, दिनांक 29 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में, पुनः आदेश होने तक करते हैं।

जे० सी० बनर्जी,
एक्ज़ेक्यूटिव आफिसर

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अक्टूबर 1975

सं० 2/4/75-एस०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न रूप में अगले आदेशों तक, उनके नामों के सामने लिखे आकाशवाणी के केन्द्रों कार्यालयों में प्रत्येक के आगे दी गई तिथि से इंजीनियरी सहायक/संवर्ग के पद पर नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	कार्यालय/केन्द्र जहां तैनात किया गया है।	नियुक्ति की तिथि
1.	श्री चमन लाल कोल	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, श्रीनगर।	10-9-75
2.	श्री जगदीश चन्द्र	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, खामपुर, दिल्ली।	28-8-75
3.	श्री कैलाश चन्द्र गुप्ता	आकाशवाणी, बीकानेर	12-9-75 (पूर्वाह्न)
4.	श्री राम वचन राम	आकाशवाणी, कलकत्ता	18-9-75
5.	श्री निनोद कुमार अरोड़ा	अनुसंधान विभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली।	25-9-75

दिनांक, 24 अक्टूबर 1975

सं० 2/4/75-एस०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न रूप में अगले आदेश होने तक, उनके नामों के सामने लिखे आकाशवाणी के केन्द्रों/कार्यालयों में प्रत्येक के आगे दी गई तिथि से इंजीनियरी सहायक संवर्ग के पद पर नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वह कार्यालय/केन्द्र जहां तैनात किया गया गया है।	नियुक्ति की तिथि
1.	श्री नारायण मोहन कुमार	क्षेत्रीय इंजीनियर (पश्चिम) का कार्यालय, आकाशवाणी, बम्बई।	30-9-75
2.	श्री पुनीत कुमार शुक्ल	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, कलकत्ता।	4-10-75
3.	श्री शैलेन्द्र नारायण माथुर	आकाशवाणी, पटना	16-10-75
4.	श्री रवि कुमार	क्षेत्रीय इंजीनियर (पश्चिम), का कार्यालय आकाशवाणी, बम्बई।	4-10-75
5.	श्री सी० जयरामन	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, बम्बई।	3-10-75
6.	श्री हरीशचन्द्र	उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, चिनसुरा।	4-10-75

दिनांक 28 अक्टूबर 75

सं० 2/12/75-एस-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियर सहायकों को अगले आदेश होने तक, तबर्ष आधार पर, उनके सामने लिखी तारीखों से उनके नामों के आगे लिखे आकाशवाणी केन्द्रों/कार्यालयों में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती का स्थान	नियुक्ति की तिथि
1.	श्री रतन सिंह	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, दिल्ली।	15-9-75
2.	श्री आर० एस० डगल	आकाशवाणी, इम्फाल	8-9-75
3.	श्री आर० जी० पाटिल	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, श्रीनगर।	17-9-75

प्रेम कुमार सिन्हा,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली दिनांक, 21 नवम्बर 1975

सं० 4/11/75-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा कुमारी के० टी० में आम को 20 अक्टूबर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, पूना में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शांति लाल,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1975

सं० 13-13/72-एडमिन 1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) कमलेश डुडेजा को 12 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से तदर्थ आधार पर तथा आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली के अन्तर्गत दन्त चिकित्सक के पद पर नियुक्त किया है।

सुरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

प्रधान कार्यालय (एन० एच० IV)

फरीदबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1975

सं० फाईल 4-6 (96)/75-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एस० बैकट मोहन राव को विपणन
2-386GI/75

श्रीर निरीक्षण निदेशालय, हैदराबाद में दिनांक 23 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी, वर्ग-I, नियुक्त किया गया है।

ई० एस० पार्थसारथी,
कृषि विपणन सलाहकार,

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1975

सं० पी० ए० 81(121)/75-आर-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहाँ के एक अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (सी) श्रीमती हीला अदीकपूर को इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से 1 अगस्त, 1975 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक के लिए वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड (एस बी) नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए० 81(121)/75-आर-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहाँ के एक अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी) श्रीर स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्रीमती सुनीता सीताराम शोका को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से 1 अगस्त, 1975 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश तक के लिए वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड (एस बी) नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन,
उप स्थापना अधिकारी (भ)

परमाणु ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद 500016 दिनांक 27 नवम्बर 1975

सं० ए० एम० डी 1-18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री सुरेश कुमार को 12 नवम्बर 1975 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस बी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 नवम्बर 1975

सं० ए० एम० डी०-1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री चन्द्रभास्कर रेडी को उसी प्रभाग में 10 अक्टूबर 1975 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिये स्थानापन्न रूप से विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड (एस बी) नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी/एस० ए० ओ-5/(8)/74-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक उसी प्रभाग के एक इलैक्ट्रिकल फोरमैन श्री पी० एल० श्रीरासिया को 1 अगस्त 1975 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए स्थानापन्न रूप से विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस बी (इलैक्ट्रिकल) नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी/एस० ए० ओ-5/(8)/74-प्रशासन--परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, उसी प्रभाग के एक तकनीकी सहायक ग्रेड 'सी' (ट्रिलिंग) श्री इन्द्रदेव बेनर्जी को उसी ही प्रभाग में 1 अगस्त 1975 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए स्थानापन्न रूप से विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एम बी (ट्रिलिंग) नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी-2/1497/64-प्रशासन--परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, उसी प्रभाग के एक स्थायी सहायक प्रशासन अधिकारी श्री अर्जुनदेव भाटिया को 22 अक्टूबर 1975 के पूर्वाह्न से लेकर 6 दिसंबर 1975 के अपराह्न तक श्री श्रीकृष्ण मल्होत्रा, प्रशासन अधिकारी-III जो छुट्टी पर गये हैं, के स्थान पर पूर्णतः अस्थायी रूप से प्रशासन अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी-2/1497/64-प्रशासन--परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, उसी प्रभाग के एक स्थायी सहायक/स्थानापन्न अधीक्षक श्री सोमनाथ सचदेव को 13 अक्टूबर 1975 के पूर्वाह्न से लेकर 21 अक्टूबर 1975 के अपराह्न तक श्री श्रीकृष्ण मल्होत्रा, प्रशासन अधिकारी-III, जो छुट्टी पर गये हैं, के स्थान पर तथा 22 अक्टूबर 1975 के पूर्वाह्न से लेकर 6 दिसंबर 1975 के अपराह्न तक श्री अर्जुन देव भाटिया, जिनको अस्थायी रूप से प्रशासन अधिकारी-II, नियुक्त किया गया है, के स्थान पर पूर्णतः अस्थायी रूप से सहायक क्रामिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट

मद्रास-600006, दिनांक 20 नवम्बर 1975

सं० एम० आर० पी० मू०/200(107)/75-प्रशासन 1293--निदेशक, क्रय एवं भंडार, बम्बई, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, बम्बई के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा क्रय एवं भंडार निदेशालय के स्थानापन्न भंडारी श्री एच० गणपति को 1 दिसंबर, 1975 से 9 जनवरी, 1976 तक उसी निदेशालय में पूर्णतः तदर्थ आधार पर तथा अस्थायी रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगाचारी,
क्रय अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपनकम, दिनांक 24 नवम्बर 1975

सं० आर० आर० सी-II-13(9)/75/24617/1298--रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, इस केन्द्र के अस्थायी विज्ञान-सहायक (सी) श्री पिलाका भास्कर राव को

1 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए उसी केन्द्र में अस्थायी रूप से विज्ञान-अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एम बी नियुक्त करते हैं।

क० गंकरनारायणन
वरिष्ठ प्रशासन-अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली 110003, दिनांक 1 दिसम्बर 1975

सं० ई० (1) 03703, नई दिल्ली प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री आर० आर० शर्मा निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 31-10-75 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एम० आर० एन० मनिषन
मौसम विशेषज्ञ
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1975

सं० ए०-32013/7/75ई० ए०--राष्ट्रपति ने श्री एस० एस० पिलै, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी को 10 नवम्बर, 1975 से 6 महीने की अवधि के लिए अथवा उन के द्वारा धारित पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्ति किया है। उन्हें सिविल विमानक्षेत्र त्रिवेन्द्रम पर तैनात किया गया है।

विश्व विनोद जीहरी
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली-110022 दिनांक 19 नवम्बर 1975

सं० ए०-31013/1/75-ई० (एच)--राष्ट्रपति ने श्री सतेन्द्र सिंह, स्थानापन्न बैज्ञानिक अधिकारी, नागर विमानन विभाग को 11 जनवरी, 1974 से उसी ग्रेड में स्थायी रूप में नियुक्ति किया है।

दिनांक 28 नवम्बर 1975

सं० ए० 32013/10/75-ई० एच० (i)--राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग में श्री एस० वेकास्वामि की निदेशक उपस्कर के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि 29 फरवरी, 1976 तक अथवा उस पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है।

सं० ए-32013/10/75-ई० एच०-(ii)---राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग में श्री एस० मुखोपाध्याय की उपनिदेशक उपस्कर के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि 29 फरवरी, 1976 तक अथवा उस पद के निमित्त आधार पर भरे जाने तक, उनमें से जो पहले हो, बढ़ा दी है।

टी० एस० श्रीनिवासन,
महायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

वम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1975

सं० 1/392/75-स्था०---श्री आर० डब्ल्यू० पटारकिने, आरबी शाखा, 10 नवम्बर, 1975 से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से तकनीकी सहायक नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/393/75-स्था०---श्री होटूराम चुष स्वाचिंग काम्पेक्स वम्बई 15 नवम्बर 75 से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप में तकनीकी सहायक नियुक्त किया जाता है।

पु० न० दामले,
महानिदेशक

वम्बई, दिनांक 27 नवम्बर 1975

सं० 1/367/75-स्था०---विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा वम्बई शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक, श्री आर० एल० मेनेजस को एक अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 15-10-75 से लेकर 15-11-75 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रवन्धक नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कुण्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी,
कृते महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

न्यू फारेस्ट देहरादून, दिनांक 21 नवम्बर 1975

सं० 16/236/75-स्थापना-1---अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून ने श्री बी० के० देशपांडे को पूर्वी वनराजिक महाविद्यालय, कुसिआंग, पश्चिम बंगाल में अस्थायी रूप में अभियांत्रिकी व सर्वेक्षण का सहायक आख्याता 19 अगस्त, 1975 के अपराह्न से फिलहाल छः माह अथवा अन्य आदेश जारी होने की अवधि तक, इनमें से जो भी पहले मिले, नियुक्त किया है।

प्रेम कपूर
कुल सचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्ता का कार्यालय,

इलाहाबाद, 30 अक्टूबर 1975

सं० 144/1975---मैं (जिसे कि नीचे हस्ताक्षर हैं) यह बड़े दुःख के साथ अधिसूचित करता हूँ कि श्री बी० पी० गुप्त, अधीक्षक, स्थायी अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो का देहान्त दिनांक 22, जुलाई, 1975 को अपराह्न में (दोपहर के बाद) हो गया श्री गुप्त इससे पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, मुरादाबाद के अन्तर्गत सम्भल में तैनात थे।

दिनांक 1 नवम्बर, 1975

सं० 148/1975---पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक (तकनीकी) के रूप में तैनात श्री आर० एन० शुक्ल, स्थायी अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो ने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय इलाहाबाद के अधीक्षक (तकनीकी) के कार्यालय का कार्यभार दिनांक 30-9-1975 को (दोपहर के बाद) श्री टी० के० भाटे, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो को सौंप दिया और वे उस तारीख और समय से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० 149/1975---पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, सीतापुर में तैनात श्री ललित मोहन, स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, सीतापुर के प्रशासन अधिकारी के कार्यालय का कार्यभार दिनांक 31-7-1975 को (दोपहर के बाद) श्री पी० के० खन्ना, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो को सौंप दिया और वे उक्त तारीख और समय से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

एच० बी० दास,
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

नई दिल्ली-12, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

सं० 11/1975---स्थानान्तरित होने पर श्री जे० एन० गुप्ता, सहायक रसायन परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण, प्रयोगशाला, नई दिल्ली ने दिनांक 8 अक्टूबर, 1975 (पु०) संनवीन सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला वम्बई में उसी क्षमता से कार्यभार संभाल लिया है।

बी० सा० रामनाथन
मुख्य रसायनज्ञ,
केन्द्रीय राजस्व

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद 20 नवम्बर 1975

सं० 3-421/75-सी० एच० (ई०)---श्री के० के० मूरती का सहायक जल भूविज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर

वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय बैंगलोर के साथ दिनांक 28-10-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-368/75-सी० एच० (ई०)—संघ लोक सेवा आयोग की चयन के फलस्वरूप श्री डी० एम० रामा राव को सहायक जल भूविज्ञानी वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000- ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई आधार पर उनके मुख्यालय बैंगलोर के साथ दिनांक 25-10-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 29 नवम्बर 1975

सं० 3-394/75-सी० एच० (ई०)—श्री पी० बी० राव को कनिष्ठ भूवैज्ञानिक वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर अस्थाई रूप से वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत उनके मुख्यालय शोलापुर के साथ दिनांक 27-10-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख,
मुख्य जल भूविज्ञानी

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1975

सं० 5/6/75-ई० सी०-1—राष्ट्रपति 1974 में हुई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर निम्नलिखित अभ्यर्थियों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I/केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I में सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)/सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत्) के अस्थायी पदों पर उनके नाम के आगे दी हुई तिथि से परिवीक्षाधीन नियुक्त करते हैं :—

केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I

क्रम सं०	सर्वश्री	पद ग्रहण करने की तिथि
1.	जी० मुत्सू कृष्णन्	1-11-75 पूर्वाह्न
2.	अरुण कुमार त्रिवेदी	27-10-75
3.	प्रदीप कुमार गुप्त	25-10-75 अपराह्न
4.	शमीम अहमद खां	27-10-75
5.	अनिल कुमार बजाज	29-10-75
6.	राम विलास सिंह	27-10-75
7.	प्रमोद कुमार गुप्त	27-10-75
8.	विपिन चन्द	6-10-75
9.	सुभाष चन्द्र पाधी	28-10-75
10.	राजेन्द्र प्रसाद	29-10-75
11.	अमरेन्द्र कुमार सिन्हा	10-11-75

केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियर सेवा श्रेणी-I

1.	सुभाष चन्द्र जोशी	27-10-75
2.	अजीजुल हक	10-11-75

पी० एस० पारवानी
प्रशासन उपनिवेशक

सवारी डिब्बा कारखाना

मद्रास-38 दिनांक 20 नवम्बर 1975

सं० पीबी/जीजी/9/मिस०II—श्री टी० के० बालसुब्रमणियन, स्थानापन्न सहायक कार्यक्रमक (श्रेणी III) को स्थानापन्न रूप से श्रेणी II सेवा में कार्यक्रम के पद पर तदर्थ रूप से दिनांक 21-10-75 से पदोन्नति की गई है।

श्री एल० जी० श्रीनिवासन, स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी/सी० ए० एस० (श्रेणी II) (तदर्थ) को दिनांक 5-11-75 के पूर्वाह्न से श्रेणी III सेवा को रिक्त किया गया है।

श्री बी० अरुचुतन नायर, स्थानापन्न जिला भंडार नियंत्रक/डिपो) कनिष्ठिग (व० मा०) दिनांक 4-10-75 के अपराह्न को अधिवर्षता की आयु पर पहुंचने पर दिनांक 31-10-75 के अपराह्न को अंतिम रूप से सेवा निवृत्त हो गए।

एस० सुब्रमणियन,
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी
कूते महा प्रबन्धक

दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता-700043, दिनांक 21 नवम्बर 1975

सं० पी०/जी/14/300बी०(II)—इस रेलवे के सिविल इंजीनियरी विभाग के स्थानापन्न अधिकारी (श्रेणी II) श्री एस० एम० के० रिजवी का पुष्ठीकरण इस रेलवे के उक्त विभाग की श्रेणी II-सेवा में दिनांक 28 मई, 1970 से किया जा रहा है।

दिनांक 24 नवम्बर 1975

सं० पी०/जी/14/300 सी०— श्री एल० आर० पैट्रिक का पुष्ठीकरण भण्डार-विभाग में सहायक भण्डारनियंत्रक (श्रेणी II) के रूप में 2 अक्टूबर 1969 से किया जा रहा है।

एम० मैनेजिज
महाप्रबन्धक

पूर्वोत्तर सोमा रेलवे

पाण्डू, दिनांक 27 नवम्बर 1975

सं० ई०/55/III91/पार्टIII(O)—श्री आर० रालका पथांगा को, जिन्हें यातायात (परिवहन) तथा वाणिज्य विभाग की उच्च राजस्व स्थापना में परीक्षाधीन सहायक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था, दिनांक 22-11-74 से अवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है।

एम० आर० रेड्डी,
महाप्रबन्धक

मध्य रेल

बम्बई, दिनांक 17 अक्टूबर 1975

सं० एच० पी० बी०/220/जी/डब्ल्यू—सिविल इंजीनियरी विभाग के स्थानापन्न श्रेणी II के अधिकारी श्री टी० के० जान, को उसी विभाग में दिनांक 7/8/1975 से सहायक इंजीनियर के रूप में स्थायी किया गया है।

दिनांक 28 नवम्बर 1975

सं० एच० पी० बी०/220/जी/II/एल—नीचे लिखे स्थानापन्न सहायक विद्युत् इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) को इसी पद पर उसके सामने दिखाई गई तारीख से स्थायी किया जाता है :—

नाम	द्वितीय श्रेणी सेवा में स्थायी किए जाने की तारीख
श्री श्री० श्री० कठवते	19-8-1970
ब० द० मेहरा	
महाप्रबन्धक	

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और कमाल मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, 26 नवम्बर 1975

सं० 1540/टी (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर कमाल मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रामामूर्ति कॉफी एग्जिकलचरल डैवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1975

सं० 1247/टी (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर रामामूर्ति कॉफी एग्जिकलचरल डैवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ओम प्रकाश जैन,
कम्पनी रजिस्ट्रार
गोध्र प्रवेश हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री पाल दी सोसा (फीड) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

गोवा, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० 130/जी—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री पाल दी सोसा (फीड) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज

रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

द० रा० भारोटे
कंपनियों का रजिस्ट्रार
गोवा दमन और दीव

कार्यालय, आयकर आयुक्त, बिहार-I नवम्बर पटना।

पटना, दिनांक 22 नवम्बर 1975

जैसा कि केन्द्रीय सरकार की राय में जनहित की दृष्टि से यह आवश्यक एवं समीचीन है कि उन निर्धारितियों के नाम तथा उनसे सम्बन्धित अन्य व्योरे का प्रकाशन किया जाय जिन पर 5,000 रु० से कम अर्थदण्ड नहीं लगाया गया था। मैं एतद्वारा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 287 के अन्तर्गत उन निर्धारितियों के नाम तथा अब व्योरे अधिसूचित करता हूँ जिन पर वर्ष 1974-75 के अन्तर्गत 5,000/- रु० से कम अर्थदण्ड नहीं लगाया गया था। (क) हंसियत निर्देश-अभितथत के लिए—आई, हिन्दू अविभक्त परिवार के लिए—'एच', फर्म के लिए 'एफ' तथा कम्पनी के लिए 'सी' (ख) निर्धारण वर्ष (ग) अर्थदण्ड की राशि।

(1) श्री मुरली धर, मारनोली, प्रा० वक्सीराम लक्ष्मी नारायण, किरकेन्द्र (क) आई (ख) 1970-71 (ग) 5587 रु० और 18131 रु० (ख) 1971-72 (ग) 25888 रु० और 30549 रु० (2) श्री द्वारका प्रसाद बर्नवाल, भोरा (क) आई (ख) 1970-71 (ग) 24000 रु० (3) श्री रैवल चन्द दत्ताराम (क) आई (ख) 1970-71 (ग) 5561 (4) मेसर्स बजोरिया इलेक्ट्रिक स्टोर, झरिया (क) एफ (ख) 1970-71 (ग) 19875 रु० (5) श्री रमेश एच० सोनपाल, कटरास रोड (क) आई (ख) 1972-73 (ग) 11000 रु० (6) मेसर्स झरिया सीलकीकेट और केमिकल वर्क्स, झरिया (क) एफ० (ख) 1965-66 (ग) 8783 रु० (7) मेसर्स गुरुदयाल सिंह एण्ड सन्स, सिन्धी (क) आई (ख) 1963-64 (ग) 5000 रु० (8) श्री जी० एल० पाठक द्वारा रतन जी भवान जी, झरिया (क) आई (ख) 1963-64 (ग) 10197 रु० (ख) 1967-68 (ग) 11000 रु० (9) श्री महन्द्र प्रार० पटल, झरिया (क) आई (ख) 1970-71 (क) 13980 रु० (10) श्री सत्यदेव लाल, झरिया (क) आई (ख) 1969-70 (ग) 18500 रु० (11) श्री विजय कुमार दत्ता, झरिया (क) आई (ख) 1970-71 (ग) 11672 रु० (12) श्री रुद्र प्रताप लोढ़ा : प्रो०-रिलायन्स कन्स्ट्रक्शन कं०, कटरास (क) आई (ख) 1970-71 (ग) 9700 रु० (13) श्री सुभान खां, नया बाजार, धनबाद (क) आई (ख) 1970-71 (ग) 8810 रु० (ख) 1971-72 (ग) 8810 रु० (14) मेसर्स वैधनाथ ट्रेडिंग कं०, देव घर (क) एफ० (ख) 1970-71 (ग) 16500 (15) मेसर्स कुआ एण्ड खास कुआ, झरिया (क) एफ (ख) 1963-64 (ग) 15000 रु० (16) श्री चन्द्रदेव सिंह, झुमरीतिलया (क) आई (ख) 1966-67 (ग) 25732 रु० (ख) 1967-68 (ग) 7298 रु० (ख) 1968-69 (ग) 48333 रु०

(ख) 1969-70 (ग) 56375 (ख) 1970-71 (ग) 65920 रु० (17) श्रीमती मालती साहू, उत्तमप्रकार, स्व० श्रीमती के० डी० साहू, गिरीडीह (क) आई (ख) 1968-69 (ग) 12000 रु० (18) मसर्स सदन लाल आनन्द मोहन, धनबाद, (क) एच (ख) 1970-71 (ग) 20250 रु०

जैसा कि केन्द्रीय सरकार की राय में जन हित का दृष्टि से यह आवश्यक एवं समीचीन है कि उन निर्धारितियों और कम्पनियों के नाम तथा उनसे सम्बन्धित अन्य व्योरे का प्रकाशन किया जाय जिनका निर्धारण क्रमशः एक लाख रुपये तथा दस लाख रुपये तथा दस लाख से अधिक आय पर किया गया है। मैं एतद्वारा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 287 के अन्तर्गत निम्नलिखित निर्धारितियों और कम्पनियों के नाम तथा अन्य व्योरे अधिसूचित करता हूँ जिनका निर्धारण वर्ष 1974-75 के अन्तर्गत क्रमशः एक लाख रुपये तथा दस लाख रुपये से अधिक आय पर किया गया है। (क) हैण्डल-व्यक्तिगत के लिए —आई, हिन्दू अधिभक्त परिवार के लिए, एच० व० एफ०, कम्पनी के लिए—सी (ख) निर्धारण वर्ष (ग) घोषित आय (घ) निर्धारित आय (च) निर्धारित द्वारा देय कर (छ) निर्धारित द्वारा चुकाया गया कर।

- (1) श्री विश्वनाथ प्रसाद, विसनी, कलम, ससराम ।
(क) आई (ख) 1971-72 (ग) नहीं (घ) 1,20,000 रु० (च) 1,19,119 रु० (छ) शून्य ।
- (2) श्री एस० के० सेन उपनाम-लाली सेन द्वारा/लालीज इंटरप्राइजेज लि०, एक्जीक्यूटिव रोड, पटना ।
(क) आई (ख) 1974-75 (ग) 1,38,308 (घ) 1,38,308 रु० (च) 70,560 रु० (छ) 20,617 रु० ।
- (3) श्री नागेश्वर प्रसाद, एडवोकेट, डाक बंगला रोड, पटना ।
(क) आई (ख) 1972-73 (ग) 85,056 रु० (घ) 1,02,960 रु० (च) 62,683 रु० (छ) 62,683 रु०
- (4) चन्द्रकान्त बीरजी संधी, क्षरिया ।
(क) आई (ख) 1972-73 (ग) 1,08,826 (घ) 1,14,540 रु० (च) 73,177 रु० (छ) 73,177 रु०
- (5) बीरजी रतनजी संधी, क्षरिया ।
(क) आई (ख) 1972-73 (ग) 1,24,143 (घ) 1,33,750 रु० (च) 90,496 रु० (छ) 90,496 रु० ।
- (6) शिवराम सिंह कतरास ।
(क) आई (ख) 1973-74 (ग) 99,570 रु० (क) आई (ख) 1973-74 (क) 99,570 रु० (घ) 1,04,500 रु० (च) 62,026 रु० (छ) 62,026 रु० ।

- (7) श्री धर्म चन्द जैन, चाईबासा ।
(क) आई (ख) 1973-74 (ग) 79630 रु० (घ) 1,07,330 रु० (च) 50,676 रु० (छ) 19,190 रु० ।
- (8) मेसर्स तोला राम मदन लाल, रांची ।
(क) एच० यू० एफ० (ख) 1972-73 (ग) 25,360 रु० (घ) 1,97,186 रु० (च) 1,51,440 रु० (छ) 6,272 रु०
- (9) मेसर्स बिहारी लाल लूकराय, रांची ।
(क) एच० यू० एफ० (ख) 1972-73 (ग) 24712 रु० (घ) 301240 रु० (च) 389,257 रु० (छ) 6060 रु०
- (10) श्री पी० सी० जयसेनी, कांदा ।
(क) आई (ख) 1973-74 (ग) 105974 (घ) 107370 रु० (च) 56344 रु० (छ) 56344 रु०
- (11) श्री विवेक बी० पारिख, जमशेदपुर ।
(क) आई (ख) 1973-74 (क) 25141 रु० (घ) 115100 रु० (च) 69459 रु० (छ) 62370 रु०
- (12) श्री ए० राव चौधरी, जमशेदपुर ।
(क) आई (ख) 1973-74 (ग) 146720 रु० (घ) 208240 रु० (च) 159855 रु० (छ) 159855 रु० ।
- (13) श्री पी० एच० प्रदारा हिन्दुस्तान कापर लि०, घाटशिला ।
(क) आई (ख) 1973-74 (ग) 103196 रु० (घ) 103200 रु० (च) 62744 रु० (छ) 62744 रु० ।
- (14) श्री एम० जी० दीवान द्वारा टीन प्लेट कं० आफ इंडिया लि०, जमशेदपुर ।
(क) आई (ख) 1972-73 (ग) 102682 रु० (घ) 100520 रु० (च) 60279 रु० (छ) 60279 रु०
- (15) श्री आर० एच० बरोचा, द्वारा टल्को ।
(क) आई (ख) 1972-73 (ग) 73384 रु० (घ) 104870 रु० (च) 64280 रु० (छ) 37100 रु०
- 16 (क) मेसर्स सराय केला ग्लास वर्क्स प्रा० लि०, कांदा, जमशेदपुर ।
(क) सी (ख) 1962-63 (ग) 1967408 रु० (घ) 2045330 रु० (च) 1022666 रु० (छ) 1022666 रु० ।

- (16) (क) मैसर्स सराय बेला ग्लास वर्क प्रा० लि०, कांदा, जमशेदपुर।
 (क) सी (ख) 1962-63 (ग) 1967408
 रु० (घ) 2045330 रु० (च) 1022666 रु०
 (छ) 1022666 रु०
 (ख) (क) सी (ख) 1963-64 (ग) 3050
 762 रु० (घ) 3300900 रु० (च) 1650450
 रु० (छ) 1650450 रु०।
- (17) हेरोट इंजीनियरिंग कम्पनी (इण्डिया प्रा०) जमशेदपुर
 (क) सी (ख) 1974-75 (ग) 14663780
 रु० (घ) 14736790 रु० (च) 10709883
 रु० (छ) 10709883 रु०

दिनांक 24 नवम्बर 1975

मैं एतद्वारा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 287 के अन्तर्गत उन निर्धारितियों के नाम प्रकाशन हेतु अधिसूचित करता हूँ जो दिनांक 31-3-1975 को दो वर्ष तीन महीने तथा उससे अधिक अवधि के लिए व्यतिरिक्त थे।

- (क) हैसियत निर्देश-व्यक्तिगत के लिए 'आई' तथा फर्म के लिए 'एफ'
- (ख) न चुकाई गई राशि।
- (1) मैसर्स स्टैण्डर्ड मकेन्टाइल क०, पटना (क) एफ.
 (ख) 343521/ रु०
- (2) श्री वासुदेव अग्रवाल द्वारा उपयुक्त (क) आई (ख)
 39000/रु०

दिनांक 26 नवम्बर 1975

मैं एतद्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के अन्तर्गत उन निर्धारितियों के नाम तथा अन्य व्योरे प्रकाशन हेतु अधिसूचित करता हूँ जिनके मामले में वर्ष 1974-75 में एक लाख से अधिक राशि बट्टे खाते में डाली गई है।

- (क) हैसियत निर्देश-अपजीकृत फर्म के लिए यू० आर० एफ० तथा कम्पनी के लिए 'सी०'
- (ख) बट्टे खाते में डाली गई राशि (वर्ष सहित जिसमें यह उत्पन्न हुआ) के लिए।
- (ग) आदेश संख्या एवं तिथि जिसके अन्तर्गत राशि बट्टे खाते में डाली गई।
- (1) मैसर्स द्वारका दास एण्ड क० गया।
 (क) यू० आर० एफ० (ख) 1948-49, रु० 1,15,272, 1949-50 रु० 5,231/- और 1950-51 रु० 12,630/- (ग) आयकर आयुक्त का आदेश दिनांक 26-3-1975।
- (2) मैसर्स हलधर एण्ड क० (प्रा०) लि०, पटना।
 (क) सी (ख) 1968-69 रु० 347/-, 1969-70 रु० 6,120/- 1970-71 रु० 24,533/- 1971-72 रु० 1,14,337/- 1972-73 रु० 57,999/- और 1973-74 रु० 69,475/- (ग) आयकर आयुक्त का आदेश दिनांक 29-3-1975।

टिप्पणी—यह विवरण किसी व्यक्ति पर बकाया कर बट्टे खाते में डाल दिया गया है, केवल यह अर्थ रखता है कि आयकर विभाग की राय में प्रकाशन की तिथि तक निर्धारितों के ज्ञात श्रोतों से इसे वसूल नहीं किया जा सकता है। प्रकाशन का अर्थ यह नहीं है कि राशि कानूनन अशोध्य (न वसूल किए जाने योग्य) है या कि निर्धारितों की देय राशि अदा करने की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है।

एस० आर० खराबन्दा,
 आयकर आयुक्त, बिहार-1, पटना।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री ज्ञान सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सरताज सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज कार्यालय लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, तारीख 19 नवम्बर 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

निदेश सं० 94-एस/एक्यू—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 15/5 है तथा जो ग्राम—एन्ठपुर जिला खीरी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निघासन में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
17-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृक्षमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह

विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 15/5 जिसका क्षेत्रफल 6.25 एकड़ है जो
ग्राम एन्ठपुर डा० पलिसा जिला खीरी में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातुः—

तारीख 19-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 20 नवम्बर 75

निदेश सं० 50-बी/एक्यू—अतः मुझ बिशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० डी 53/101 अ है तथा जो मो० लक्ष्मी-वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-5-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—386 GI/75

(1) श्री बालकृष्ण सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री बलराम नाग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० डी० 53/101 ए मोहल्ला लक्ष्मी शहर वाराणसी में स्थित है।

बिशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 20-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री प्रेम शंकर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री गज राम सिंह व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता ।

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, तारीख 20 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 24 जी/एक्यू—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 156 एम है तथा जो ग्राम—हरथला जि०
मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
सम्भल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 30-5-1975 को

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नेह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

कृषि भूमि खसरा नं० 156 एम जो ग्राम हरथला परगना
सम्भल जिला—मुरादाबाद में स्थित है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

विश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 20-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

(1) श्री प्रेम शंकर

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सोम पाल व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ :—

अर्जन रेंज कार्यालय लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, तारीख 20 नवम्बर 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

निर्देश नं० 95-एस/एक्यु—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 156 एम है तथा जो ग्राम—हरथला जि०
मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उक्तबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सम्मल
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन;
तारीख 30-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 156 एम जो ग्राम हरथला परगला
सम्मल जिला मुरादाबाद में स्थित है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :-

तारीख : 20-11-1975

मोहर :

विश्वम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राम लाल व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री टेहल राम व अन्य

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय लखनऊ

लखनऊ तारीख 20 नवम्बर 1975

निदेश सं० 13-टी/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० ई० डी० 9/115 है तथा जो मो० फरीशीटोला
बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
9-5-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान पुखता नं० ई० टी० 9/115 जो मोहल्ला फरीशी-
टोला, बरेली में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख 20-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री प्रेम शंकर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राम चन्दर व अन्य

(अतन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज कार्यालय लखनऊ

लखनऊ, तारीख 20 नवम्बर 1975

निदेश सं० 74-आर/एन्यू—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 156 एस है तथा जो ग्राम हरथला जि० मुरादाबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सम्भल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-5-
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 156 एस जो ग्राम-हरथला डा० खास
परगना सम्भल जिला—मुरादाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ।

तारीख : 20-11-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री परबत के० पटेल और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I, बम्बई

बम्बई, तारीख 29-11-75

निर्देश सं० आई 1/1167-8/अप्रैल 75—अतः, मुझे, वही०

आर० अग्नि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 478 (अंश) माहिम डिवीजन है, जो शिवाजी पार्क रोड नं० 5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-4-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(2) न्यु शंकरप्रायमसीस को० आप० हाउसिंग सो० लि०,
(अन्तरिती)

(3) किराएदार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले में शिवाजी पार्क रोड सं० 5 पर स्थित एवं अवस्थित भूमि का वह तमाम भाग अथवा टुकड़ा जिसका प्लॉट सं० 4 टी० पी० एस बम्बई नगर-2 (माहिम क्षेत्र) जो कि माप में 575 वर्गगज, अर्थात् 457.22 वर्गमीटर अथवा उसके समकक्ष है, माहिम डिवीजन का भाग है जिसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं :-

उत्तर में अथवा उत्तर की ओर प्लॉट सं० 7 है तथा अंशतः प्लॉट सं० 6 है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर शिवाजी पार्क रोड नं० 5 है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर प्लॉट सं० 1 है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर 40 लिफ्टिंग रोड है ।

वही० आर० अग्नि

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I, बम्बई

तारीख 29 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, बम्बई

बम्बई, तारीख 2-12-75

निर्देश सं० आई-1/1166-7/अप्रल 75—अतः, मुझे वही०
आर० अमिन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि अस्थायी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 708 मलबार हिल डिवीजन
है जो पेडर रोड में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 15-4-75 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और है यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिपों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) दामोदरदास हंसराज और श्री लक्ष्मीदास हंसराज
(अन्तरक)

(2) स्टर्लींग कोम्पापरेटीव हा० सो० लि०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई के रजिस्ट्रेशन जिले में पेडर रोड (फोर्ट के बिना)
पर स्थित भूमिका फ्रीहोल्ड जमीन अथवा ग्राउंड जिसमें उसपर
बने हुए भवन भी शामिल हैं का वह तमाम भाग अथवा खण्ड जो
कि माप में 981 वर्ग गज अथवा उसके समकक्ष है तथा भूराजस्व
की पुस्तकों में पुरानी संख्या 616 नई संख्या 2861 के अधीन
पंजीकृत है और नया सर्वेक्षण संख्या 8/7119 है और उसका
निर्धारण बाम्बे म्युनिसिपालिटी के "डी" वार्ड संख्या 3490(1)
और स्ट्रीट नं० 34 के अधीन किया गया है। मलबार और खंबाला
डिवीजन की कंडस्ट्राल सर्वेक्षण संख्या 708 है तथा जो इस प्रकार
से घिरा हुआ है कि

उत्तर में अथवा उत्तर की ओर खाली मदान है जो कि रोदने-
वाले (पंचजर) का है,

दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर खरीदनेवाले (पंचजर)
की प्रापटी है;

पूर्व में अथवा पूर्व की ओर उपरोक्त पेडर रोड है और पश्चिम
में और पश्चिम की ओर खरीदनेवाले (पंचजर) की प्रापटी है।

वही० आर० अमिन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख 2-12-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, तारीख 3 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई 2/2006/3297/75-76—अतः मुझे एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फायनल नं० 4 टी० पी० एस नं० 1 है, जो बिसन्ट रोड, सान्ताक्रुस म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री सुखदेवसरन केदारनाथ और ईश्वरसरन केदारनाथ भार्गव

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री जसराज रामजी पटेल और प्रेमजी जगराज पटेल

(अन्तरिती)

(3) 1. श्रीमती एम० एन० फड़णीस

2. एन० बी० छाया और

3. डा० एच० डी० देसाई

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा में बिसन्ट रोड, सान्ताक्रुस मौजे दी डा में स्थित भूमि अथवा मदान का उसपर बने भवनों सहित वह तमाम भाग अथवा खंड जो कि माप में 1958 वर्गगज अर्थात् 1637.08 वर्ग मीटर के बराबर है, की टाउन प्लानिंग स्कीम सान्ताक्रुस-1 (वैरिड) जिस पर म्युनिसिपल एच वार्ड और संख्याएं 3698 (1) तथा 3696 (2) और उनकी संख्याएं 20 और 20 ए बिसन्ट रोड दिया गया है, वह इस प्रकार से घिरी हुई है:—

उत्तर में अथवा उत्तर की ओर मास्टर अंबाराम व्यास की प्रोपर्टी है,

दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर मोहनलाल गोपालजी दवे की प्रापर्टी है,

पूर्व में अथवा पूर्व की ओर बिसन्ट रोड है पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर एस० आर० बागवे तथा अन्य व्यक्तियों से संबंधित प्लॉट का हिस्सा है।

एम० जे० माथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 3 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, तारीख 11 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० डी एल आई/138/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 62403 वर्ग गज साईट नं० II का भाग) है तथा जो सैक्टर नं० 13, शहरी संपदा फरीदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ [की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित शर्तियों, अर्थात् :—

4-386 GI/75

(1) मुख्य अधिकारी,
मै० एसकौर्टस टर्रेक्टर लिमिटेड
एसकौर्टस हाऊस, रोशनारा रोड, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मुख्य अधिकारी मै० एसकौर्टस लिमिटेड
महाजन हाउस,
नई दिल्ली हाऊथ एक्सटेंशन पार्ट II,
रिंग रोड, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 62,403 वर्ग गज साईट नं० II का भाग सैक्टर 13, शहरी संपदा फरीदाबाद जोकि हरियाना राज्य में है।

जैसे कि संपदा अधिकारी फरीदाबाद के कार्यालय में ड्राइंग नं० डी० टी० पी० (अफ)—310/70 तिथि 6 जुलाई 1975 में दिखाया है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 563 अप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चण्डीगढ़
कैम्प लुधियाना

तारीख : 11-12-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़ का कार्यालय

धारवाड़, तारीख 5 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 89/75-76/एक्यू—यतः मुझे पी० सत्यनारायण राव सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज धारवाड़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० 10 और 11 है, जो बेलगांव में म्युनिसिपल हद्दी में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव ऑफिस सं० 71 के अन्तर्गत अप्रैल 1975 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री पिस्तोनजी कुरसेटजी बॉयस,
3934, काली अम्नाय,
बेलगांव

(अन्तरक)

(2) श्री केकी कवास मेहता,
(ii) श्रीमती खोरशेड कवास मेहता,
(iii) कुमारी झरीन कवास मेहता,
154, क्यांप, बेलगांव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 10 और 11 जो आर० एस० सं० 960 ए/2ए में बेलगांव म्युनिसिपल हद्दी में, बेलगांव में स्थित है।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 5-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज धारवाड़ का कार्यालय

धारवाड़, तारीख 5 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 89/75-76/एक्यू यतः, मुझे पी० सत्यनारायण
राव,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० प्लॉट सं० 3 है, जो बेलगांव में म्युनिसिपल हद्दी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव डॉक्यूमेंट सं०
532 के अन्तर्गत 12-6-1975 के दिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पिस्तोनजी कुरसेटजी वॉयस,
3934, काली अम्ब्राय,
बेलगांव,

(अन्तरक)

(2) श्री मानिकलाल जीवराज मेहता,
काली अम्ब्राय,
बेलगांव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट सं० 3 जो धार० एस० सं० 960ए/2ए में बेलगांव
म्युनिसिपल हद्दी में बेलगांव में स्थित है ।

पी० सत्यनारायण राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, धारवाड़

तारीख : 5-12-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर तारीख 10 दिसम्बर 75

निर्देश सं० राज०/सहा० आयु० अर्जन/305—यतः मुझे
सी० एस० जैन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिस की सं० डी-46/बी है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अप्रैल 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री जगमोहन लाल तंखा पुत्र श्री लाडली लाल तंखा
निवासी प्लॉट नं० डी-46/बी, सी-स्कीम, मालवीय
मार्ग, जयपुर

(अन्तरक)

1. (1) श्री विष्णुकुमार मोदी पुत्र श्री श्रीकिशन मोदी,
(2) श्रीमती कमला देवी पत्नि श्री श्रीकिशन मोदी,
निवासी नीमकाथाना, जिला सीकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां, शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मालवीय मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर पर स्थित प्लॉट नं० डी-
46/बी की 317.9 वर्गमीटर जमीन, जो और अधिक विस्तृत
रूप से उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम सं० 1005 दिनांक
21-4-1975 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में वर्णित है।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 10-12-75
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० राज०/सहा० आयु० अर्जन/306—यतः मुझे सी० एस० जैन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० डी-46/बी है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जुलाई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री जगमोहन नाथ तंखा पुत्र श्री लाडली लाल तंखा, निवासी प्लाट नं० डी-46/बी, सी-स्कीम, मालवीय मार्ग, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. विष्णु कुमार मोदी पुत्र श्री श्रीकिशन मोदी
2. श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री श्रीकिशन मोदी, निवासी—नीमकाथाना, जिला सीकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मालवीय मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर पर स्थित प्लाट नं० डी-46/बी की 329.9 वर्गमीटर जमीन, जो और अधिक विस्तृत रूप से उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2363 विनांक 15-7-75 पर पंजिबद्ध विक्रयपत्र में वर्णित है।

सी० एस० जैन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 10-12-1975

मोहर :

प्रकर आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-561 (245)/1-1/75-76---

यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और
जिस की सं० एफ० पी० नं० 170, 171, सब प्लॉट नं० 5,
टी० पी० एस० नं०-3, है, जो शेखपुर, खानपुर, उर्फ नवरंगपुरा,
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) गैला जयंती लाल शाह,

पावर आफ अटारनी लेटर

श्री मलूकचंद छोटालाल शाह के लिए तथा और से:-

द्रुपती प्लेट्स, हाई कोर्ट के पीछे, नवरंगपुरा, अहमदाबाद
(अन्तरक)

(2) अक्षय को० आप० हाउसिंग सोसायटी, की ओर से
चीफ प्रोमोटर :-

श्री रसिक लाल माधवजी शाह,

पांचवीं मंजिल, रायल एपार्टमेंट्स, खानपुर,

अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वह खुली जमीन का प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 604 वर्ग
गज है और जिसका एफ० पी० नं० 170, 171, सब प्लॉट नं० 5,
टी० पी० एस० नं०-3 है—और जो शेखपुर, खानपुर, उर्फ नव-
रंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अप्रैल,
1975 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 3860 में दिया गया है ।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 11-12-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14ए०, आसफअली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 1/एस आर-III/540/75-76/—यतः, मुझे च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कैटगिरी-34, ग्रुप-'बी' है, जो कालीदी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब्रह्म अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमला देवी, पत्नी श्री हंस राज,
आर-570, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) (1) श्री विरन्द्र कुमार (2) विपीन कुमार तथा श्रीमती शान्ता कुमारी, पत्नी श्री आनन्द प्रकाश, निवासी मकान नं० 2014, गली बर्फ वाली, किनारी बाजार, दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका कैटगरी नं० 34, ग्रुप नं० 'बी' है और क्षेत्रफल 472.2 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालीनी कालीदी, स्वतन्त्रता को-आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लि०, नई दिल्ली, दिल्ली नगर निगम के क्षेत्र के अन्तर्गत, रिंग रोड, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—रोड़ 50'

पश्चिम—प्लॉट नं० 33

उत्तर—रोड़ 30'

दक्षिण—लेन 15'

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 10-12-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

तारीख 10 दिसम्बर 75

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1 मई-11/21/541/
75-76—यतः, मुझे च० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० प्लॉट नं० 1, ब्लाक 'डब्लू' है, जो ग्रेटर कैलाश-
II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 22-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) म० सतीश ट्रेडिंग कं०, (उनके हिस्सेदार श्रीमती
शोला पत्नी श्री बलदेव राज सचदेवा के द्वारा)
द्वारा हंस राज एन्टरप्राइजेस, ई-64, ग्रेटर कैलाश-I,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रवी चावला, सुपुत्र श्री एस० आर० चावला,
ई-14, निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका नं० 1, ब्लाक नं०
'डब्लू' है तथा क्षेत्रफल 1144 वर्ग गज है और जोकि ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली, दिल्ली नगर निगम, भापुर गांव के रवैन्यू इस्टेट, दिल्ली
की यूनियन टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है :

पूव—रोड़

पश्चिम—कालौनी सीमा

उत्तर—प्लॉट नं० डब्लू-3

दक्षिण—रोड़

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 10-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज 1, दिल्ली-1

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली 1

तारीख 10 दिसम्बर 9 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर-III/801
(52)/75-76/- यतः मुझे, च० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 258-बी, ब्लाक 'एन' है, जो ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 29-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है: —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात: —

5—386GI/75

(1) श्रीमती पाश भाटिया, पत्नी श्री कपिल भाटिया, तथा
श्रीमती प्रकाश बन्ती, पत्नी स्वर्गीय श्री उत्तम चन्द,
निवासी सी-54, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशील रानी चौपड़ा, पत्नी श्री समर्थ राम
चौपड़ा, ए-22, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 674 वर्ग गज
है और नं० 258-बी है और ब्लाक नं० 'एन' है तथा जोकि ग्रेटर
कैलाश 1, नई दिल्ली, दिल्ली नगर निगम के अन्तर्गत निम्न
प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—रोड

पश्चिम—सर्विस लेन

उत्तर—प्लॉट नं० एन-260

दक्षिण—प्लॉट नं० एन-258-ए

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 10 दिसम्बर 1975

मोहर:—

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

तारीख 10 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1 एस० आर-III/
(49)/मई-1/768/75-76/—यतः, मुझे ज्ञ० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 48-एम ब्लाक (मार्किट) है, जो ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्व रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 15-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1).
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) डा० उधे सिंह गहुनिया, सुपुत्र श्री हरभजन सिंह
गहुनिया इनके पिता तथा कानूनी प्राप्त अटारनी
श्री हरभजन सिंह, निवासी 29/6, वैस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली, (अन्तरक)
- (2) शान्ती देवी शर्मा, पत्नी श्री मोहन लाल शर्मा, निवासी
ई-167, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट की भूमि का 1/2 अविभाजित भाग जिसका नं० 48
ब्लाक नं० 'एम' है और क्षेत्रफल 194 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी
कालौनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—रोड

पश्चिम—रोड

उत्तर—दुकान प्लॉट नं० एम-47

दक्षिण—दुकान प्लॉट नं० एम-49

ज्ञ० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—1/दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 10 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

तारीख 10 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 1/एस आर-III/मई-11/
803 (55)/75-76/—यतः मुझे चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 200-एस है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री करनल उत्तम चन्द चौपड़ा, सुपुत्र श्री चं० अमीर
चन्द, 13, कोटा हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री तिलक राज गम्भीर, सुपुत्र श्री मरदारी लाल
गम्भीर, 4-ए/50, डबल स्टोरी, लाजपत नगर-4, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लॉट की भूमि का 1/2 भाग जिसका नं० 200,
ब्लॉक नं० 'एस' है और जो कि ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में,
दिल्ली नगर निगम, बेहापुर गांव के राजस्व क्षेत्र, दिल्ली राज्य में
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—सर्विस लेन

पश्चिम—रोड

उत्तर—ईसी प्लॉट नं० 200-एस का 1/2 भाग

दक्षिण—मकान नं० 202-एस

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 10 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

तारीख 10 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस आर-III/743

(14) 75-76/—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में दिया गया है, जो जोनापुर गांव, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरी चन्द, बिल्लू तथा लखी चन्द, सुपुत्र श्री हत राम, (जनरल एटारनी के श्री प्रेम नाथ के द्वारा सुपुत्र श्री हंस राज, निवासी 1656, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) न्यू भारत कंस्ट्रक्शन कं०,
सी-87, एन० डी० एस० सी०पार्ट-II,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड भूमि का टुकड़ा जोकि करीब 6 बीगा तथा 6 बिसवा है तथा मुस्तातोल नं० 15 है तथा जोकि किले का भाग जिसका नं० 17 तथा 18 है और जोकि जोनापुर गांव, तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है।

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—1, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख 10-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

तारीख 10 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस आर-III/75-
76/539 —यतः मुझे, च० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में दिया गया है, जो जोनापुरा
गांव, महरोली तहसील, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 27/5/75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री हरी चन्द, बालू तथा लखी चन्द, सुपुत्र श्री हेत
राम, निवासी जोनापुर गांव, महरोली तहसील,
नई दिल्ली, (उनके जनरल एटारनी श्री प्रेम नाथ,
सुपुत्र श्री हंस राज, निवासी 1656, कोटला मुबारक
पुर, नई दिल्ली तथा श्री नारेन्द्र आनन्द, सुपुत्र श्री
गियान चन्द, निवासी 1632, नाई वाला कारील
बाग, नई दिल्ली के द्वारा) (अन्तरक)

(2) श्री अणोक घूग, राजिन्द्र चूग तथा रवी चूग, सभी
सुपुत्र श्री जे० एल० चूग, निवासी 9-ए/37, कारील
बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड भूमि का टुकड़ा जोकि करीब 5 बिगा तथा 4
बिगवास है तथा मुस्तातोल नं० 28, किला नं० 2 तथा 9 है और
जोकि जोनापुर गांव, महरोली तहसील, नई दिल्ली में स्थित
है।

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1/दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 10-12-1975

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

तारीख 10 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 1/एस आर-III/मई-II/807/(61)/75-76—यतः मुझे, च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 6/40 है, जो जंगपुरा 'बी', नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री राजेश कपूर, सुपुत्र श्री केशवा नन्द, ए-35, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री गुरचरण सिंह सुपुत्र श्री एस० हरबंस सिंह, (2) एस० हरबंस सिंह, सुपुत्र एस० अतर सिंह, निवासी, डी-4/57-58, अमर कलौनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट की भूमि जिसका सं० 6/40 है और क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालौनी, जंगपुरा 'बी', नई दिल्ली में सभी अधिकारों सहित स्थित है ।

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

तारीख, 10 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/866/75-76/—
यतः, मुझे च० वि० गुप्ते,
(आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एस-101 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 2-7-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जगजीत सिंह गिहा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री अतमा सिंह,
के-9, एन० डी० एस० सी० पार्ट-II, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्री कोर्ती लाल गुलाटी,
मकान नं० टी-632, किला कादम शारीफ मोहला,
नाबी कारीम, पहाड़ गंज, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका नं० 101, ब्लॉक नं०
'एम' है और जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी
कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली, बाहापुर गांव दिल्ली को
यूनियन टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—रोड

पश्चिम—रोड

उत्तर—प्लॉट नं० एम-99

दक्षिण—प्लॉट नं० एम-103

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 10 दिसम्बर 1975

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

तारीख 9 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/962/75-76/—

यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिस की सं० 4 है, जो राम किशोर रोड, सिविल लाइन्स,
दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 19-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री परवीन खन्ना, (नाबालिग), सुपुत्र श्री प्रताप
चन्द खन्ना, प्राकृतिक संरक्षक श्री प्रताप चन्द खन्ना,
निवासी 57, राजपुर रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम प्रकाश गरोवर (2) चरणजीत गरोवर,
सुपुत्र श्री जे० सी० गरोवर (3) पूरन प्रकाश गरोवर
(4) श्री नारायण प्रकाश गरोवर, सुपुत्र श्री रूप
चन्द, निवासी 4, राम किशोर रोड, सिविल लाइन्स,
दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि फ्रीहोल्ड भूमि पर बना है जिसका
क्षेत्रफल 3016 वर्ग गज है जोकि 4 नं० से जाना जाता है, राम
किशोर रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व—राम किशोर रोड, दिल्ली

पश्चिम—मकान नं० 12

उत्तर—मकान नं० 6

दक्षिण—मकान नं० 21, श्रीराम रोड

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 9 दिसम्बर 1975

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

तारीख 14 दिसम्बर 1975

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर-III/666
(51)/75-76—यत० मुझे, चं० वि० गुप्ते

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिस की स० ए-67 है, जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

6—386GI/75

(1) श्री एस० रतन सिंह, सुपुत्र श्री उद्यम सिंह, निवासी ए-67, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली (लेकिन अब जे-41, एस० डी० एस० सी० पार्ट-1, नई दिल्ली) (अन्तरक)

(2) श्री बनारसी दास अग्रवाल, सुपुत्र श्री शिवदशन दास, (2) श्रीमती वीणा अग्रवाल, पत्नी श्री निरनजन कुमार, निवासी पी-29 ग्रीन पार्क एसक्सटेशन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

(3) पैस्ट वनटोल (इन्डिया) प्रा० लि० (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर क्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट की भूमि जिसका न० 67, न० ए, है और क्षेत्रफल 217 वर्ग गज है, और जिस पर डाई मंजिला बिल्डिंग बनी हुई है तथा जोकि डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—रोड

पश्चिम—सर्विस लेन

उत्तर—मकान न० ए-66

दक्षिण—मकान न० ए-68

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 14 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 11 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एसआर-III/772
(5)/75-76—यतः, मुझे च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० एस-450 है, जो, ग्रेटर कलाश-II- नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 16-5-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बीना तलवार, पत्नी श्री आर० एस० तलवार,
पंजाब सरकार का मुख्य सचिव, भवन नं० 39,
सेक्टर-4, खंडीगढ़, पंजाब

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज कुमारी, पत्नी श्री मंगल सैन बाहरी
वकील तथा मास्टर मंगल सैन बाहरी, निवासी
एस495, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट की भूमि जिसका नं० 450 है और ब्लॉक नं० 'एस'
तथा क्षेत्रफल 550 वर्ग गज है और जोकि ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० एस० 452

पश्चिम : प्लॉट नं० एस०-448

उत्तर : सधिस लेन

दक्षिण : रोड़

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अमृतसर

तारीख 11-12-75

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 11 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस आर-III/769
(51)/75-76/यतः मुम, चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० (एम-48-माकिट) है, जो ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 15-5-1975 को ;

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) डा० उधे सिंह गहुनिया, सुपुत्र श्री हरभजन सिंह
गहुनिया, उनके पिता तथा भटारनी श्री हरभजन
सिंह गहुनिया के द्वारा, निवासी 29/6, ईस्ट पटेल
नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ति देवी शर्मा, ई-167, ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 अविभाजित प्लॉट को भूमि जिसका नं० 48, ब्लॉक
नं० 'एम' (माकिट) है और क्षेत्रफल 194 वर्ग गज है तथा
जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में निम्न प्रकार
से स्थित है :—

पूर्व—रोड़

पश्चिम—रोड़

उत्तर—दुकान (प्लॉट) नं० एम-47

दक्षिण—दुकान (प्लॉट) नं० एम-49

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 11 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्मु० 1/एस आर-III/मई-11/
(46)/797/75-76—यत्न, मुझे च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 206-एस है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
28-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कुशल चौपड़ा, पत्नी लै० करमल उत्तम चन्द चौपड़ा,
13, कौटा हाउस, शाहजहान रोड, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री तिलक राज गम्भीर, सुपुत्र श्री सरदारी लाल
गम्भीर, 4-ए/50, डबल स्टोरी, लाजपत नगर-4,
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि का 1/2 भाग जिसका नं० 200,
ब्लाक नं० 'एस' है और जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में,
दिल्ली नगर निगम, वेहापुर गांव के राजस्व क्षेत्र, दिल्ली राज्य में
निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—सर्विस लेन

पश्चिम—रोड

उत्तर—इसी प्लॉट नं० 200-एस का 1/2 भाग

दक्षिण—मकान नं० 202-एस

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2-दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख 11 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

(1) श्रीमती गीता गान्गुली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) डा० रामेन्द्र नाथ बासु

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 11 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० ए सी-38/अर्जन आर-V/कैल/75-76—अतः

मुझे, एस० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 166/सी/505 है तथा जो प्रिन्स अन्वर शाह रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, श्रीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-5-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 13, बान्गाड पार्क नोर्थ ब्लॉक 'बी' सं० 199 प्रिन्स अन्वर शाह रोड कलकत्ता स्थित 3 कट्टा 14 छटांक 30 स्क्वे० फी० भूमि डीड सं० 3795 ता० 8-5-75 रजिस्ट्रीकृत

एस० एस० इनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 11 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

1. श्रीमती रमा मुखर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रद्युत सिन्हा रोय।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

कलकत्ता, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० ए० सी०-39/अर्जन आर० V/कैंच/75-76--

यतः, मुझे, एस० एस० इनामदार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 20 जी० है तथा जो बालीगन्ज टेरेस, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-4-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

20 जी० बालीगन्ज टेरेस स्थित 2 कट्टा 1 छिटाक 19 स्क्वे०
फी० भूमि-डीड सं० I-2725 ता० 4-4-75 रजिस्ट्रीकृत।

एस० एस० इनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-V
54, रफीमहमद क़िदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 11 दिसम्बर, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1975

निदेश सं० ए० सी०-31/अ० रे०-5/कल०/75-76:—
अतः, मुझे, एस० एस० इनामदार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/1 है तथा जो अख्मूल रसूल एवेन्यु, कलकत्ता-26
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर सदर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28-4-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री परिमल कुमार मुखर्जी (अन्तरक)

2. (1) श्री शिवदास गोपाल जी पटेल (2) नारायण
पटेल, (3) रामनिक लाल पटेल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 6क० 8 छ० 14 वर्गफीट है। इसका एक
तिहाई हिस्सा जो 1/1, अख्मूल रसूल एवेन्यु कल-26 पर स्थित है।
थाना-टालिगंज पलील सं०-2301 ता० 28-4-75।

एस० एस० इनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, कलकत्ता
54, रफी अहमद क़िदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख: 9 दिसम्बर 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

निदेश सं० ए० सी०-30/अ० रे०-5/कल०/75-76:—
अतः, मुझे, एस० एस० ईनामदार,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/1 है तथा जो अब्दुल रसूल एवेन्यु, कल०-26
म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर सदर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
28-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रोदत्त कुमार मुखर्जी (अन्तरक)

2. (1) श्री शिवदास गोपाल जी पटेल (2) नारायण
पटेल, (3) रामनिष्क लाल पटेल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 6 क० 8 छ० 14 वर्गफीट है। इसका एक
तिहाई हिस्सा जो 1/1, अब्दुल रसूल एवेन्यु, कलकत्ता-26 पर स्थित
है। थाना—टालिगंज, दलील सं० 2300 ता० 284-75।

एस० एस० ईनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, कलकत्ता
54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 9 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1975

निदेश सं० ए० सी०-34/अ०-रे० 5/कल०/75-76:—अतः,
मुझे, एस० एस० ईनामदार,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० मौजा-शिवपुर चार है तथा जो थाना-शिवपुर,
जिला-हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 11-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-386GI/75

1. मेसर्स ए० एल० पोद्दार एण्ड ब्रदर्स (प्रा०) लि०
(अन्तरक)

2. मेसर्स सावित्री देवी पोद्दार ट्रस्ट, ट्रस्टी-(1) बी० पी०
पोद्दार (2) ए० के० पोद्दार, (3) बी० डी० कानोडिया ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 2 क० 11 छ० 11 वर्ग फीट है जिसमें
गोदाम, निर्मित गृह लीज होल्ड अधिकार के साथ, मौजा-शिवपुर
चार, थाना-शिवपुर, जिला-हावड़ा में स्थित है ।

एस० एस० ईनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

54, रफी अहमद किदवाई रोड़

कलकत्ता-16

तारीख : 9 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

निदेश सं० ए० सी०-33/अ० रे०-5/कल०/75-76:—

अतः, मुझे, एस० एस० ईनामदार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा-शिवपुर चार है तथा जो थाना-शिवपुर
जिला-हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 7-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स ए० एल० पोद्दार एण्ड ब्रदर्स (प्रा०) लि०।
(अन्तरक)
2. मेसर्स सावित्री देवी पोद्दार ट्रस्ट ट्रस्टी (1) पी० बी०
पोद्दार (2) ए० के० पोद्दार (3) बी० डी० कानोडिया।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 16 क० 3 छ० 28 वर्ग फीट है जिसमें
गोदाम, निर्मित गृह आदि, मौजा-शिवपुर चार, थाना-शिवपुर,
जिला-हावड़ा में स्थित है।

एस० एस० ईनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 5, कलकत्ता
54, रफी अहमद क़िदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 9 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री हरिराम पदमशी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

निदेश सं० ए० सी० व 36/अ० रे०-5/कल०/75-76:—
अतः, मुझे, एस० एस० ईनामदार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 50/3/1, जी० टी० रोड, (नर्थ) हावड़ा है तथा जो जिला-हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री (1) शान्त कुमार गुप्ता (2) बसन्त कुमार गुप्ता
(3) कार्तिक कुमार गुप्ता (4) सुरेश कुमार गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 3 क० 4 छ० 12 वर्ग फीट है जिस पर दो तल्ला इमारत है । यह 50/3/1, जी० टी० रोड* (नर्थ) हावड़ा में स्थित है । । दलील सं०-2115 ता० 11-4-75 ।

एस० एस० ईनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

54, रफीअहमद किववाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 9 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

निदेश सं० ए० सी०-36/अ० रे०-5/कल०/75-76:—
अतः मुझे, एस० एस० ईनामदार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मौजा-शिवपुर चार है तथा जो थाना-शिवपुर,
जिला-हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स ए० एल० पोद्दार एण्ड ब्रदर्स (प्रा०) लि०
(अन्तरक)
2. मेसर्स सावित्री देवी पोद्दार ट्रस्ट, ट्रस्टी (1) बी० पी०
पोद्दार, (2) ए० के० पोद्दार, (3) बी० डी० कानोडिया,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 6 क० 6 छ० 18 वर्ग फीट जिसमें गोदाम
निर्मित गृह जो लीज होल्ड सम्पत्ति में हितबद्ध है, मौजा-शिवपुर
चार, थाना-शिवपुर जिला-हावड़ा में स्थित है।

एस० एस० ईनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, कलकत्ता
54, रफीअहमद किदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 9 दिसम्बर, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1975

निदेश सं० ए० सी०-35/अ० रे०-5/कल०/75-76:—
अतः मुझे, एस० एस० ईनामदार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० मौजा-शिवपुर चार है तथा जो थाना-शिवपुर,
जिला-हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 1-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स ए० एल० पोद्दार एण्ड ब्रदर्स (प्रा०) लि०,
(अन्तरक)

2. मेसर्स सावित्री देवी पोद्दार ट्रस्ट, ट्रस्टी (1) बी० पी०
पोद्दार (2) ए० के० पोद्दार (3) बी० डी० कानोडिया ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 5 क० 5 छ० 18 वर्गफीट है जिसमें गोदाम,
गृह लीज होल्ड अधिकार के साथ मौजा-शिवपुर चार, थाना
शिवपुर, जिला-हावड़ा में स्थित है ।

एस० एस० ईनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

54, एफीअहमेद किदवाई रोड

कलकत्ता-16

तारीख : 9 दिसम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री संतोष कुमार मुखर्जी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 9 दिसम्बर, 1975

निदेश सं० ए० सी०-32/अ० रे०-5/कल०/75-76:—

अतः मुझे, एस० एस० ईनामदार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/1, है तथा जो अब्दुल रसूल एमेन्नु, कलकत्ता-26
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर सदर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

2. (1) शिवदास गोपाल जी पटेल, (2) नारायण
पटेल (3) रामनिक लाल पटेल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 6 क 8 छ० 14 वर्ग फीट है । इसका एक
तिहाई हिस्सा जो 1/1, अब्दुल रसूल एमेन्नु, कलकत्ता-26 पर
स्थित है । थाना—टालिगंज, दलील सं० -2326, ता० 29-4-75

एस० एस० ईनामदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, कलकत्ता
54, रफीअहमद किदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 9-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री अनवर अली व अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

2. श्री समीउल्ला खां व अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 98-एस०/एक्यू०:—अतः मुझे, विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा
गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 173/60 है तथा जो बाजार झाऊ लाल, लखनऊ
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-5-75
को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 173/60 जो कि बाजार झाऊ लाल,
बी० एन० बर्मा रोड, लखनऊ में स्थित है ।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश सं० 96-एस०/अर्जन:—अतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 19/13 है तथा जो 4-ए० पार्क रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विरेन्द्र नाथ शुक्ला । (अन्तरक)

2. श्री सुरेश कुमार अग्रवाल और अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 19/13 जो कि 4-ए० पार्क रोड, हज़रत गंज, लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 29 नवम्बर 1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री मकखन सिंह ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती शान्ती देवी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

निर्देश सं० 97-एस०/अर्जन:—अतः मुझे विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 555 ई०/69 है तथा जो सिंगार नगर, लखनऊ
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
5-6-1975

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

एक मकान नं० 555 ई०/69 क्वार्टर नं० एन० सी० टाइप बी०
जो सिंगार नगर, आलम बाग, लखनऊ में स्थित है ।

विशम्भर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8—386GI/75

तारीख : 3-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 नवम्बर, 1975

निदेश सं० 65-एम०/अर्जन:—अतः मुझे विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या बी०-28/7 है तथा जो मोहल्ला घसियारी टोला, वाराणसी, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विश्वनाथ शर्मा पान्डे । (अन्तरक)

2. श्री मोती राम व अन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान नं० बी० 28/7 जो कि मोहल्ला घसियारी टोला शहर वाराणसी में स्थित है ।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 28-11-1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निदेश सं० 52-बी०/अर्जन:—अतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 268 है तथा जो ग्राम सिधुवा जिला पीलीभीत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीसलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन, कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री जमदगन पाल सिंह। (अन्तरक)

2. श्री बलबिन्दर सिंह व अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका नं० 268 है जिसका क्षेत्रफल 11.68 एकड़ है। जोकि ग्राम सिधुवा पोस्ट बिलसन्डा तहसील बीसलपुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 28-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 51-बी०/अर्जन:—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो ग्राम रस्योरा जिला सीतापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीतापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सलवन्त कौर। (अन्तरक)

2. श्री बलकार सिंह व अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 12.48 एकड़ है। जो कि ग्राम रस्योरा परगना रामकोट जिला सीतापुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 27-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री हरी राजसिंह त्यागी व अन्य । (अन्तरक)

2. श्रीमती सुदेश कुमारी । (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 99-एस०/अर्जन:—अतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8/8 है तथा जो शान्ती नगर, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8/8, 13-1-2 के साथ में 1200 वर्ग गज भूमि जो शान्ती नगर सिविल लाईन, मुरादाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 44-के०/अर्जन—अतः मझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8/8 है तथा जो शान्ती नगर, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री हरी राज सिंह त्यागी व अन्य । (अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णारानी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकाम न० 8/8, 13-1-2 के साथ में 1200 वर्ग गज भूमि जो शान्ती नगर सिविल लाईन मुरादाबाद में स्थित है ।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 3-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 43-के०/अर्जन:—अतः मुझे, बिशम्बर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० 8/8 है तथा जो शान्ती नगर, मुरादाबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उसमें कटौती में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरी राजसिंह त्यागी व अन्य । (अन्तरक)

2. श्रीमती कैलाश कुमारी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 8/8, 13-1-2 के साथ में 1200 वर्ग गज भूमि
जो शान्ती नगर, सिविल लाईन, मुरादाबाद में स्थित है ।

बिशम्बर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-12-1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 20-डी०/अर्जन:—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8/8 है तथा जो शास्ती नगर, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरी राजसिंह व अन्य। (अन्तरक)

2. श्रीमती दर्शना कुमारी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8/8, 13-1-2 के साथ में 1200 वर्ग गज भूमि जो शास्ती नगर, सिविल लाईन मुरादाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 3-12-1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री हरीराज सिंह त्यागी व अन्य । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती कृष्णा कुमारी । (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।—

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० 42-के०/अर्जन:—अतः मुझे, विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 8/8 है तथा जो शान्ती नगर, मुरादाबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 9-6-1975

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

मकान नं० 8/8, 13-1-2 के साथ में 1200 वर्ग गज भूमि
जो शान्ती नगर, सिविल लाईन मुरादाबाद में स्थित है ।

विशम्भर नाथ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9—386 GI/75

तारीख : 3-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय।

अर्जन, रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० IX/2/8/75-76:—अतः, मझे, जी० रामनातन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 260 है, जो अंगण नायकन स्ट्रीट मद्रास-1 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 2517/
75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० एम० अब्दुल जमाल साहीब, बेलूर।

(अन्तरक)

2. श्री जी० अब्दुर रहमान 9, रामा पिल्लै स्ट्रीट, मद्रास-3।

(अन्तरिती)

3. श्रीमती आर० पत्मासिनि।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा; जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास अंगण नायकन स्ट्रीट डोर सं० 260 में 1 आऊड और
90 स्क्वयर फीट में 1/3 भाग और मकान में फ्लट फ्लोर।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एस० एम० अब्दुल, जमील साहिब, वेलूर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री जी० मोहम्मद नयीम बाशा 30, दरगा स्ट्रीट, मेलवी-
शारम । (अन्तरिती)

भारत सरकार

3. श्रीमती आर० पत्मासिनि ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है ।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० IX/2/8 ए०/75-76:—यतः मुझे, जी० राम-

नातन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 260 है, जो अगण्य नायकन स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 2516/75), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-1 अगण्य नायकन स्ट्रीट डोर सं० 260 में 1 एकड़ और 90 स्क्वियर फीट की भूमि में 1/3 भाग और मकान में सेकण्ड फ्लोर (480 स्क्वियर फीट) ।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 नवम्बर 1975

निर्देश सं० IX/2/9/75-76:—यतः मुझे, जी० रामनातन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 260 है, जो अग्रण्य नायकन स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 2518/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० एम० अब्दुल जमील साहीब, वेलूर ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती टी० एम० कुरणीद बीगम साहीबा मलवीशारम ।
(अन्तरिती)
3. इन्डस्ट्रीयल और जेनरल प्रोडक्ट्स और ए० राबरट ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-1 अग्रण्य नायकन स्ट्रीट डोर सं० 260 में 1 ग्राऊंड और 90 स्क्वयर फीट की भूमि में 1/3 भाग और मकान ।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

निदेश सं० XVI/13/15/75-76:—यत्, मुझे, जी०
रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 5.62 एकर, कुल्लामानिकमपट्टी गांव श्रोमलूर,
सेलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
श्रोमलूर (पत्र सं० 1078/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-4-1975
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी जान श्रोकी और मोहन लिमिटेड, नयी दिल्ली।
(अन्तरक)

2. आन्डवर सालवन्ट आथील प्रोडक्ट्स, मद्रास-34।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को
तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, श्रोमलूर तालुक, कुल्लामानिकमपट्टी गांव सर्वे
सं० 23/1, 23/2 और 25/9 में 562 एकर की भूमि (मकान के
साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 6-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

निदेश सं० IX/5/63/75-76:—यतः मुझे, जी० राम-
नातन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 16, आदीयप्प नायकन स्ट्रीट, मद्रास है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 330/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० सच्चिदानन्द राव और आदी, मद्रास-43 ।
(अन्तरक)

2. श्री आर० रामसामि नायडु, मद्रास-11
(अन्तरिती)

3. ए० जे० एण्ड सन्स (पी०) लिमिटेड, डी० गुनेशमल लडाजी और के० केसव चेट्टियार ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-1 आदीयप्प नायकन स्ट्रीट, डोर सं० 16, आर० एस० सं० 10967 में 1668 स्क्वयर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनातन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 3-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

निदेश सं० IX/7/154/75-76:—यतः, मुझे, जी० राम-
नातन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 2, एम० वी० नायडू, स्ट्रीट, मद्रास-31 है, जो
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (प्ल
सं० 337/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 5-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करो या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, उठाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. वी० जानकीरामन, बैकटेश, मीनाक्षीमुन्दरम राजम
कुणामूर्ति, श्रीनिवासन, पट्टावीरामन, बैकट मुन्नमनियन, लक्ष्मी,
नागराजन और अवीरामसुन्दरी । (अन्तरक)

2. डाक्टर हेजवार स्मार्क सामती । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास 31, चेटपेट, एम० वी० नायडू स्ट्रीट डोर सं० 2
में 6 ग्राऊंड और 14 स्क्वयर फीट की भूमि-अर० एस० सं०
450/10 (मकान के साथ) ।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 6-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

निदेश सं० X/12/16/75-76:—यतः मुझे, जी० राम-
नातन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 14, लेडी डोक कालेज रोड, मदुरै है, जो में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम मदुरै (पत्र सं०
939/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 7-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी वी० डी० आरण्य एम० मुतैया चेटीयार और
आदी, मदुरै-2। (अन्तरक)

2. श्री जे० चेल्लदुरै और आदी मदुरै-20।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मदुरै, लेडी डोक कालेज रोड ओर सं० 14, टी० एस० सं०
889 और 890 में 92 सेन्टस की भूमि और मकान (थियेटर
मूवीलेन्ड)।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 6-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1975

निदेश सं० IX/7/158/75-76:—यतः मुझे, जी० राम-
नातन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० 28, रन्डालस रोड़, मद्रास-7 है, जो में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 349/75),
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, अप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—386GI/75

1. श्री माहमद ऊमर सैद, मद्रास-10 । (अन्तरक)

2. श्रीमती अम्बुल्ला टसनोम 28, रन्डालस रोड़, मद्रास-7 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-7, वेपेरी, रन्डालस रोड़ डोर सं० 28, आर० एस० सं०
645 में 4800 स्क्वायर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख : 9-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

निदेश सं० IX/7/161/75-76:—यतः मुझे, जी० राम-
नासन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 64 है, जो पूनमल्ली है रोड मद्रास-7 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 387/75)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण, में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती के० अहिला भाय मद्रास-34। (अन्तरक)

2. श्री एस० के० सुलतान और आदि मद्रास-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, पूनमल्ली है रोड और सं० 64 में 5 ग्राऊंडस और
1830 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 9-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

निदेश सं० IX/3/154/75-76:—यतः, मुझे, जी० राम-
नातन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 54 है, जो आचारप्पन स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 2435/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दया सदन, मद्रास 12, दनलक्ष्मि भ्रमभाल और आदी मद्रास । (अन्तरक)

2. श्री सी० एस० प्रकाश राव, सी० एकाम्बरनाथ और सी० वी० सेशगिरि, मद्रास-17 । (अन्तरितो)

3. प्रकाशनारायण, सुदाकर, सरोजीनी, राजकमल ट्रांस-पोर्टरस ईस्ट कोस्ट कर्मशियल कंपनी लिमिटेड ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. वरमा और को० ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास 1, आचारप्पन स्ट्रीट डोर सं० 54 में 3 ग्राऊंड और 47 स्क्वयर फीट की भूमि (आर० एस० सं० 6247) (मकान के साथ) ।

जी० रामनातन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 11-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1975

निदेश सं० IX/4/15/75-76:—यतः, मुझे, जी० राम-नाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 271 है, जो तम्बु चट्टी स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 2722/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० वी० रामचन्द्रन, मद्रास-17। (अन्तरक)

2. श्री सी० बी० मुलकुमार सामी चेट्टी, मद्रास-16। (अन्तरिती)

3. श्री पी० अन्नतरामन।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, तम्बु चट्टी स्ट्रीट डोर सं० 271 (आर० एस० सं० 4679) में 2208 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12 दिसम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

निदेश सं० 418/अर्जन/फिरोजाबाद/75-76:—अतः, मुझे,
एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजाबाद में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री नवाब सिंह पुत्र श्री गोकुल यादव निवासी, मौजा
सुखमलपुर, निजामाबाद, फिरोजाबाद (आगरा)। (अन्तरक)

2. (1) श्री सुभाष चन्द पुत्र श्री शान्ती लाल (2) राम दत्त
पुत्र श्री बाल मुकुन्द निवासी हनुमान रोड़ फिरोजाबाद, (3)
श्रीमती शीला रानी, पति श्री हरी प्रकाश गर्ग निवासी पुरानी
मन्डी, फिरोजाबाद (आगरा)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति शांटा संख्या 408 क्षेत्रफल 5 1/2 बीघा
वाकै मौजा सुखमलपुर निजामाबाद, फिरोजाबाद (आगरा)
जो कि 48,000/- रु० मूल्य में हस्तांतरित की गई है।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 11 दिसम्बर, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी०/181/75-76—यतः मुझे के० एस०

वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 4-1-938/20 तिलक रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स श्री एसेत्, रजिस्टर्ड फर्म, भागीदार श्री भीशन लाल ग्रहजा तथा अन्य दो भागीदार द्वारा, आबिद रोड, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री राजकुमार पुत्र केदार नाथ, 3-2-350, चप्पल बाजार हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4-1-938/20, तथा जमीन, तिलक रोड हैदराबाद, क्षेत्रफल 49.01 वर्ग गज।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी०/179/75-76—यतः मुझे, के० एस०
बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 268-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 4-1-938/17 तिलक रोड है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
4-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के वायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 268-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स श्री ए.एस. रजिस्टर्ड फर्म, भागीदार श्री भीशन लाल
अहुजा तथा अन्य 5 भागीदार द्वारा, आबीद रोड, हैदराबाद,
(अन्तरक)

2. श्रीमती जानकी बाई पत्नी हंस राज, 3-2-350 चम्पल
बाजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4-1-938/17, तथा जमीन, तिलक रोड,
हैदराबाद, क्षेत्रफल 36.55 वर्ग गज।

के० एस० बेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी०/180/75-76—यतः सुधे के०
एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 4-1-938/19 तिलक रोड़ है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 4-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुसार अन्तरित

की गई है और सुधे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्राप्ति, को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स श्री एसेस्, रजिस्टर्ड फर्म, भागीदार श्री भीशन
लाल ब्राह्मजा तथा 5 अन्य भागीदार द्वारा आबोद रोड़,
हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा बाई पन्ती राज कुमार, 3-2-350,
चपल बाजार, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बुकान नं० 4-1-938/19, तथा जमीन, तिलक रोड़,
हैदराबाद, क्षेत्रफल 35.99 वर्ग मीटर्स।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 182/75-76--यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-938/18 तिलक रोड़ है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

11-386GI/75

1. मेसर्स श्री एसेस् रजिस्टर्ड फर्म, भागीदार श्री भीमन लाल अहुजा तथा अन्य 5 भागीदार द्वारा, आबीद रोड़, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती (1) पुष्पलता बाई (2) रुक्मिणी बाई (3) कैलाश चरन (4) गीता बाई (5) जानकी बाई (5) राज कुमार सभी हैदराबाद के निवासी हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्टर केस नं० 4-1-938/18, तिलक रोड़, हैदराबाद क्षेत्रफल 40.50 वर्ग गज।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-12-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

1. मेसर्स श्री एसेसु, भागीदार श्री भीमन लाल अहुजा तथा अन्य 5 भागीदार द्वारा आबीद रोड़, हैदराबाद। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री कैलाश चरन पुल महावीर परशाल 21-2-547, चार कमान, हैदराबाद (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज, हैदराबाद

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 177/75-76—यतः, मुझे, के०एस० वेंकट रामन,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4-1-938/15, तिलक रोड़ है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-1975

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

दुकान नं० 4-1-938/14, तथा जमीन, तिलक रोड़, हैदराबाद, क्षेत्रफल 43.67 वर्ग गज।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 4-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी०/176/75-76—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० आर-14, 4-1-938, तिलक रोड़, है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेमर्स श्री एसेस्, भागीदार फर्म, भागीदार श्री भीशन लाल अहुजा और अन्य 5 भागीदार, आबीद रोड़, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्रीमती रुकमिनी बाई पत्नी महावीर प्रसाद 21-2-547 चार कमान, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान सं० 4-1-938/14, जमीन के साथ, तिलक रोड़, हैदराबाद, क्षेत्रफल 43.67 वर्ग गज।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी/175/75-76—यतः, मुझे, के० एस०
बेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० 12 और 13 तिलक रोड़ है, तथा जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स श्री एसेस्, भागीदार फर्म, भागीदार श्री वीशनलाल अहूजा तथा अन्य 5 भागीदार, अमीद रोड़, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा लता बाई पत्नी शिव चरन 21-2-547, चार कमान, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 4-1-938/आर-12, और 13, तिलक रोड़, हैदराबाद क्षेत्रफल 87.34 वर्ग गज।

के० एस० बेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी०/178/75-76—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 4-1-938/16 तिलक रोड़ है, तथा जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. मेसर्स श्री एसेस्, रजिस्टर्ड फर्म, भागीदार द्वारा श्री
श्री भीशन लाल तथा 5 अन्य भागीदार आबीद रोड़, हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्रीमती गीताबाई पत्नी शिवशंकर, 3-2-350 चप्पल
वाजार, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 4-1-938/16, तथा जमीन, तिलक रोड़,
हैदराबाद, क्षेत्रफल 43.67 वर्ग गज ।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 183/75-76—यतः मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 4-1-938/11 तिलक रोड़, है जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
4-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मेसर्स श्री एसेस्, रजिस्टर्ड फर्म, भागीदार श्री भीशन लाल
अहुजा तथा अन्य 5 भागीदार द्वारा आबोद रोड़, हैदराबाद
(अन्तरक)

2. (1) राज कुमार पुत्र केदार नाथ
- (2) बसती बाई पत्नी केदार नाथ
- (3) शोभा बाई पत्नी हरी राम
- (4) रुक्मिणी बाई पत्नी महावीर प्रसाद
- (5) शोभा बाई पत्नी गिरि राज चरन
- (6) पुष्पलता बाई पत्नी शिव चरन, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

स्टेर केस नं० 4-1-938/आर-11 तिलक रोड़, हैदराबाद
क्षेत्रफल 40.50 वर्ग गज।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-12-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 204/75-76—यतः मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 6-2-25 जगनियाल है, जो करीम नगर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीम नगर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
16-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. (1) धर्म राज गोपाल राव (2) कृष्णा भूपाल राव
(3) श्री राम भूपाल राव चेलगाल मोजा तालुक जगनियाल
जिला करीमनगर (अन्तरक)

2. (1) श्री जी० लच्चय्या पुत्र बालय्या
(2) जी० थुकय्या पुत्र बालय्या जगनियाल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6-2-25 का भाग, जगनियाल, क्षेत्रफल 460.30 वर्ग
मीटर्स।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 205/75-76—यतः, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 6-2-25 का भाग जगतिवाल है, जो करीम-
नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीम नगर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 16-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. (1) धर्मराज गोपाल राव }
(2) श्री राम भूपाल राव } 3-6-416/3, हिमायत
(3) श्री कृष्णा भूपाल राव, }
नगर, हैदराबाद (अन्तरक)

2. (1) श्री सी० एच० चन्द्रसेखरय्या पुत्र हनमय्या
(2) श्री वाय० शंकरय्या पुत्र भीम लिंगम्, जगतिवाल,
करीम नगर जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सं० 6-2-25 का भाग, जगतिवाल, करीमनगर जिला
क्षेत्रफल 460.30 वर्ग मीटर्स।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11-12-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 दिसम्बर 1975

सं० आर० ए० सी० 206/75-76-यतः, मुझे, के० एस०
बेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 6-2-25 जगतिवाल है, जो करीमनगर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीमनगर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
16-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12-386GI/75

- | | |
|--------------------------------|---|
| 1. (1) श्री धर्म राज गोपाल राव | } 3-6-416/3
हिमायत नगर
हैदराबाद
(अन्तरक) |
| (2) श्री राम भूपाल राव | |
| (3) श्री कृष्णा भूपाल राव | |

2. अंतुला रामचन्द्रम पुत्र दुःख्या जगतिवाल, करीमनगर
जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 46
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

नं० 6-2-25 का भाग, जगतिवाल तालूक, करीम नगर
जिला क्षेत्रफल 427.32 वर्ग मीटर्स ।

के० एस० बेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-12-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी०/1362—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 880 अप्रैल, 1975 में शेखा बाजार जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची नं० 10 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन तारीख अप्रैल, 1975 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हर्कमत राय, सतीष कुमार सुपुत्र लक्ष्मण दास, जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री लाजपत राय, लखपत राय सुपुत्र जवाला धर मार्फत गिफ्ट सेंटर चौक रैमक बाजार, जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि सं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 880 अप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 21-11-1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर, 1975

निदेश सं० 1363—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4350 मार्च
1975 में है तथा जो सिख लाइन हुशियारपुर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरिन्द्र कुमार, हरिकृष्ण लाल सुपुत्र श्री हजारी लाल
सुपुत्र बिलबहादुर भल निवासी सिविललाइन, हुशियारपुर
(अन्तरक)

2. श्री जगदीश सहाय सुपुत्र शिव राम सुपुत्र लक्ष्मण दास
अमर नाथ पाटक सुपुत्र किशन चन्द्र सुपुत्र रला राम गवर्धन सिंह
सुपुत्र धर्मसिंह सुपुत्र कर्मसिंह देव कुमार मैबटलआफ हुशियारपुर
हाऊस बिल्डिंग कापरेटिव समिति हुशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

संपत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4350 मार्च 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशियारपुर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर, 1975

निदेश सं० 1364—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 360 अप्रैल, 1975 में है तथा जो बस्ती रखवालू हुशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, अप्रैल, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हीरा राम सुपुत्र श्री नरेशू राम सुपुत्र श्री कोडा राम सैनी आफ बस्ती खवाजू हुशियारपुर (अन्तरक)

2. श्री सतनाम सिंह, सुरजीत सिंह सुपुत्र सरपसिंह सुपुत्र हरबेल सिंह आफ मूहल्ला कच्चा रोबा हुशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 360 अप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 21-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० 1365—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 878 अप्रैल,
1975 में है तथा जो शहीद ऊधम सिंह नगर, जालन्धर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओम गोपाल सुपुत्र श्री कृष्ण किशोर जलन्धर
वर्तमान पता मकान नं० 17 सेक्टर नं० 7 ए चन्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री वेद प्रकाश, जुगिन्द्र कुमार यश पाल सुपुत्र राम लाल
46 विजय नगर जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 878 अप्रैल, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 1366—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10699 मार्च
1975 में है तथा को गठा रोड़, जालन्धर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री सुखजिन्द्र सिंह सुपुत्र गुरबचन सिंह आफ रामगढ़
तहसील जालन्धर (अन्तरक)

2. जालन्धर ट्रान्सपोर्ट कोअपरेटिव सोसायटी लिमिटेड,
जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10699 मार्च 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर, 1975

निदेश सं० 1367—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10571 मार्च 1975 में है तथा जो गढा रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तिबों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री गुरुचरण सिंह जी० ए०, सुखन्दल कौर निवासी रामगढ़, (अन्तरक)

2. जालन्धर ट्रान्सपोर्ट कारपोरेशन सोसायटी लिमिटेड, जालन्धर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जो संपत्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10571 मार्च 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

प्ररूप आर्ह० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० 1368—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10572 मार्च 1975 में है तथा जो गढा रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुखजिन्द्र सिंह सुपुत्र गुरुबचन सिंह गांव रामगढ़ (अन्तरक)
2. जालन्धर ट्रांसपोर्ट कोआपरेटिव सोसायटी लिमिटेड जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10572 मार्च 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 21-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० 1369—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10700 मार्च
1975 में है तथा जो गढारोड जालन्धर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा
269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित
व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मुखजिन्द सिंह सुपुत्र गुरुबचन सिंह आफ रामगढ़
(अन्तरक)
 2. जालन्धर ट्रान्सपोर्ट कापरेटिव सोसायटी लिमिटेड
जालन्धर (अन्तरिती)
 3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)
 4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10700 मार्च-1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 1370—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 160 अप्रैल
1975 में है तथा जो डडोवाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों),
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वीर सिंह, जगीर सिंह सुपुत्र गंगा सिंह निवासी
डडोवाल तहसील फिल्लौर। (अन्तरक)
2. श्री अमरीक सिंह सुपुत्र सोहन सिंह निवासी रायपुर
फराला तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 160 अप्रैल 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० 1371—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 623 मई 1975 में है तथा जो डडोवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स वीर सिंह, जागीर सिंह सुपुत्र गंगा सिंह निवासी डडोवाल तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

2. श्री अमरीक सिंह सुपुत्र सोहन सिंह गांव रायपुर फराला (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 623 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० ए० पी०/1372—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 837 मई, 1975 में है तथा जो उडोवाल, फिल्लौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स बीर सिंह जागीर सिंह सुपुत्र गंगा सिंह निवासी उडोवाल तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

2. श्री प्रीतम सिंह सुपुत्र सोहन सिंह निवासी रायपुर फराला तहसील फिल्लौर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति, संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 837 मई—1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निवेश सं० 1373—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 97 अप्रैल,
1975 है तथा जो डडोवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वीर सिंह, जागीर सिंह सुपुत्र गंगा सिंह निवासी
डडोवाल तहसील फिल्लौर (अन्तरक)
2. श्री प्रीतम सिंह सुपुत्र साधु सिंह निवासी रायपुर फिराला
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 97, अप्रैल, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 21-11-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० ए० पी०/1374—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 76 अप्रैल, 1975 में है तथा जो उडोवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वीर सिंह, जागीर सिंह सुपुत्र गंगा सिंह गांव उडोवाल तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र पाल सुपुत्र भुजा राम गांव रायपुर फराला (अन्तरिती)

3. जसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 76 अप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 1375—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 487 मई
1975 फल्लौर में है तथा जो डडोवाल में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, फल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बीर सिंह, जगीर सिंह सुपुत्र गंगा सिंह गांव डडोवाल,
तहसील फल्लौर। (अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण दास सुपुत्र वुजाराम वासी रामपुर फराला।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में संपत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस संपत्ति में रुचि रखता हो। (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 487 मई
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फल्लौर में है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ४—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० 1376—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 71 अप्रैल, 1975 में है तथा जो न्वाशहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, न्वाशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिस्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या .

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सूचन में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनमोहन सिंह सुपुत्र रगवीर सिंह 154 सेक्टर 8—
एफ, चंडीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री लाल सिंह सुपुत्र गया सिंह गांव रहों तहसील न्वाशहर
(अन्तरिस्ती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 71 अप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय न्वाशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 21-11-1975
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० 1377--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4697 मार्च 1975 में है तथा जो राहों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
14—386GI/75

1. श्री मनमोहन सिंह सुपुत्र रावीर सिंह सुपुत्र अमर सिंह वासी राहों द्वारा गुरचरण सिंह 154 सेक्टर 8 एफ० चंडीगढ़, (अन्तरक)

2. श्री लाल सिंह सुपुत्र गया सिंह वासी राहों। (अन्तरिती)

(3) जसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4697 मार्च 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निर्देश स 1378—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 459 मई,
1975 में है तथा जो रहीं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
वांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरुमोहिन्द्र कौर पुत्री गुरुदेव सिंह सेक्टर 8—
मकान नं० 680, चंडीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार सुपुत्र कृष्ण लाल मोहल्ला सराफा।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख के नं० 337 और 459
मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी न्वांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 21-11-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 1379—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 459 मई, 1975 में है तथा जो रहीं में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय न्वांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी गुरुमोहिन्द्र कौर पुत्री गुरुदेव सिंह सेक्टर 8-बी, नं० 680 चंडीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री मनोज कुमार सुपुत्र कृष्णलाल मोहल्ला सराफां, रहीं। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति, जो इस संपत्ति में रुचि रखता है) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 459 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी न्वांशहर में है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० 1382--यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10668 मार्च 1975 में है तथा जो कोठी नं० 398-एल मोडल टाउन, जालन्धर में स्थित है (और इससे लगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हंम राज सहगल सुपुत्र रूलिया राम पंजाब हौसिंग बोर्ड सेक्टर 17, चंडीगढ़। (अन्तरक)

2. श्रीमती हरजिन्द्र कौर पत्नी डाक्टर अजीत सिंह कोठी नं० 398-एल मोडल टाउन, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10668 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० 1383—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 620 अप्रैल,
1975 में है तथा जो कोठी नं० 398-एल में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हंसराज सिंहगल मुपुत्र हलिया राम पंजाब हाँसग
बोर्ड, सेक्टर 17, चंडीगढ़। (अन्तरक)

2. श्रीमती हरजिन्दर कौर पत्नी डाक्टर अजीत सिंह कोठी
नं० 398-एल, मोडल टाउन, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस संपत्ति में रुचि रखता है। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 630 अप्रैल, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० 1385—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 277 अप्रैल 1975 में है तथा जो कोठी नं० 202 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कैलाश नाथ सुपुत्र गुरां दित्ता राम वासी जालन्धर।
(अन्तरक)
2. मेजर मोहिन्द्र सिंह सुपुत्र चनन सिंह 202 न्यू जवाहर नगर, जालन्धर
(अन्तरक)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो इस संपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 277 अप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975
मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर, 1975

निदेश सं० 1386—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 389 अप्रैल, 1975 में है तथा जो कोठी नं० 202 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कैलाश नाथ सुपुत्र गुरादित्त राम वासी जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती हरभजन कौर पत्नी तरसेम सिंह 202 न्यू जवाहर नगर, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 389 अप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 21-11-1975
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० 1389—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10821 मार्च,
1975 में है तथा जो कोठी नं० 202 में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
(उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कैलाश नाथ सुपुत्र गुरां दिता राम, जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती अमर कौर पत्नी चनन् सिंह 202 न्यू जवाहर
नगर, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है।

4. कोई भी व्यक्ति जिस इस संपत्ति में रुचि रखता है। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में
हितवत्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्त किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कोठी नं० 202 न्यू टाउन जवाहर नगर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 10821 मार्च 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 21-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० 1380—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 15 अप्रैल, 1975 में है तथा जो भूमि बस्ती शेख में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण, में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
15—386GI/75

1. श्रीमती चन्द्रकांता पत्नी पन्ना लाल सुपुत्र
ड० टी० नं० 51 बस्ती शेख, जालन्धर। (अन्तरक)
 2. श्री उम राम्रो सिंह सुपुत्र वखतावर सिंह वासी बडाला तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)
 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
 4. कोई भी व्यक्ति, जो इस संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ता री जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 15 अप्रैल, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 21-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० 1381—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 14 अप्रैल,
1975 में है तथा जो बस्ती शेख में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता), अधिकारी
के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1975
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
; उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चन्द्रकांता पत्नी पन्ना लाल पुत्र दुर्गा दास ड०
टी० 51 बस्ती शेख जालन्धर, । (अन्तरक)
2. श्री ऊमराओ सिंह सुपुत्र बखतावर सिंह वासी बडाला
तहसील, जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में संपत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो इस संपत्ति में रुचि रखता है। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह संपत्ति में
हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 14 अप्रैल, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर।

दिनांक : 21-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय लखनऊ

लखनऊ, तारीख, 19 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 29 जे०/एक्यू०—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 15/5 है तथा जो ग्राम एन्ठपुर जिला खीरी में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निधासन में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-5-
1975 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ज्ञान सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री जसमेन्दर सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 6.25 एकड़ खाता नं० 15/5
जो ग्राम एन्ठपुर परगना पलिया जिला खीरी में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 19-11-1975

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

भारतीय वन सेवा परीक्षा, 1976

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 दिसम्बर 1975

नोटिस

सं० एफ० 19/5/75-ई०-I(बी०)—भारत के राजपत्र दिनांक 27 दिसम्बर, 1975 में मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार भारतीय वन सेवा में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इलाहाबाद, बंगलौर भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, बिल्सी, बिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, भागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा त्रिवेंद्रम में 29 जून, 1976 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश—प्राप्त उम्मीदवारों की परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (देखिए उपाबंध II का पैरा 10)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 50 है। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण दो रुपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चेक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भारतीय वन सेवा परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित मूलित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय वन सेवा परीक्षा 1976 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 23 फरवरी, 1976 को या उससे पूर्व (23 फरवरी, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 8 मार्च, 1976 तक) अवश्य

पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. उक्त परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबंध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाबंध-I के पैरा 2 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रुषी,

उप सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग।

उपाबंध-I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 48.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 12.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों या स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली में देय बैंक ड्राफ्टों द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क को संबंध भारतीय मिशन में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब कि वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से प्रजनन कर भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून 1763, को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु० 30.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 8.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाबंध-II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 3 में उल्लिखित रीति के अनुसार इस परीक्षा से संबंध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुँच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

आयोग, यदि चाहे तो, विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह अथवा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 23 फरवरी, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह अथवा लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर कार्य प्रभारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहे हों उन्हें अपने आवेदन-पत्र संबंध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा। ऐसे उम्मीदवारों को स्वयं अपने हित में आवेदन-पत्रों की अग्रिम प्रतियाँ आयोग को सीधे भेजनी चाहिए। यदि वे आवेदन-पत्र निर्धारित शुल्क के साथ भेजे गए होंगे तो उन पर अंतिम रूप से विचार कर लिया जाएगा किन्तु मूल आवेदन-पत्र साधारणतया अंतिम तारीख के बाद पन्द्रह दिन के अन्दर आयोग में पहुँच जाने चाहिए। यदि सरकारी सेवा में पहले से ही कार्यरत कोई

व्यक्ति अपने आवेदन पत्र की अग्रिम प्रति निर्धारित शुल्क के साथ नहीं भेजता है अथवा उसके द्वारा भेजा गया आवेदन-पत्र आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख को या उससे पहले प्राप्त नहीं होता है, तो उसके द्वारा अपने विभाग या कार्यालय के माध्यम से भेजा गया आवेदन-पत्र यदि आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख के बाद प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुँचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए उपाबंध-I)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ।
- (v) जहाँ लागू हो वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहाँ लागू हों वहाँ शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

नोट—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त सब (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा साक्ष्यकित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के अवद्वार 1976 के सहीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित हो जाने के तुरन्त बाद उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्रों की मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे

उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4 और 5 में दिया गया है।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए:—



तथा इस प्रकार भरा जाए : “Pay to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे/पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए/हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और सचिव संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट:—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 48.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 12.00 के बराबर) यथा स्थिति उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष “051 Public Service Commission—Examination fees” में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र:—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन के प्रमाणपत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित

प्राधिकारी द्वारा संग्रहित विश्वविद्यालय के मेट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा का प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हंडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मेट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबंध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:—उम्मीदवार को अपने प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्व-विद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ने भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग

इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपनी शक्षिक योग्यताओं के समर्थन में डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने से संबंधित विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिंसिपल/विभागाध्यक्ष से इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए कि उसने नियम 6 में निर्दिष्ट विषयों की ग्रहण परीक्षा में उत्तीर्ण कर ली है।

नोट:—जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुके हैं जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह आयोग की परीक्षा में बैठने के पात्र हो जाते हैं पर उन्हें अभी परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तथा वे उम्मीदवार भी जो इस प्रकार की ग्रहण परीक्षा में बैठना चाहते हैं आयोग की परीक्षा में प्रवेश प्राप्त करने के पात्र नहीं होंगे।

(iv) फोटो:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii) और 3 (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए अंतिम निर्धारित तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उनके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मंडल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया है, जिसे संबंध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पवों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*—

सुपुत्र/सुपुत्री* श्री—

जो गांव/कस्बा*—जिला/मंडल*—

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*—

के/की* निवासी हैं—जाति/

जन* जाति के/की* हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)

आदेश, 1951 *

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)

आदेश, 1951*

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971, द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*

संविधान (अंडमान और निकोबार-द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां, आदेश 1959*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962—

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*—

और/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*—

जिला/मंडल*—राज्य/

संघ राज्य* क्षेत्र—में

रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर—

**पदनाम—

(कार्यालय की मोहर)

स्थान—

तारीख—

राज्य

संघ राज्य क्षेत्र*

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां “ग्राम तौर से रहते/रहती हैं” का अर्थ वही होगा जो “रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950” की धारा 20 में है।

**अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिश्नर/ऐडिशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथमश्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिश्नर।

† (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/ से कम औहदे का नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडिशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिसका औहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार ग्राम तौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर, लक्षद्वीप।

5. (i) नियम 5(ख) (ii) अथवा 5(ख) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रजनन कर भारत आया है:—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) संबंध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) अपने की कार्यभार के अधीन संबंध सब डिवीजन का सबडिवीजनल अफसर।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

यदि वह उपाबन्ध-I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क से छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संबद्ध या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य के लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) नियम 5(ख) (iv) अथवा 5(ख) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्या-वर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबन्ध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाणपत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) नियम 5 (ख) (vi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो 20 दिसम्बर, 1961 से पूर्व गोआ, दमन तथा दियु के भूतपूर्व पुर्तगाली क्षेत्रों का निवासी था अपने दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए:—

- (1) सिविल प्रशासन का निदेशक
- (2) कौंसल होस के प्रशासक
- (3) मामलातदार

(iv) नियम 5(ख) (vii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से आए हुए उम्मीदवार को, उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से, जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(v) नियम 5(ख) (viii) अथवा 5(ख) (xi) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट चाहने वाले वर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह

निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबन्ध-I के पैरा 2 के अंतर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(vi) नियम 5(ख) (x) अथवा 5(ख) (xi) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विक्लांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर, उसकी एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विक्लांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले

प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----
के रैंक नं०-----श्री-----
रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विक्लांग हुए और उस विक्लांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर-----
पदनाम-----
दिनांक-----

*जो शब्द लागू न हो उसे काट दें।

(vii) नियम 5(ख) (xii) अथवा 5(ख) (xiii) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विक्लांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विक्लांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----

----- के रैंक नं०-----सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विक्लांग हुए और उस विक्लांगता के परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर-----
पदनाम-----
दिनांक-----

6. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी सही सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही फेर बदल किए गए झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

9. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबद्ध पुस्तिकाओं की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली (110006) के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। है। उन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लाक बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-(110001) (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001, संघ लोक सेवा आयोग का कार्यालय, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है।

ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्तिसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार:—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आवि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए:—

1. परीक्षा का नाम
2. परीक्षा का महिना और वर्ष
3. उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म-तिथि यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 15th November 1975

No. A. 32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased is to appoint Miss S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for the period from 27-9-75 to 11-11-75 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE

Under Secretary,
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th November 1975

No. A-22013/2/75-AD-V.—In supersession of Notification issued under this office endorsement of even number dated 1-11-75, the Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri S. Kasirajan, a deputationist Inspector of Police of Tamil Nadu State of officiate as Deputy Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation (S.P.E.) with effect from the forenoon of 16-10-75, until further orders.

The 26th November 1975

No. A-19036/14/75-AD-V.—The Director, Central Bureau of investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri R. S. Shukla, a deputationist Inspector of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 15-11-75, until further orders.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 26th November 1975

No. F. 3/22/74-Estt. (CRPF)—The President is pleased to appoint on *ad-hoc* basis the following Assistant Commandants as Commandants in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. Their postings and the date of handing/taking over charge are indicated against each.

Sl. No.	Name	Rank & Unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank & unit of taking over charge	Date of taking over charge
1.	Shri Y. N. Kashyap	Vice Principal CTC-II CRPF	3-10-75 (FN)	Principal CTC-II CRPF	3-10-75 (FN)
2.	Shri R. R. Bhandi	Vice Principal CTC-I CRPF	20-9-75 (AN)	Commandant 39th Bn CRPF	22-9-75 (FN)
3.	Shri Sukhcharan Singh	Asstt. Comdt. 56th Bn CRPF	31-8-75 (FN)	Commandant 27th Bn CRPF	10-9-75 (FN)
4.	Shri R. S. Notyal	Asstt. Comdt. GC CRPF Deoli	1-9-75 (FN)	Commandant GC CRPF Deoli	1-9-75 (FN)

5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता:—

ध्यान दें:—जिन पत्रों आवि में यह ब्योरा नहीं होगा, संभवतः ध्यान नहीं दिया जाएगा।

13. पत्रों में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्र पर भेजे गए पत्र आवि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्र पर मिल जाया करें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित ब्योरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा अधिकार करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

The 28th November 1975

No. PF/S-202/70-AD.I.—Shri S. K. Sikdar, an officer of West Bengal Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been received of his duties from CBI Calcutta Branch on the afternoon of 10th September, 1974, and his services placed at the disposal of the Government of Sikkim vide Orders of Government of India contained in Department of Personnel and Administrative Reforms letter No. 217/3/74-AVD.II, dated 29th July 1974.

No. T-18/66-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri Tejinder Singh, Deputy Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, CIA-I New Delhi on promotion, to officiate as Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, FS-I, New Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 22nd November, 1975, until further orders.

2. Shri Tejinder Singh relinquished charge of office of Deputy Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, CIA-I, New Delhi on the forenoon of 22nd November, 1975.

G. L. AGARWAL

Administrative Officer (E) C.B.I.

ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 10th November 1975

No. A-11/33/75.—Shri H. K. Jagannath, Inspector of Central Excise Bangalore is appointed as Enforcement Officer at Bangalore office of this Directorate w.e.f. 31-10-75 (AN) and until further orders.

NRIPEN BAKSI

Deputy Director (Admn).

No. F.8/20/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri H. S. Dubash, Assistant Commandant 36th Bn CRP Force w.e.f. the afternoon of 11th September, 1975.

No. F.2/84/75-Estt. (CRPF).—The President is pleased to appoint on re-employment Brig. Ajit Singh (Retd.) as Wire-less Adviser in the Directorate General CRP Force in a temporary capacity for a period of one year w.e.f. the forenoon on 12th November 1975 subject to premature termination of his services should administrative exigency, his unsuitability and/or any other unforeseen factors so demand.

The 28th November 1975

No. F 2/33/75-Estt. (CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis the following DY. SP (Coy. Comdr./QMs) as Assistant Commandants in the CRP Force until further orders.

2. Their postings and the dates of handing/taking over charge are indicated against each :—

Sl. No.	Name	Rank & unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank & unit of taking over charge	Date of taking over charge
1.	Shri B. S. Kallur	DY. SP/(Coy. Comdr./QM) GC CRPF Hyderabad.	26-6-75 (AN)	Asstt. Comdt. 14th Bn CRPF	5-7-75 (FN)
2.	Shri S. K. Yadav	DY. SP/(Coy. Comdr. QM) GC CRPF Durgapur.	16-8-75 (AN)	Asstt. Comdt. 58th Bn CRPF	20-8-75 (FN)
3.	Shri Sarjit Singh	DY. SP/Comdr. Coy/(QM) 40th Bn. CRPF	21-8-75 (FN)	Asstt. Comdt. 40th Bn CRPF	21-8-75 (FN)
4.	Shri R. C. Shahi	DY. SP/(Coy. Comdr./QM) GC CRPF Mokamehghat	14-8-75 (AN)	Asstt. Comdt. 53rd Bn CRPF	18-8-75 (AN)
5.	Shri A. C. Seetharam	DY. SP/(Coy. Comdr./QM) 50th Bn. CRPF	13-8-75 (AN)	Asstt. Comdt. 21st Bn CRPF	19-8-75 (AN)
6.	Shri G. S. Randhawa	DY. SP/(Coy. Comdr./QM) 16th Bn. CRPF	9-8-75 (AN)	Asstt. Comdt. 11th Bn CRPF	18-8-75 (FN)
7.	Shri Nasib Chand	DY. SP/(Coy. Comdr./QM) GC CRPF Jammu	5-8-75 (AN)	Asstt. Comdt. 23rd Bn CRPF	12-8-75 (AN)
8.	Shri K. K. Mehta	DY. SP/(Coy. Comdr./QM) 59th Bn. CRPF	6-8-75 (FN)	Asstt. Comdt. 59th Bn CRPF	6-8-75 (FN)
9.	Shri J. C. Mahresh	DY. SP/(Coy Comdt./QM) GC CRPF Deoli	12-8-75 (AN)	Asstt. Comdt. GC CRPF Hyderabad.	21-8-75 (FN)

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 22nd November 1975

No. 1260/(A).—In continuation of Notification No. 936/A dated the 15th September 1975 the *ad-hoc* appointment of Dr. V. S. Sahasrabudhe, M.B.B.S. as Junior Medical Officer is further extended upto 31st March 1976 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier

Sd-
V. J. JOSHI
General Manager

SECURITY PAPER MILL

HOSHANGABAD M.P., the 28th November 1975

No. P. F. 7 (38).—Shri Joy Peter, Foreman (Production) is appointed to officiate at Assistant Works Manager in the Security Paper Mill, Hoshangabad in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 27th November,

The 27th November 1975

No. O. II-282/69-Estt.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Dharam Singh Dy. SP, 53rd Bn CRPF has relinquished charge of his post on the afternoon of 6th Nov. 1975.

No. D.I-1/74-Estt.—Consequent on his selection for appointment on deputation as Commandant in the ITBP, Shri J. S. Negi handed over the charge of the post of Commandant 32nd Bn CRPF on the forenoon of 4th November 1975.

1975 (FN). Shri Peter's appointment will be on probation for a period of 2 years.

R. VISHWANATHAN,
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 21st November 1975

No. Admn. 1/5-5/Promotion/74-76/O.O. 639/2081.—The Accountant General, Central Revenues, has appointed the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers in the time scale of Rs. 340—1200 w.e.f. the date shown against their names, until further orders :—

Name	Date of Promotion as Accts. Officer
1. Sh. D. C. Garg, Section Officer	12-11-75 F.N.
2. Sh. R. K. Joshi, Section Officer	12-11-75 A.N.

H. S. Dignall
Senior Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
RAJASTHAN

Jaipur, the 28th November 1975

No. Admn. II/G-PCB/1052.—Shri P. C. Bhatnagar Section Officer of the office of the Accountant General Rajasthan, Jaipur is appointed as officiating Accounts Officer untill further orders from 17-11-75 (FN).

Sd./- ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE
SERVICES

New Delhi-1, the 28th November 1975

No. 5834/A-Admn/130/75.—Consequent on his permanent absorption in the Indian Drugs and Pharmaceuticals Limited,

the lien of Shri M. V. Joshi, Sub. Audit Officer in this Department has been terminated with effect from 30th June, 1975.

SMT. GIRIJA ESWARAN
Sr. Dy. Director of Audit, DS

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 26th November 1975

No. 3527/AN.II.—On attaining the age of 58 years, Shri B. L. Jain, an officer of the Indian Defence Accounts Service has been transferred to the pension establishment and struck off the strength of the Department with effect from 31-10-75 (AN).

The 28th November 1975

No. 40011 (2)/75-AN-A-(1). The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
1.	Shri Harbans Singh (P/250)	Permanent Accounts Officer	31-1-76	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
2.	Shri M. V. L. Narayana Rao (P/360)	Permanent Accounts Officer 31-1-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
3.	Shri Amolak Raj (O/228)	Officiating Accounts Officer	31-1-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
4.	Shri R. K. Handa (O/322)	Officiating Accounts Officer	29-2-76	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun.

(2) Shri N. S. Srinivasan, (Permanent Accounts Officer) Roster No. P/277) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut, will retire from service under the provisions of Article 459 (h) Civil Service Regulations, Volume I.

He will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of 17th December 1975.

(3) The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of Shri R. A. Dham Permanent Accounts Officer (Roster No. (P/122) in the organisation of the Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut on 29-10-1975.

Shri R. A. Dham is accordingly struck off the strength of the department from the forenoon of 30-10-75.

S. K. SUNDARAM
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 22nd November 1975

No. 44/75/G.—On expiry of leave pending retirement, Shri A. Y. Dole, Offg. Assistant Manager (Permanent Foreman) retired from service with effect from 30th November, 1974 (AN).

M. P. R. PILLAI,
Assistant Director General, Ordnance Factories

of Imports and Exports in this office with effect from 1-9-1975 (FN), until further orders.

No. 6/929/71-Admn(G)/11544.—On attaining the age of superannuation, Shri J. Ahmed relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta on the afternoon of 31st October, 1975.

B. D. KUMAR
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 28th November 1975

Import and Export Trade Control

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1097/75-Admn(G)/11561.—The President is pleased to appoint Shri K. C. Shekhran, an Officer officiating in Grade I of the C.S.S. to officiate as Deputy Chief Controller

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS

Madras-1, the 29th August 1975

ORDER OF CANCELLATION

SUB: Cancellation of Exchange Control copy of Import licence No. P/E/0210040 dated 16-7-1973 issued to M/s. J. L. Morison, Son & Jones (India) Ltd., Madras-600001.

No. ITC/DUP.COPY/3/A.M.76/E.I.—M/s. J. L. Morison, Son & Jones (India) Ltd., 9-10, Second Line Beach, Madras-600001 were issued a licence No. P/E/0210040/C/XX/48/M/37.38 dated 16-7-1973 for Rs. 1250/- (Rupees on thousand two hundred and fifty only) by this office for import of General Drugs and Medicines for the licensing period April 73 March, 74.

The firm have applied for grant of duplicate copy of the Exchange Control copy of the above licence on the ground that the original has been lost after having been registered with the Mercantile Bank Ltd., Bombay-1 while opening the Letter of Credit No. DCBOM 740616 dated 17-7-1974 for the face value of Rs. 1250/- but before the final remittance. In support of their contention they have also filed an affidavit.

A duplicate copy of the Exchange Control copy of the above licence has since been issued and the original copy of the licence has been cancelled.

This is reported for your information.

R. KUMERAVELU
Deputy Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 26th November 1975

No. EST-I-2(654).—The Textile Commission is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 9th October, 1975 and until further orders Shri S. L. Sharma Superintend-

ent in the Weavers Service Centre, Meerut, as Assistant Director, Gr. II (N.T.) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Amritsar.

VIRENDRA B. VERMA
Director

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 22nd November 1975

No. A-31014/1/75-Admn.(G).—The Development (Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri R. S. Madhukar, an officiating Assistant Editor (Hindi) in the office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, in a substantive capacity, to the permanent post of Assistant Editor (Hindi) in the Technical Publicity Division of Small Industry Development Organisation with effect from 1-5-1972. *vice* Shri P. S. Mehta.

K. V. NARAYANAN
Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 1st November 1975

No. A-1/42 (42).—The President is pleased to appoint the following officers of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent post and with effect from 1-7-1973 :—

S. No.	Name of the officer	Officiating post held at present	Post in which confirmed	Remarks
1.	Shri P. Chakravarti	Director (Progress) (Grade I of the Indian Supply Service), DGS&D New Delhi.	Director (Grade I of the Indian Supply Service)	Vice Shri P. Nath, permanent Director (Grade I of ISS) confirmed as DDG (Super-time scale post of ISS) w.e.f. 8-11-1971.
2.	Shri S. K. Roy	Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service) DGS&D New Delhi.	Director (Grade I of the Indian Supply Service)	Temporary post of Director (Grade I of ISS) converted into permanent one <i>vide</i> Deptt. of Supply letter No. A-11012/2/71-ESI dated 13-12-1971.
3.	Shri P. C. Mathur	Do.	Do.	vice Shri I. S. Ahuja, permanent Director (Gr. I of ISS) retired from service with effect from 13-1-72. (AN).
4.	Shri S. V. Sundaram Iyer	Director of Supplies & Disposals (Gr. I of ISS) Dte. of Supplies & Disposals, Madras.	Do.	vice Shri V. Subramanian, permanent Director (Gr. I of ISS) confirmed as DDG, Super-time scale post of ISS) w.e.f. 1-3-72.

K. L. KOHLI,
Dy. Director (Administration)

New Delhi, the 19th November 1975

No. A-15/4(166)/75.—The President is pleased to appoint Shri M. R. Ananda Ram, a Grade I officer of the Central Secretariat Service and at present holding the post of Officer on Special Duty (Training) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, on *ad hoc* basis, as Officer on Special Duty (Training) in the same Directorate General at New Delhi on deputation basis with effect from 1-10-1974 to 30-9-1976 i.e. till the date of his superannuation.

The 21st November 1975

No. A.1/1(86).—On his reversion to the post of Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service) Shri Ardaman Singh relinquished charge of the office of Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on the forenoon of 25th October, 1975.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN. BR. A-6 SEC.)

New Delhi, the 21st November 1975

No. A6/247(92)/58.—Consequent upon his reversion from the post of Dy. Director General (Inspection), Shri C. R. Sircar has taken over the charge of the post of Director of Inspection in the Hdqrs. office w.e.f. the forenoon of 11-11-75.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 19th November 1975

No. 7312/B/2222(JB)/19A.—Srimati Jayanti Bose (Dutta) is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 21st October, 1975, until further orders.

No. 7316/B/2222(SKV)/19A.—Shri. Shrish K. Vayangan-
kar is appointed as an Assistant Geologist in the Geological
Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month
in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—
35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capa-
city with effect from the forenoon of the 16th October, 1975,
until further orders.

V. K. S. VARADAN
Director General

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY
BOTANICAL SURVEY OF INDIA

Howrah-711103, the 7th November 1975

No. BSI-66/96/75-Estt.—On recommendation of the
UPSC, the Director-in-Charge, Botanical Survey of India, here-
by appoints Shri Jagdish Lal to the post of Botanist, Hqts.
Botanical Survey of India (in the Cryptogamic Unit) Shibpore
Howrah against a post sanctioned under 4th Plan in the
revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—
35—880—40—1000—40—1200/- plus usual allowances as
admissible under rules with effect from the forenoon of
29th October, 1975, in an officiating capacity, until further
orders.

J. C. BANERJEE
Accounts Officer

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 15th October 1975

No. 2/4/75-S-III.—The Director General, All India Radio
hereby appoints the following officers in the cadre of Assistant
Engineer in All India Radio in an officiating capacity at the
Station/Offices of All India Radio as shown against their names
with effect from the date mentioned against each until further
orders :—

S. No.	Name of officer	Office/Station where posted	Date of Appointment
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	Chaman Lal Kaul	TV Centre, All India Radio Sri- nagar	10-9-75
2.	Jagdish Chander	HPT, All India Ra- dio Khampur, Delhi	28-8-75
3.	Kailash Chander Gupta	All India Radio, Bikaner	12-9-75 (AN)
4.	Ram Bachan Ram	All India Radio, Calcutta	18-9-75
5.	Vinod Kumar Arora	Research Deptt. All India Radio, New Delhi.	25-9-75

The 24th October 1975

No. 2/4/75-S-III.—The Director General, All India Radio
hereby appoints the following Officers in the cadre of Assistant
Engineer in All India Radio in an officiating Capacity at the
Station/Offices of All India Radio as shown against their names
with effect from the dates mentioned against each until further
orders :—

S. No.	Name of officer	Office/Station where posted	Date of appointment
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	Narayan Mohan Kumar	Office of RE (W) AIR, Bombay	30-9-75
2.	Punit Kumar Shukla	TV Center, A I R Calcutta	4-10-75
3.	Shailender Narain Mathur	AIR, Patna	16-10-75
4.	Ravi Kumar	Office of RE (W) AIR, Bombay	4-10-75
5.	C. Jayaraman	HPT, AIR, Chin- surah	3-10-75
6.	Harish Chandra	HPT, AIR, Chin- surah	4-10-75

The 29th October 1975

No. 2/12/75-S-III.—The Director General, All India Radio,
hereby appoints the following SEAs to officiate in the grade of
Assistant Engineer on *ad-hoc* basis with effect from the dates
mentioned against each at the Station/Offices of All India Radio
shown against their names until further orders :—

S. No.	Name	Place of Posting	Date of appointment
1	2	3	4
1.	Shri Rattan Singh	TV Centre, All- India Radio, Delhi	15-9-75
2.	Shri Ram Dagar	All India Radio, Imphal	8-9-75
3.	Shri R. G. Pattil	TV Centre, All India Radio, Sri- nagar.	17-9-75

P. K. SINHA

Deputy Director of Administration,
for Director General

New Delhi, the 21st November 1975

No. 4(117)/75-SI.—The Director General, All India Radio
hereby appoints Kumari K. T. Meshram as Programme
Executive, All India Radio, Poona in a temporary capacity
with effect from the 20th October, 1975 and until further
orders.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 21st November 1975

No. 13-13/72-Admn.-I.—The Director General of Health
Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Kamlesh Dudeja
to the post of Dental Surgeon under the Central Government
Health Scheme, New Delhi, with effect from the forenoon
of the 12th September, 1975, on an *ad-hoc* basis and until
further orders.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURAL & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

HEAD OFFICE : N.H. IV—Faridabad

Faridabad, the 26th November 1975

No. F. 4-6(96)/75-A.I.—On recommendations of the
Union Public Service Commission, Shri S. Venkata Mohana
Rao, has been appointed to officiate as Assistant Marketing
Officer, Group I, in the Directorate of Marketing & Inspec-
tion, at Hyderabad, with effect from 23-10-1975 (forenoon),
until further orders.

E. S. PARTHASARTHY
Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 20th November 1975

No. PA/81(121)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic
Research Centre, appoints Smt. Hilla Adj Cooper, a tem-
porary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Re-
search Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in
the same Research Centre, in an officiating capacity with
effect from the forenoon of August 1, 1975, until further
orders.

No. PA/81(121)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Smt. Suneeta Sitaram Oka, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 10th October 1975

No. AMD/1/18/75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri B. N. Chandra Bhaskara Reddy as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the forenoon of 10th October, 1975, until further orders.

The 23rd October 1975

No. AMD/SAO-5(8)/74-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Sri P. L. Chaurasia, Electrical Foreman, in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, as Scientific Officer/Engineer Grade SB (Electrical) in an officiating capacity in the same Division with effect from the forenoon of 1st August, 1975, until further orders.

No. AMD/SAO-5(8)/74-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Sri I. D. Banerjee, Technical Assistant Grade 'C' (Drilling) in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, as Scientific Officer/Engineer Grade SB (Drilling) in an officiating capacity in the same Division with effect from the forenoon of 1st August, 1975, until further orders.

The 27th November 1975

No. AMD/1/18-75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Suresh Kumar as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the 12th November, 1975 (forenoon), until further orders.

The 29th November 1975

No. AMD/-2/1497/64-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Sri A. D. Bhatia, permanent Assistant Administrative Officer of the Atomic Minerals Division, as Administrative Officer-II in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the 22nd October, 1975 (forenoon) and upto and including 6th December, 1975 (A.N.) vice Sri S. K. Malhotra, Administrative Officer-III, granted leave.

No. AMD-2/1497/64-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Sri Som Nath Sachdeva, permanent Assistant/officiating Superintendent of the Atomic Minerals Division, as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 13th October, 1975 to 21st October, 1975 vice Sri S. K. Malhotra, Administrative Officer-III, granted leave and from 22nd October, 1975 to 6th December, 1975 vice Sri A. D. Bhatia, Assistant Administrative Officer appointed as Administrative Officer Grade II.

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES
MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600006, the 20th November 1975

Ref. MRPU/200(107)/75-Adm.—The Director, Purchase and Stores, Bombay is pleased to appoint Shri H. Ganapathy, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre, Bombay and officiating Storekeeper in Direc-

torate of Purchase and Stores, as Assistant Stores Officer in a temporary capacity purely on *ad-hoc* basis in the same Directorate from December 1, 1975 upto January 9, 1976.

S. RANGACHARY
Purchase Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 24th November 1975

No. RRC-II-13(9)/75/24617.—Project Director, Reactor Research Centre, hereby appoints Shri PILAKA BHASKAR RAO, a temporary Scientific Assistant (C) of this Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Centre, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of November 1, 1975 until further orders.

K. SANKARANARAYANAN
Sr. Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-110003, the 1st December 1975

No. E(1)03703.—On attaining the age of superannuation Shri R. R. Sharma, officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi retired from Govt. service with effect from the *after-noon* of 31-10-1975.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 20th November 1975

No. A 32013/7/75EA.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Pillai, Assistant Aerodrome Officer to the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department, on *ad-hoc* basis, for a period of six months with effect from the 10th November, 1975 or till the post held by him is filled on regular basis, whichever is earlier. He is posted at Civil Aerodrome, Trivandrum.

V. V. JOHRI
Assistant Director of Administration

New Delhi-110022, the 19th November 1975

No. A-91013/1/75-E(H).—The President has been pleased to appoint Shri Satendra Singh, officiating Scientific Officer, Civil Aviation Department in a substantive capacity in the same grade with effect from the 11th January, 1974.

The 20th November 1975

No. A. 32013/10/75-EH(i).—The President has been pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri S. Venkateswamy as Director of Equipment in the Civil Aviation Deptt. upto the 29th February, 1976 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A. 32013/10/75-EH(ii).—The President has also been pleased to extend the *ad hoc* appointment of Shri S. Mukhopadhyay as Deputy Director of Equipment in the Civil Aviation Department upto the 29th February, 1976, or till the vacancy is filled on regular basis, whichever is earlier.

T. S. SRINIVASAN
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 28th November 1975

No. 1/392/75-EST.—Shri R. W. Pattarkine, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Arvi Branch with effect from the forenoon of the 10th November, 1975, and until further orders.

No. 1/393/75-EST.—Shri Hotu Ram Chugh, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 15th November, 1975 and until further orders.

P. G. DAMLE
Director General

Bombay, the 27th November 1975

No. 1/367/75-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. L. Menezes, permanent Supervisor, Bombay Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 15-10-1975 to 15-11-1975 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 21st November 1975

No. 16/236/75-Estt.I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, has appointed Shri V. K. Deshpande as Assistant Lecturer in Engineering and Surveying at the Eastern Forest Rangers College, Kurseong, West Bengal, in a temporary capacity with effect from the afternoon of 19th August, 1975, for a period of six months for the present or until further orders whichever is earlier.

PREM KAPUR
Registrar,
Forest Research Institute & Colleges

COLLECTORATE OF CENTRAL AND CUSTOMS EXCISE

Allahabad, the 30th October 1975

No. 144/1975.—The undersigned regretfully notifies the death of Shri V. P. Gupta, confirmed Superintendent of Central Excise, Class II, lately posted as Sambhal in the Central Excise Integrated Divisional Office, Moradabad, on 22-7-1975 (afternoon).

The 1st November 1975

No. 148/1975.—Shri R. N. Shukla, confirmed Superintendent, Central Excise, Class II, previously posted as Superintendent (Tech) in the Central Excise Integrated Divisional Office, Allahabad, handed over the charge of the office of the Superintendent (Tech) Central Excise Integrated Divisional Office, Allahabad on 30-9-1975 (afternoon) to Shri T. K. Bhate, Superintendent, Central Excise, Class II and retired from Government service with effect from the said date and hour.

No. 149/1975.—Shri Lalit Mohan, officiating Administrative Officer of Central Excise, previously posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Sitapur, handed over the charge of the office of the Administrative Officer of Central Excise Integrated Divisional Office, Sitapur, on 31-7-1975 (afternoon), to Shri P. K. Khanna, Superintendent, Central Excise, Class II and retired from Government service with effect from the said date and hour.

H. B. DASS
Collector
Central Excise, Allahabad

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 22nd October 1975

CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 11/1975.—On transfer Shri J. N. Gupta, Assistant Chemical Examiner, Central Revenues Control Laboratory, New Delhi assumed charge in the same capacity in the New Custom House Laboratory, Bombay with effect from the forenoon of 8th October, 1975.

V. S. RAMANATHAN
Chief Chemist, Central Revenues

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad-121001, the 20th November 1975

No. 3-421/75-C.H. (Estt.).—Shri K. Krishna Murthy is hereby appointed to the post of Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Class-II (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board with his headquarter at Bangalore w.e.f. 28-10-1975 (F.N.) till further orders.

The 26th November 1975

No. 3-368/75-C.G. (Estt.).—Consequent on his selection by U.P.S.C. Shri D. M. Rama Rao is hereby appointed to the post of Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Class-II (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in the C.G.W.B. with his headquarter at Bangalore w.e.f. 25-10-1975 (F.N.) till further orders.

The 29th November 1975

No. 3-394/75-C.H. (Estt.).—Shri P. Venkateswara Rao is hereby appointed to the post of Junior Hydrologist, G.C.S. Class-II (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on temporary basis in the C.G.W.B. with his headquarter at Sholapur w.e.f. 27-10-75 (F.N.) till further orders.

D. S. DESHMUKH
Chief Hydrogeologist, & Member

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 25th November 1975

No. 5/6/75-ECI.—The President is pleased to appoint the following candidates on the results of Engineering Services Examination, 1974 on probation in the CES Class I/CEES Class I in the C.P.W.D. against temporary posts of Asstt. Executive Engineer (Civil)/Asstt. Executive Engineer (Elect.) with effect from the dates mentioned against their names.

CES Class I

S/Shri

1. G. Muthukrishnan—1-11-75 (F.N.).
2. Arun Kumar Trivedi—27-10-75.
3. Pradeep Kumar Gupta—25-10-75 (A.N.).
4. Shamim Ahmed Khan—27-10-75.
5. Anil Kumar Bajaj—29-10-75.
6. Ram Bilas Singh—27-10-75.
7. Pramod Kumar Gupta—22-10-75.
8. Bipin Chand—6-10-75.
9. Subas Chandra Padhi—28-10-75.
10. Amarendra Kumar Sinha—10-11-75.
11. Rajinder Prasad—29-10-75.

CEES Class I

1. Subhash Chander Joshi—27-10-75.
2. Azizul Haque—10-11-75.

P. S. PARWANI,
Dy. Director of Administration
for Engineer-in-Chief

INTEGRAL COACH FACTORY

Madras-38, the 20th November 1975

No. PB/GC/9/Misc.II.—Sri T. K. Balasubramanian, Officiating Assistant Programmer (Class III) the been promoted to officiate in Class II service as Programmer on *ad hoc* basis with effect from 21st October 1975.

Sri L. G. Srinivasan, Officiating Assistant Accounts Officer/C.A.S. (Class II) (*ad hoc*) has been reverted to Class III service with effect from 5th November 1975 F.N.

Sri V. Achuthan Nair, Officiating District Controller of Stores/Depot/Fur, (S.S.), who attains the age of superannuation on 4th October 1975 A.N. has finally retired from service on the afternoon of 31st October 1975.

S. SUBRAMANIAN
Deputy Chief Personnel Officer
For General Manager.

SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-700043, the 21st November 1975

No. P/G/14/300B(II).—Shri S. M. K. Rizvi, an Officiating Class II Officer of Civil Engineering Department of this Railway is confirmed in Class II service of that Department on this Railway with effect from 28th May 1970.

The 24th November 1975

No. P/G/14/300C.—Shri L. R. Patrick is confirmed as Assistant Controller of Stores (Class II) with effect from 2nd October, 1969 in the Stores Department.

M. MENEZES
General Manager.

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 27th November 1975

No. E/55/III/91-Pl.III(O).—Shri R. Rukapthanga who was appointed as Assistant Officer on probation in T(T) & C. Department of Supervisor Revenue Establishment is confirmed in the Junior Scale with effect from 22nd November 1974.

M. R. REDDY
General Manager

CENTRAL RAILWAY

V.T., Bombay, the 17th October 1975

No. HPB/220/G/H/W.—Shri T. K. John, Officiating Class II Officer of the Civil Engineering Department is confirmed in Class II service as Assistant Engineer in that Department from 7th August 1975.

The 24th November 1975

No. HPB/220/G/H/L.—The undermentioned Officiating Assistant Electrical Engineer (Class II) is confirmed in that appointment with effect from the date shown against him.

Name & Date of Confirmation in Class II Service
Shri V. V. Kathavate—19th August 1970.

B. D. MEHRA
General Manager.

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Kamal Minerals Private Limited*

Hyderabad-1, the 26th November 1975

No. 1540/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kamal Minerals Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Ramamurthy Coffee Agricultural Development
Company Private Limited*

Hyderabad-1, the 26th November 1975

No. 1247/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ramamurthy Coffee Agricultural Development Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies
Andhra Pradesh.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
V. Paul De Souza (Feeds) Private Limited*

Panaji-Goa, the 14th November 1975

No. 130/G.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the V. Paul De Souza (Feeds) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. R. GHAROTE
Registrar of Companies
Goa, Daman and Diu.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Patna, the 22nd November 1975

NOTICE

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars of the assesses on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed, I hereby notify u/s 287 of the I. T. Act, 1961 for publication the names and other particulars in respect of the assesses on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed during the year 1974-75.

(i) indicates status 'I' for Individual, 'H' for H.U.F. 'F' for Firm and 'C' for Company; (ii) for assessment year, (iii) Amount of penalty.

(i) Sri Mudidhar Narnoli, Prop: Buxi Ram Laxmi Narain, Kikend, (i) I (ii) 1970-71, (iii) Rs. 5587/- and Rs. 18131/-, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 25888/- and Rs. 30549/-, (2) Sri Dwarka Prasad Burnwal, Bhowra (i) I (ii) 1970-71, (iii) Rs. 24000/-, (3) Sri Rewal Chand, Dattras, (i) I, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 5561/-, (4) M/s. Bajoria Electric Stores, Jharia (i) F, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 19895/- (5) Sri Ramesh H. Soopal, Katras Road (i) I, (ii) 1972-73 (iii) Rs. 11000/-, (6) M/s Jharia Sillicate & Chemical Works, Jharia, (i) F, (ii) 1965-66, (iii) Rs. 8783/-, (7) M/s. Gurudayal Singh & Sons, Sindri, (i) I (ii) 1963-64, (iii) Rs. 5,000/- (8) Sri G. I. Pathak C/o Ratanji Bhawanji, Jharia, (i) I, (ii) 1963-64, (iii) Rs. 10197/- (ii) 1967-68 (iii) Rs. 11000/-, (9) Sri Mahendra R. Patel Jharia, (i) I (ii) 1970-71, (iii) Rs. 13980/-, (10) Sri Satvadeo Lal, Jharia, (i) I, (ii) 1969-70, (iii) Rs. 18503/- (11) Sri Vijay Kumar Dutta, Jharia, (i) I (ii) 1970-71, (iii) Rs. 11672/-, (12) Sri Rudra Pratap Lodha Prop: Reliance Construction Co., Katras, (i) I (ii) 1970-71, (iii) Rs. 9700/-, (13) Sri Subhan Khan, Naya Bazar, Dhanbad, (i) I, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 8810/-, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 8810/-, (14) M/s. Baidyanath Trading Co. Deoghar, (i) F, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 16500/-, (15) M/s. Kuva and Khas Kuva, Jharia, (i) F, (ii) 1963-64, (iii) Rs. 15000/-, (16) Shri Chandradeo Singh, Humariti-laya, (i) I (ii) 1966-67, (iii) Rs. 25732/-, (ii) 1967-68, (iii) Rs. 7298/-, (ii) 1968-69, Rs. 48333/- (ii) 1969-70, (iii) Rs. 56372/-, (i) 1970-71, (iii) Rs. 65920/-, (17) Smt. Malki Saha Legal heir of Late Smt. K. D. Saha, Giridih, (i) I, (ii) 1968-69, (iii) Rs. 12000/-, (18) M/s. Madan Lal Arand Mohan Dhanbad, (i) H, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 20250/-.

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and other particulars in respect of the assessee who have been assessed on an income of more than one lac of rupees and companies which have been assessed on income of more than ten lacs of rupees I hereby notify u/s 287 of the I. T. Act, 1961 the names and other particulars of the following assessee who have been assessed on income of rupees one lac and companies which have been assessed in income of over ten lacs during the year 1974-75, (i) status I for Individual, H.U.F. for Hindu Undivided Family, C for Company, (ii) Assessment year, (iii) Returned income, (iv) Assessed income, (v) Tax payable by the assessee, (vi) Tax paid by the assessee.

1. Shri Bishwanath Prasad, Bisani, Kalan, Sasaram (i) I, (ii) 1971-72, (iii) No, (iv) Rs. 1,20,000, (v) 1,19,119, (vi) NIL.
2. Shri S. K. Sen Alias Lawly' Sen C/o Lawlys Enterprise Ltd. Exhibition Road, Patna, (i) I, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 1,38,308, (iv) Rs. 1,38,308, (v) Rs. 70,560, (vi) 20617.
3. Shri Nageshwar Prasad, Advocate, Dak Bungalow Road, Patna, (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 85,056 (iv) Rs. 1,02,960, (v) Rs. 62,683, (vi) Rs. 62,683.
4. Chandra Kant Virji Sanghi, Jharia, (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 1,08,826, (iv) Rs. 1,14,540, (v) Rs. 73,177, (vi) Rs. 73,177.
5. Virji Ratanji Sanghi, Jharia, (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 1,24,143, (iv) Rs. 1,33,750, (v) Rs. 90,496, (vi) Rs. 90,496.
6. Shiv Ram Singh, Katras, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 99,570, (iv) Rs. 1,04,500, (v) Rs. 62,026, (vi) Rs. 62,026.
7. Shri Dharam Chand Jain, Chaibasa, (i) I, (ii) 73-74, (iii) Rs. 79,630, (iv) Rs. 1,07,330, (v) Rs. 50,676, (vi) Rs. 49,190.
8. M/s. Tola Ram Madan Lal, Ranchi, (i) H. U. F., (ii) 1972-73, (iii) Rs. 25,360, (iv) Rs. 1,97,186, (v) Rs. 1,51,440, (vi) Rs. 6,272.
9. M/s. Biharilal Loenkaran, Ranchi, (i) H.U.F., (ii) 1972-73, (iii) Rs. 24,712, (iv) Rs. 3,01,240, (v) Rs. 3,89,257, (vi) Rs. 6,606.
10. Shri P. C. Versheni, Kandra, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 1,05,974, (iv) Rs. 1,07,370, (v) Rs. 56,344, (vi) Rs. 56,344.
11. Shri Dinesh B. Parikh, Jamshedpur, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 25,141, (iv) Rs. 1,15,100, (v) Rs. 69,459, (vi) Rs. 62,370.
12. Shri R. Roy Choudhary, Jamshedpur, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 1,46,720, (iv) Rs. 2,08,240, (v) Rs. 1,59,855, (vi) Rs. 1,59,855.
13. Shri P. H. Bray C/o Hindustan Copper Ltd, Ghatsila, (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 1,03,196, (iv) Rs. 1,03,200, (v) Rs. 62,744, (vi) Rs. 62,744.
14. Shri M. G. Dewan, C/o Tin Plate Co. of India Ltd., Jamshedpur (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 1,02,682, (iv) 1,00,520, (v) Rs. 60,279, (vi) Rs. 60,279.
15. Shri R. H. Baroacha C/o Telco, (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 73,384, (iv) Rs. 1,04,870, (v) Rs. 64,280, (vi) Rs. 37,100.
- 16.a. M/s Senukela Glass Works (P) Ltd, Kandra, Jamshedpur, (i) C, (ii) 1962-63, (iii) Rs. 19,67,408, (iv) Rs. 20,45,330, (v) Rs. 10,22,666, (vi) 10,22,666.
- b. (ii) 1963-64, (iii) Rs. 30,50,762, (iv) Rs. 33,00,900, (v) Rs. 16,50,450, (vi) Rs. 16,50,450.

17. Hecket Eng. Co. (Indian Branch), Jamshedpur, (i) C, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 1,46,63,780, (iv) Rs. 1,47,36,790, (v) Rs. 1,07,09,883, (vi) Rs. 1,07,09,883.

The 24th November 1975

I hereby notify for publication u/s 287 of I. T. Act 1961 the names of the assessee who were in default for periods of two years and three months and above as on 31st March 1975 (i) Stands for status 'I' for Individual and 'F' for Firm, (ii) Amount in default (1) M/s Standard Mercantile Co., Patna, (i) F, (ii) Rs. 343,521/-, (2) Shri Basudeo Agrawal C/o above (i) I, (ii) Rs. 39,000/-.

The 26th November 1975

I hereby notify for publication under section 287 of the I. T. Act, 1961 the names and other particulars of the assessee in whose cases amounts of over Rs. 1 lac have been written off during the year 1974-75. (i) Indicates for status (U.R.F. for Unregistered Firm and 'C' for Company) (ii) for amount of demand written-off (including the year in which it was created) (iii) for No. and date of the order under which the amount was written-off.

- (1) M/s. Dwarka Das & Co., Gaya (i) URF, (iii) 1948-49 Rs. 1,15,272/-, 1949-50 Rs. 5,231/- and 1950-51 Rs. 12,630/-. (iii) CIT's order dated 26th March 1975.
- (2) M/s. Haldar and Co. (P) Ltd., Patna (i) C, (ii) 1968-69 Rs. 347/-, 1969-70 Rs. 6,120/-, 1970-71 Rs. 24,533/-, 1971-72 Rs. 1,14,337/-, 1972-73 Rs. 57,999/- and 1973-74 Rs. 69,475/-, (iii) CIT's order dated 29th March 1975.

NOTE.—The statement that the tax due from a person has been written-off only means that in the opinion of the Income-tax Department it cannot on the date of publication be realised from the known assets of the assessee. The publication does imply that the amount is irrecoverable in law or that the assessee is discharged from his liability to pay the amount in question.

S. R. KHARABANDA
Commissioner of Income-tax,
Bihar-I, Patna.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 27th November 1975

CORRIGENDUM

SUB.: Acquisition proceedings under Chapter XXA of the I. T. Act 1961—Property at 34 & 34A, T. M. G. Building Sindupundurai, Tirunelveli—date of registration of sale deed—reg.

REF.: This office notice u/s 269D(1) of the I. T. Act 1961 issued under F. No. XIV/1/11/75-76, dated 22nd November 1975.

F. No. XIV/1/11/75-76.—In this office notice under section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 issued for publication in the Gazette in the above case, the words "April, 1975" occurring in line 8 on page 1 may please be read as "May, 1975".

G. RAMANATHAN
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

FORM ITNS—

(1) Shri Gyan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jasmender Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Lucknow, the 19th November 1975

Ref. No. 29-J/Acq.—Whereas, J. Bishambhar Nath,
being the competent authority under section 269D
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 15/5 (Agri. land) situated at Vill. Ainthpur Distt.
Lakhimpur Kheri,

(and more fully described in the Schedule
annexed hereto) has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at
Nighason on 17/5/1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the 'Said Act' in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any monies or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purpose of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khata No. 15/5 measuring 6.25 Acres
situated at Village Ainthpur Tehsil Nighason, Distt. Kheri.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range,

Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 19-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gyan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sartey Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 19th November 1975

Ref. No. 94-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khata No. 15/5 (Agri. land) situated at Vill. Anithpur Distt. Lakhimpur Kheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nighason on 17/5/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khata No. 15/5 measuring 6.25 Acres situated at Village Anithpur Tehsil Nighason, Distt. Kheri.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 19-11-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bal Krishan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balram Nag.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 20th November 1975

Ref. No. 50-B/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D 53/101-A, situated at Mohalla Laksha, Varanasi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 2/5/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D 53/101-A situated at Mohalla Laksha Varanasi City.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 20-11-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prem Shanker,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gajraj Singh and others,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow, the 20th November 1975

Ref. No. 24-G/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 156M (Agri. land) situated at Village Harthla Pargana Sambhal Distt. Moradabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sambhal on 30-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 156-M situated at Village Harthla Pargana Sambhal Distt. Moradabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Prem Shanker.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sompal and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 20th November 1975

Ref. No. 95-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 156M (Agri. land) situated at Village Harthla Pargana Sambhal Distt. Moradabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Sambhal on 30-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 156-M situated at Village Harthla Pargana Sambhal Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 20-11-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Lal and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tehal Ram and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 20th November 1975

Ref. No. 13-T/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

ED-9/115, situated at Moh. Farashi Tola, Barreilly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barreilly on 9-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby situate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

One pucca House No. ED-9/115 situated at Mohalla Farashi Tola, Barreilly.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 20-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Prem Shanker,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Chandér and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later.

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Lucknow, the 20th November 1975

Ref. No. 74-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath,
being the competent authority
under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Khasra No. 156M (Agri. land) situated at Village Harthla
Pargana Sambhal Distt. Moradabad.
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been
transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Sambhal on 30-5-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land Khasra No. 156-M situated at Village
Harthla Pargana Sambhal Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range,

Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

18—386GI/75

Date : 20-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

SMT. K.G.D.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 29th November 1975

Ref. No. ARI/1167--8/April 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bear C.S. 478 part of Mahim Division Shivaji Park Road No. 5 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Parbat K. Patel & Ors.

(2) New Shankar Premises Co-operative Housing Society Ltd.

(3) Tenants.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land situate lying and being at Shivaji Park, Road No. 5 within the Registration Sub District of Bombay being Plot No. TPS Bombay City No. II (Mahim area) containing by admeasurement 573 sq. yds. equivalent to 457.22 sq. Metres or thereabouts bearing C.S. No. 478 part of Mahim Division and bounded as follows on or towards the North by plot No. 7 and partly by Plot No. 6 on or towards the South by Shivaji Park Road No. 5, on or towards the East by Plot No. 1 and on or towards the West by 40 Linking Road.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 29-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Damodardas Hansraj &
Shri Laxmidas Hansraj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sterling Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I.SMT. K.G.D.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 5th December 1975

Ref. No. ARI/1166-7/April 75.—Whereas, I, V. R. AMIN,
the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.C.S. 708 of Malabar & Cumballa Hill Division
situated at Peddar Road(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 15-4-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the fol-
lowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of freehold land or ground
together with the building standing thereon, situate at Peddar
Road without the Fort in the Registration District and Sub-
District of Bombay containing by admeasurement 981 sq.
yards or thereabouts and registered by the Collector of Land
Revenue under Old No. 616, New No. 2861 and New Survey
No. 8/7179 and assessed by the Bombay Municipality under
'D' Ward No. 3490(I) and Street Nos. 34, bearing C.S. No.
708 of Malabar & Cumballa Hill Division and bounded as
follows: that is to say, on or towards the North by vacant
ground belonging to the purchaser, on or towards the South
by the property of the purchaser, on or towards the East
by Peddar Road aforesaid and on or towards the West by
the property of the purchaser.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5th December 1975

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 3rd December 1975

Ref. No. AR-II/2006/3297/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Final Plot No. 4, T.P.S. I,

situated at Beasant Rd. Santacruz

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Sukhdevsaran Kedarnath, and
Ishwarsaran Kedarnath Bhargava.
(Transferor)
- (2) S/Shri Jasraj Ramji Patel and
Premji Jagraj Patel.
(Transferee)
- (3) 1. Smt. M. N. Phadnis,
2. N. B. Chaya and
3. Dr. H. D. Desai.

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground together with the building standing thereon, situate at Beasant Road, Santacruz, Mouje Danda, Bombay Suburban District in the Registration Sub-District Bandra containing by admeasurement 1958 sq. yards equal to 1637.08 sq. metres being Final Plot No. 4 of Town Planning Scheme Santacruz I (varied) bearing Municipal H Ward and Nos. 3698 (1) and 3696 (2) and Street Nos. 20 and 20A Beasant Road and bounded as follows:—that is to say on the North by the property of Master Ambaram Vyas, on the South by the property of Mohanlal Gopalji Deve, on the East by Beasant Road and on the West by portion of Plot belonging to S. R. Bagwe and ors.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Bombay

Date : 3-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 11th December 1975

CAMP LUDHIANA

Ref. No. DLI/138/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 62,403 sq. yds. being a part of Site No. II, Sector No. 13, Urban Estates, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) The Principal Officer,
M/s. Escorts Tractors Limited,
Escorts House, Roshanara Road,
Delhi.

(Transferor)

(2) The Principal Officer,
M/s Escorts Limited,
Mahajan House,
New Delhi South Extension Part II, Ring Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 62,403 sq. yds., being a part of Site No. II, Sector 13, Urban Estates, Faridabad in the State of Haryana as shown on Drawing No. DTP(F)-310/70 dated 6th July, 1970 kept in the Office of the Estate Officer, Faridabad.

(Property as mentioned in the registered deed No. 563 of April, 1975 of the Registering Officer, Delhi.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh
Camp Ludhiana.

Date : 11-12-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Pestonji Cursetji Boyce,
3934, Kali Ambri,
Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

- (2) (i) Shri Keki Cawas Mehta
(ii) Smt. Khorshed Cawas Mehta
(iii) Miss Zareen Cawas Mehta,
154, Camp, Belgaum.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Dharwar, the 5th December 1975

NOTICE No. 89/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 10 & 11 situated at Belgaum within Municipal Limits, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Belgaum under Document No. 71 in April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Plot numbers 10 and 11 in R. S. Number 960 A/2A situated at Belgaum within Municipal Limits.

P. SATYANARAYANA RAO,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pestonji Cursetji Boyce,
3934, Kali Ambrai,
Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Maniklal Jeevraj Mehta,
Kali Ambrai, Belgaum.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

Dharwar, the 5th December 1975

NOTICE No. 90/75-76/ACQ.—Whereas, I, P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3

situated at Belgaum within Municipal Limits, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Belgaum under Document No. 532 on 12-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Number 3 in R. S. Number 960 A/2A situated at Belgaum within Municipal Limits.

P. SATYANARAYANA RAO,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Dharwar

Date : 5-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 10th December 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/305.—Whereas, I, C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-46/B, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagmohan Nath Tankha s/o
Shri Ladli Nath Tankha,
resident of Plot No. D-46/B, C-Scheme,
Malviya Marg, Jaipur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vishnu Kumar Modi s/o Shri Srikishan Modi,
2. Smt. Kamla Devi w/o Shri Srikishan Modi,
Resident of Neem Ka Thana, Dist. Sikar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

317.9 sq. metres of land situated at Malviya Marg, C-scheme, Jaipur on Plot No. D-46/B more fully described in conveyance deed registered at S. No. 1005 on 21-4-1975 by Sub-Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 10-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 10th December 1975

Ref. No. Raj/IAC/(Acq)/306.—Whereas, I. C. S. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-46/B, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

19—386GI/75

- (1) Shri Jagmohan Nath Tankha s/o
Shri Ladli Nath Tankha,
resident of Plot No. D-46/B, C-Scheme,
Malviya Marg, Jaipur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Vishnu Kumar Modi s/o Shri Srikishan Modi,
2. Smt. Kamla Devi w/o Shri Srikishan Modi,
Resident of Neem Ka Thana, Dist. Sikar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

329.9 sq. mtrs of land situated at Malviya Marg, C-scheme, Jaipur on Plot No. D-46/B more fully described in conveyance deed registered at S. No. 2363 on 15-7-1975 by Sub-Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acq isition Range, Jaipur

Date : 10-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009; the 11th December 1975

Ref. No. Acq. 23-I-561(245)1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 170, 171, Sub-Plot No. 5 of T.P.S. 3 situated at Sheikhpur, Khanpur *alias* Navrangpura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated, in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shaila Jayantilal Shah, Power of Attorney Holder; For and on behalf of Shri Malukchand Chhotalal Shah; Trupti Flats, Behind High Court, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Akshaya Coop. Hsg. Society, through Chief Promoter : Shri Rasiklal Madhavji Shah, 5th Floor, Royal Apartments, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing F.P. No. 170, 171, Sub-plot No. 5 of T.P.S. 3 admeasuring 604 sq. yds. situated at Sheikhpur, Khanpur, *alias* Navrangpura, Ahmedabad and as fully described in sale-deed Regr. No. 3860 of April, 1975.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 11-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kamla Devi w/o Shri Hans Raj,
R-570, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Virender Kumar,
2. Shri Vipin Kumar and
3. Smt. Shanta Kumari w/o Shri Anand Parkash,
r/o House No. 2014, Gali Barf Wali,
Kinari Bazar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SRIII/540/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34 Category II Group 'B' situated at Kalindi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRIII, New Delhi on 30-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXIA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. 34 Category II Group 'B' (472.2 sq. yds) situated in the residential colony known as Kalindi Colony of Swatantra Co-operative House Building Society Ltd. New Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation, Ring Road and bounded as under:—
East : Road 50'
West : Plot No. 33'
North : Road 30'
South : Lane 15'

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 10-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/May-II/21/541/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. I, Block 'W' situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Satish Trading Co. through partner Smt. Sheela w/o Shri Baldev Raj Sachdeva
c/o Raj Hans Enterprises,
E-64, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Ravi Chawla s/o Shri S. R. Chawla,
r/o E-14, Nizamudin West, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. I Block 'W' (1144 sq. yds) situated at Greater Kailash-II, New Delhi within the Limits of D.M.C. in the Revenue Estate of Village Bhapur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. W-3
South : Road
East : Road
West : Colony Boundary.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 10-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.1/SRIII/801(52)/75-76.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 258-B situated at 'N' Block of Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pash Bhatia w/o Shri Kapil Bhatia and Shrimati Parkash Wanti w/o Late Shri Uttam Chand
r/o C-54, Anand Niketan, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Sushil Rani Chopra, w/o Shri Samarth Ram Chopra
r/o A-22, East of Kailash, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 674 sq. yds. and bearing No. 258-B, Block 'N' located in Greater Kailash, New Delhi, within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—
East : Road
West : Service Lane
North : Plot No. N-260
South : Plot No. N-258A.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 10-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1975

Ref. No. IAC/Acq1/SRIII/(49)/May-I/768/75-76.—
Whereas, I, C. V. Gupta,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
48-M Block (Market)
situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi on 15-5-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transferor;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Dr. Udhe Singh Gabunia s/o Sh. Harbhajan Singh
Gehunia through his father and lawful attorney
Shri Harbhajan Singh,
r/o 29/6 West Patel Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi Sharma w/o
Shri Mohan Lal Sharma
r/o E-167, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$ share of undivided plot of land bearing No. 48 in Block
'M' (Market) and (Measuring 194 sq. yds) is situated in
the residential colony of Greater Kailash-II, New Delhi and
is bounded as under :—

East : Road
West : Road
North : Shop Plot No. M-47
South : Shop Plot No. M-49.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 10-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SRIII/May-II/803(55)/75-76.—
Whereas, J. C. V. GUPTE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
200-S, Greater Kailash-II,
situated at New Delhi (and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 30-5-1975,
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Lt. Col. Uttam Chand Chopra s/o
Ch. Amir Chand,
r/o 13 Kotah House, Shahjahan Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tilak Raj Gambhir s/o
Shri Sardari Lal Gambhir, r/o
4A/50, Double storey, Lajpat Nagar-IV,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

† share of a free-hold plot of land bearing No. 200 in
Block 'S' in Greater Kailash-II, New Delhi within the
limits of Delhi Municipal Corporation in the revenue estate
of Village "Behapur" in the State of Delhi and bounded as
under :—

East : Service Lane
West : Road
North : † share of same plot No. 200-'S'
South : House No. 202-'S'.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 10-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SRIII/743(14)/75-76.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As specified in the Schedule situated at Village Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hari Chand, Billu & Shri Lakhi Chand sons of Shri Het Ram through their General Attorney Shri Prem Nath son of Shri Hans Raj r/o 1656, Kotla Mubarakpur, New Delhi.
(Transferor)

(2) M/s. New Bharat Construction Co., C-87, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold piece of land measuring about 6 Bighas 6 Biswas Mustatal No. 15 part of Killa Nos. 17 & 18 situated in the village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 10-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SRIII/75-76/539.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as specified in the Schedule situated at Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 27-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

20—286GI/75

(1) Shri Hari Chand, Ballu & Shri Lakhi Chand sons of Late Shri Het Ram, r/o Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi, through their General Attorneys Shri Prem Nath s/o Shri Hans Raj r/o 1656, Kotla Mubarakpur, New Delhi and Shri Narender Anand s/o Shri Gian Chand r/o H. No. 1632, Nai Wala Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Chugh, Shri Rajinder Chugh and Shri Ravi Chugh, sons of Shri J. L. Chugh, r/o 9-A/37, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold piece of land measuring about 5 Bighas and 4 Biswas, Mustatal No. 28 part of Killa No. 2 & 9 situated in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 10-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajesh Kapoor s/o Sh. Keshwa Nand
r/o A-35, Nizamudin East, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Gurcharan Singh s/o S. Harbans Singh.
2. S. Harbans Singh s/o S. Attar Singh,
r/o D-IV/57-58 Amar Colony, Lajpat Nagar,
New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.1/SRIII/May-II/807(61)/75-76.—
Whereas, I, C. V. Gupte,
being the competent authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 640, Jungpura 'B' situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi on 30-5-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 6/40, measuring 200 sq. yds.,
situated in the residential colony of Jangpura 'B' New Delhi
with lease-hold ownership rights other rights pertaining to
the said plot.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 10-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagjit Singh Gidda s/o Late Shri Atma Singh,
r/o K-9, N.D.S.E. Part-II,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kirti Lal Gulati,
House No. T-632, Qila Kadam Sharif Mohalla,
Nabi Karim, Pahar Ganj,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.1/866/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 101 'M' Block situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. 101 in Block 'M' measuring 300 sq. yds. situated in the residential Colony, known as Greater Kailash-II, situated at Village Bahapur, in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East : Road
West : Road
North : Plot No. M-99.
South : Plot No. M-103.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 10-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/962/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 situated at Ram Kishore Road, Civil Lines, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 19-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Parveen Khanna (minor)
s/o Sh. Pratap Chand Khanna through his natural guardian Sh. Partap Chand Khanna,
r/o 57, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi.
(Transferor)

(2) 1. S/Shri Prem Parkash Grover,
2. Charanjit Grover, sons of Sh. J. C. Grover,
3. Sh. Puran Parkash Grover and
4. Sh. Narain Parkash Grover s/o Shri Roop Chand,
residents of 4 Ram Kishore Road, Civil Lines,
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pacca single storey bungalow with free-hold land ad-measuring 3016 sq. yds. known as No. 4 Ram Kishore Road, Civil Lines, Delhi together with all the superstructure, standing thereon or attaching thereto bounded as under :—
East : Ram Kishore Road, Delhi
West : Bungalow No. 12
North : Bungalow No. 6
South : Bungalow No. 21 Siri Ram Road

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 9-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SRIII/666(75)/75-76.—Whereas, I, C. V. Gupta, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- A-67, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Rattan Singh s/o Shri Udham Singh,
r/o A-67, Defence Colony, New Delhi
Now at J-41, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Banarsi Dass Aggarwal s/o
Shri Shivdarshan Das,
Mrs. Veena Aggarwal w/o Niranjana Kumar,
r/o P-29, Green Park Extn.,
New Delhi.
(Transferee)

(3) Pest Control (India) Private Limited.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. A-67, comprising area of 217 sq. yds. with two and half storeyed building therein, situated in Defence Colony, New Delhi, bounded as under :—
North : House No. A-66
South : House No. A-68
East : Road
West : Service Lane,

C. V. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 14-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Veena Talwar w/o Shri R. S. Talwar,
Chief Secretary of Punjab Government,
House No. 39, Sector-4, Chandigarh (Pb).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 369D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/772(5)/75-76.—Whereas, I,
C. V. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
'S' 450 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 16-5-1975,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the follow-
ing persons, namely :—

(2) Smt. Raj Kumari w/o Shri Mangal Sain Bahri,
Advocate and Master Mangal Sain Bahri,
r/o S-495, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons whichever period
expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 450, situated at Block 'S', Greater
Kailash-II, New Delhi and measuring 550 sq. yds. bounded
as under :—

North : Service Lane
South : Road
West : Plot No. S-448
East : Plot No. S-452.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 11-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SRIII/769(51)/75-76.—Whereas, I,
C. V. GUPTA,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
M-48 (Market)
situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 15-5-1975,
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act'
in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of
1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following per-
sons namely :—

(1) Dr. Udhe Singh Gahunia s/o Shri Harbhajan Singh
Gahunia through his father and attorney Shri
Harbhajan Singh Gahunia,
r/o 29/6, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi Sharma,
r/o E-167, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires
later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$ share of undivided plot of land bearing No. 48 in
block 'M' (Market) and (measuring 194 sq. yds.) is situated
in the residential colony of Greater Kailash-II, New Delhi
and is bounded as under :—

East : Road
West : Road
North : Shop Plot No. M-47
South : Shop Plot No. M-49.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 11-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kushal Chopra w/o Lt. Col. Uttam Chand Chopra
r/o 13, Kotah House, Shahjahan Road,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tilak Raj Gambhir s/o
Shri Sardari Lal Gambhir,
r/o 4A/50, Double storey, Lajpat Nagar IV,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th December 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SRIII/May-II/797(46)/75-76.—
Whereas, I. C. V. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 200-S, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$ share of a free-hold plot of land bearing No. 200 in Block 'S' in Greater Kailash-II, New Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation in the revenue estate of Village "Bahapur" in the State of Delhi and bounded as under:—

East : Service Lane
West : Road
North : Plot No. S-198
South : $\frac{1}{2}$ share of Plot No. S-200.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 11-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Gita Ganguly

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Ramendra Nath Basu

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE V, CALCUTTA

Calcutta, the 11th December 1975

Ref. No. AC-38/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 166/C/505, situated at Prince Anwar Shah Road, P. S. Tollygunge, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 8-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27th of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—386GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 cottabs 14 ch. 30 sft, situated at Plot No. 13, Bangur Park North, Block 'B' being portion of 166, Prince Anwar Shah Road, at present 166/C/505, Prince Anwar Shah Road, P. S. Tollygunge Cal. more particularly as per Deed No. 3795 dated 8-5-1975.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 11-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Rama Mukherjee

(Transferor)

(2) Pradyut Sinha Roy

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 11th December 1975

Ref. No. AC-39/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20G, situated at Ballygunge Terrace, P. S. Tollygunge, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 4-4-1975

(for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 cottahs 1 ch. 18 sft. being premises No. 20G, Ballygunge Terrace, P. S. Tollygunge, Calcutta more particularly as per deed No. 1-2725 dated 4-4-1975.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 12-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Parimal Kumar Mukherjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Shibdas Gopalji Patel, 2. Shri Narayan Patel,
3. Shri Ramniklal Patel (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA.

Calcutta, the 9th December 1975

Ref. No. AC-31/Acq.R-V/Cal75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/1, situated at Abdul Rasul Avenue, Cal-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore Sadar on 28-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3 share of land measuring 6K, 8Ch, 14 sq. ft. situated at 1/1 Abdul Rasul Avenue, P.S. Tollygunge, Cal-26 more particularly as per deed No. 2301 dated 28-4-1975.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range V
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 9-12-75.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pradyat Kumar Mukherjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Shri Shibdas Gopalji Patel, 2. Shri Narayan Patel,
3. Shri Ramniklal Patel

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1975

Ref. No. AC-30/Acq. R-V/Cal/75-76.—Whereas, I. S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/1, situated at Abdul Rasul Avenue, Cal-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore Sadar on 28-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Gazette.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3 share of land measuring 6K, 8Ch, 14 sq. ft. situated at 1/1, Abdul Rasul Avenue, P.S. Tollygunge, Calcutta-26 more particularly as per deed No. 2300 dated 28-4-1975.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 9-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. A. L. Poddar & Bgothers (P) Ltd.

(2) M/s Savitri Devi Poddar Trust represented by
1. B.P. Poddar, 2. A. K. Poddar & 3. B. D. Kanoria
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1975

Ref. No. AC-34/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouza Shibpur Char, situated at P. S. Shibpur, Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that godown structures together with the leasehold interest in the land measuring 2 cottahs 11 ch. cft. in mouza Shibpur Char, P. S. Shibpur, Dist. Howrah.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 9-12-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. A.L. Poddar & Brothers (P) Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Savitri Devi Poddar Trust represented by 1. B.P. Poddar, 2. A. K. Poddar & 3. B. D. Kanoria.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE V, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1975

Ref. No. AC-33/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouza Shibpur Char, situated at P. S. Shibpur, Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that godown, structure together with the leasehold interest in the land measuring 17 cottahs 3 ch. 28 sft, in Mouza Shibpur Char, P. S. Shibpur, Dist. Howrah.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 9-12-1975.
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Hari Ram Padamshi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S/Shri 1. Basanta Kr. Gupta 2. Sanca Prosad Gupta
3. Kartick Kr. Gupta and 4. Suresh Kr. Gupta,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1975

Ref. No. AC-37/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50/3/1, situated at G. T. Road North, Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs 4 ch. 12 sft. together in two storeyed building thereon situated at 50/3/1, G. T. Road North, Dist. Howrah more particularly as per deed No. I-2115 dated 11-4-1975.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. A. L. Poddar Brothers (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
(TAX ACT, 1961 (43 OF 1961))(2) M/s. Savitri Devi Poddar Trust represented by
1. B. P. Poddar, 2. A. K. Poddar & 3. B. D. Kanoria.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE V, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1975

Ref. No. AC-36/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I. S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouza Shibpur Char, situated at P. S. Shibpur, Dist. Howrah and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that godown and structures together with the leasehold interest in land measuring 7 cottahs 7 ch. 18 sft. at Mouza Shibpur Char, P. S. Shibpur, Dist. Howrah.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. A. L. Poddar & Brothers (P) Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Savitri Devi Poddar Trust represented by
1. B. P. Poddar, 2. A. K. Poddar & 3. B. D. Kanoria.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1975

Ref. No. AC-35/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouza Shibpur Char, situated at P. S. Shibpur, Dist. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 1-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
22—386GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that godown and structures together with the leasehold interest in the land measuring 5 cottahs 5 ch. 18 sft. in Mouza Shibpur Char, P. S. Shibpur, Dist. Howrah.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 9-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sanotosh Kumar Mukherjee
(Transferor)(2) 1. Shri Shibdas Gopalji Patel 2. Narayan Patel 3.
Ramniklal Patel (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA-16

Calcutta, the 9th December 1975

Ref. No. AC-32/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/1 situated at Abdul Rasul Avenue, Cal-26 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore Sadar on 29-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3 share of land measuring 6K, 8Ch, 14 sq. ft. situated at 1/1, Abdul Rasul Avenue, P. S. Tollygunge, Cal-26, more particularly as per deed No. 2326 dated 29-4-75.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 9-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anwar Ali and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shamiullah Khan and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

Lucknow, the 3rd December 1975

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. 98-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing.No. 173/60 situated at Bazar Jhanlal, B. N. Verma Road,
Lucknow,(and more fully described in the Schedule annexed here to)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Lucknow on 2-5-1975,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transferor;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. 173/60 situated at Bazar Jhan Lal, B. N. Verma
Road, Lucknow.BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons
namely :—

Date : 3-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Berindra Nath Shukla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresh Kumar Agarwal and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th November 1975

Ref. No. 96.S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19/13 situated at 4-A Park Road, Hazratganj, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Lucknow on 15-5-1975.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 19/13 situated at 4-A Park Road, Hazratganj, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 29-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Makhan Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

Ref. No. 97-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 555-E/69 Qr. H. C. Type B situated at Sringer Nagar, Alambagh, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 5-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 555-E/69, Qr. N.C. Type B situated at Sringer Nagar, Alambagh, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vishwa Nath Sharma Pandey,

(Transferor)

(2) Shri Moti Ram and others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th November 1975

Ref. No. 65-N/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-28/7 situated at Mohalla—Ghasiari Tala, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 8-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective reasons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B28/7 situated in Mohalla—Ghasiari Tala, Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 28-11-1975,

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Japdagar Pal Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balbinder Singh & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th November 1975

Ref. No. 52-B/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 268 situated at Vill. Sidhuwa Distt. Pilibhit, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow, on 5-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Agricultural Land bearing No. 268 measuring 11.86 Acres situated in Village Sidhuwa P.O. Bilsanda Teh. Bisalpur Distt. Pilibhit.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Salwant Kaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balkar Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th November 1975

Ref. No. 51-B/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Vill. Rasyora Distt. Sitapur, situated at Vill. Rasyora Distt. Sitapur,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sitapur on 23-5-1975,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12.48 Acres situated in Vill. Rasyora, Pargana Ram Kot Dist. Sitapur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 27-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hari Raj Singh Tyagi and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudesh Kumari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

Ref. No. 20-D/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/8 situated at Shantinagar, Civil Lines, Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 9-6-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

House No. 8/8, 13-1-2 alongwith 1200 S. yds. of land in Shantinagar, Civil Lines, Moradabad.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—
23—386GI/75

Date: 3-12-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Hari Raj Singh Tyagi and others.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Krishna Rani.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

Ref. No. 44-K/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/8 situated at Shantinagar, Civil Lines, Moradabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on 9-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

House No. 8/8, 13-1-2 alongwith 1200 sq. yds. of land in Shantinagar, Civil Lines, Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Date : 3-12-1975,

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hari Raj Singh Tyagi and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kailash Kumari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1975

Ref. No. 43-K/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/8 situated at Shantinagar, Civil Lines, Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 9-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8/8, 13-1-2 alongwith 1200 S. yds. of land in Shantinagar, Civil Lines, Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-12-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hari Raj Singh and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Darshana Kumari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Lucknow, the 3rd December 1975

Ref. No. 20-D/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8/8 situated at Shantinagar, Civil Lines, Moradabad, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 9-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

House property No. 8/8, 13-1-2 alongwith 1200 S. yds. of land in Shantinagar, Civil Lines, Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-12-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hari Raj Singh Tyagi and others.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Krishna Kumari.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 3rd December 1975

Ref. No. 42-K/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/8 situated at Shantinagar, Civil Lines, Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 9-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 8/8, 13-1-2 alongwith 1200 S. yds. of land in Shantinagar, Civil Lines, Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-12-1975,

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th December 1975

Ref. No. IX/2/8/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 260, situated at Angappa Naicken Street, G.T. Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2517/75) on April, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. M. Abdul Jameel Sahib,
Managing Trustee & General Secretary,
Madrassa-E-Bakiyathus-Salihath,
Bakiyath Street, Vellore, N. Arcot.
(Transferor)
- (2) Shri G. Abdur Rahman,
No. 9, Rama Pillai Street,
Periamet, Madras-3.
(Transferee)
- (3) Smt. P. Padmasini.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in 1 ground and 90 sq. ft. and first floor of No. 260, Angappa Naicken Street, Madras measuring 1690 sq. ft.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 12-12-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTINGASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th December 1975

Ref. No. IX/2/8A/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 260, situated at Angappa Naicken Street, G.T., Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2516/75) on April, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. M. Abdul Jameel Sahib,
Managing Trustee & General Secretary,
Madrassa-E-Bakiyathus-Salihath,
Bakiyath Street, Vellore, N. Arcot. (Transferor)
- (2) Shri G. Mohamed Naeem Basha,
Minor represented by V//s()
Minor represented by father & guardian
Shri C. Abdur Rahman,
No. 30 Dargah St., Melvisharam,
N.A. Dt. (Transferee)
- (3) Smt. P. Padmasini.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 1 ground and 90 sft. and Second floor of premises No. 260, Angappa Naicken Street, Madras-1 measuring about 480 sq. ft.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 12-12-1975

Scal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madrass-6, the 12th December 1975

Ref. No. IX/2/9/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 260, situated at Angappa Naicken Street, G.T., Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2518/75) on April, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. M. Abdul Jameel Sahib,
Managing Trustee & General Secretary,
Madrasa-E-Bakiyathus-Salihath,
Bakiyath Street, Vellore. N. Arcot.
(Transferor)
- (2) Smt. T. M. Khurshid Begum Sahiba,
W/o Mr. G. Abdur Rahman,
No. 30, Dargah St., Melvisharam,
N. Arcot Dt.
(Transferee)

- (3) M/s. Industrial & General Products,
Mr. A. Robert.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 1 ground and 90 sq. ft. and building on ground floor at No. 260, Angappa Naicken Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 12-12-1975.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6.

Madras-6, the 12th December 1975

Ref. No. XVI/13/15/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5.62 acres, situated at Kullamanickampatti village,

Omatur Taluk, Salem District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Omatur (Doc. No. 1078/75) on 19-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) M/s. John Oakley & Mahon Ltd.
1755, Chetigal, Luthiere Gate,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Andavar Solvent Oil Products & Refineries,
3 A. V. G. 'Mudali' Street, Dr. Tirumurthi Nagar,
Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5.62 acres (S. No. 23/1—1.73 acres, S. No. 23/2—2.52 acres and S. No. 25/9—0.36 acres) with buildings at Kullamanickampatti village Omatur Taluk Salem District.

G. RAMANATHAN
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 12-12-1975

Seal :

24-386G1/75

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1,

MADRAS-6

Madras-6, the 6th December 1975

Ref. No. IX/5/63/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 16, situated at Audiappa Naicken Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the registering officer at

Sowcarpet, Madras (Doc. No. 330/75) on 29-4-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disposed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri P. Satchidananda Rao,
Shri P. Brahmanandam,
Shri P. Venkataramana Rao &
Shri P. Ravi alias Satyanarayana Rao,
2/44, Veteran Lines, Pallavaram,
Madras-600043.

(Transferor)

(2) Shri R. Ramaswamy Naidu,
No. 3/D, Davidson Street,
Madras-1.

(Transferee)

(3) A. J. & Sons (P) Ltd.
D. Guneshmal Ladaji &
K. Kesava Chattiar.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1668 sq. ft. with building thereon at door No. 16, Audiappa Naicken Street, Madras-1 (R. S. No. 10967).

G. RAMANATHAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 6-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th December 1975

Ref. No. IX/7/154/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, situated at M. V. Nayudu Street, Chetput, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of West Madras, Periamet, Madras (Doc. No. 337/75) on 5-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth- Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri V. Janakiraman,
2. Minor Venkatas, &
3. Minor Meenakshisundaram,
Rep. by father & guardian Shri J. Janakiraman,
88, New St., Madurai,
4. Mrs. Rajam Krishnamurthy,
5. Srinivasan,
6. Pattabiraman,
7. K. Venkatasubramanian and
8. Minor Lakshmi,
No. 464, 39th 'C' Cross, 9th Main Road,
V Block, Jayanagar,
9. Shri Nagarajan,
Assistant, United Commercial Bank,
Nellikuppam, South Arcot District &
10. Smt. Abhramasundari,
W/o S. Krishnamurthy,
C-4, Officers Quarters,
D.C.W. Satupuram, Arumuganeri,
Tirunelveli Dt.

(Transferor)

- (2) Dr. Hedgewar Smarak Samithi,
represented by its President
Shri V. Rangaswami Thevar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 grounds and 14 sq. ft. with buildings thereon at Door No. 2, M.V. Naidu Street, Chetput, Madras-31 (R.S. No. 450/10).

G. RAMANATHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 6-12-1975

Seal :

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th December 1975

Ref. No. X/12/16/75-76 --Whereas, M. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14, situated at Lady Doak College Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tullakulam, Madurai (Doc. No. 959/75) on 7-12-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely —

(1) M/s. VD. M. RM. M. RM. Muthia Chettiar,
KM. M. Ramanathan Chettiar,
RM. M. Alagappa Chettiar &
KM. M. Annamalai Chettiar,
4, Hakim Ajmal Khan Road,
Madurai-2.

(Transferor)

(2) Sati J. Chelladurai,
Shri C. Jayapaul,
Shri C. Jayakaran &
Shri C. Jayaprasad,
114, Dr. Kalaingar Karunanithi Nagar,
Madurai-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 92 cents and building known as "Theatre Movieland" at Door No. 14, Lady Doak College Road, Madurai (T. S. Nos. 889 and 890).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 6-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
MADRAS-6

Madras-6, the 9th December 1975

Ref. No. IX/1/58/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, situated at Rundalls Road, Vepery, Madras-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 349/75) on April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohamed Omer Sait,
No. 5-A, Agathesa Nagar Colony,
Hills Road, Kilpauk,
Madras-10,

(Transferor)

(2) Smt. Amtulla Tasneem alias Heera Banu,
W/o K. A. Babu,
No. 28, Rundalls Road,
Madras-7,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4800 sq. ft. with building thereon at door No. 28 (R. S. No. 645), Rundalls Road, Vepery, Madras-7.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 9.12.1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. (Mrs.) K. Akhila Bai,
9/3 Josier Street, Tirumurthi Nagar,
Nungambakkam,
Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th December 1975

Ref. No. IX/16/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 64, situated at Poonamallee High Road, Vepery, Madras-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 387/75) on April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) S. K. Sultan,
Ulfat Begum,
Zoharram Bi and
Fathima Bi,
36, Anderson St.,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 grounds and 1830 sq. ft. with building at door No. 64, Poonamallee High Road, Madras.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th December 1975

Ref. No. IX/3/154/75-76.—Whereas, I. G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 54, situated at Acharappan Street, George Town, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2935/75) on 25-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Daya Sadan,
represented by its Hony.
Trustee Shri Ratanchand Bohra,
91, Konnur High Road,
Madras-12.
Smt. Dhanalakshmi Ammal,
w/o late Shri K. A. Raja,
Shri K. R. Parthasarathy,
Shri K. R. Varadarajan (minor) and
Kum. K. B. Parvathi (minor)
represented by mother and guardian
Smt. Dhanalakshmi Ammal,
54, Acharappan St.,
Madras-1,

(Transferor)

- (2) Shri C. S. Prakasa Rao,
Shri C. Ekambaranath,
Shri C. V. Seshagiri,
2, Rajamannar Street,
T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

- (3) Sri Prakashnarayan
Shi Sudhakar,
Mrs. Sarojini,
Rajkamal Transports V.
East Coast Commercial Co., Ltd.
[Person in occupation of the property]

- (4) M/s. Varma & Co.,
427, Mint Street, Madras.
[Person whom the undersigned knows to be
interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 grounds and 47 sq. ft. and building at door No. 54, Acharappan Street, Madras-1 (R.S. No. 6247).

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 11-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
MADRAS-6

Madras-6, the 12th December 1975

Ref. No. IX/4/15/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the imovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 271, situated at Thambu Chetty Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2722/75) on 18-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri T. V. Ramachandran,
No. 11, Dr. Sadasivam Road,
T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

- (2) Shri C. B. Muthukumaraswamy Chetty,
1/53-D, Sripuram Colony,
St. Thomas Mount, Madras-16.

(Transferee)

- (3) Mr. P. Anantharaman.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2208 sq. ft. with building at door No. 271, Thambu Chetty Street, Madras-1 (R. S. No. 4679).

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 12-12-1975

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Nawab Singh S/o Shri Gokul Yadav,
r/o Vill. Sukhmalpur, Nizamabad, Firozabad
(Agra).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 11th December 1975

Ref. No. 418/Acq/Firozabad/75-76/2204.—Whereas, I,
F. J. BAHADUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Firozabad on 8-5-1975

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition at the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons,
namely :—

25—386GI/75

(2) 1. Sri Subhash Chand s/o Shanti Lal,
2. Ram Dutt s/o Bal Mukand,
r/o Hanuman Road, Firozabad, and
3. Smt. Sheela Rani w/o Hari Prakash Garg,
r/o Purani Mandi, Firozabad (Agra).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property comprised in Gata No. 408, measur-
ing 5½ Bigha situated at Vill. Sukhmalpur, Nizamabad,
Firozabad (Agra) transferred for an apparent consideration
of Rs. 48,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-12-1975

Sd/- :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th December 1975

Ref. No. RAC. No. 181/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 20 in M.No. 4-1-938 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) M/s Three Aces, Registered Firm, It's 6 partners, Represented by Sri Bhishanlal Ahuja, Abid Road, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri Raj Kumar S/o Sri Kedarnath, H. No. 3-2-350 Chappal Bazar, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 4-1-938/R. 20 with land at Tilak Road, Hyderabad.
Area : 49.01 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th December 1975

Ref. No. RAC, No. 179/75-76.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 17 in M. No. 4-1-938 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Three Aces, Registered Firm, it's 5 partners, Main partner Sri Bishanlal Ahuja, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Janaki Bai W/o Hans Raj, H. No. 3-2-350, Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 4-1-938/R 17 with land at Tilak Road, Hyderabad.
Area : 36.55 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s Three Aces, Registered Firm, It's 6 partners, Represented by Sri Bhishanlal Ahuja, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Pushpa Bai W/o Raj Kumar, H. No. 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 4th December 1975

Ref. No. RAC. No. 180/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 19 in House No. 4-1-938 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 4-1-938/R. 19 with land at Tilak Road, Hyderabad.
Area : 35.99 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 4-12-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Three Aces, Registered Firm, It's 6 partners,
Represented by Sri Bhishanlal Ahuja, Aaid Road,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th December 1975

Ref. No. RAC. No. 182/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 18 in M. No. 4-1-938 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Pushpalatha Bai,
2. Smt. Rukmini Bai,
3. Sri Kailash Charan,
4. Smt. Geetha Bai,
5. Smt. Janki Bai,
6. Sri Raj Kumar,
All resident of Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Stair case Bearing No. 4-1-938/R 18 Tilak Road, Hyderabad.
Area : 40.50 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-12-1975
Seal :

FORM ITNS ———

(1) M/s Three Aces, through it's Partners Sri Bishenlal Ahuja, Abid Road, Hyderabad & 5 others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Kailash Charan S/o Mahabeer Pershad,
21-2-547 at Charkaman, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th December 1975

Ref. No. RAC. No. 177/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 15 in M. No. 4-1-938 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 4-1-938/R 15 with land at Tilak Road, Hyderabad.
Area : 43.67 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Three Aces, through it's Main partner, Sri Bishanlal Ahuja, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Rukmini Bai W/o Sri Mahabeer Pershad, 21-2-547 at Charkaman, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th December 1975

Ref. No. RAC. No. 176/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 14 In. H. No. 4-1-938 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 4-1-938/R14 with land at Tilak Road, Area : 64.67 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-12-1975

Seal -

FORM ITNS—

(1) M/s Three Aces, Its partner Sri Bishaulal Ahuja,
R/o Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Pushpa Lata Bai W/o Sri Shiv Charan,
21-2-547 at Charkaman, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th December 1975

Ref. No. RAC. No. 175/75-76.—Whereas, I. K. S. Venkata-
raman,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mulgi No. 12 & 13

situated at Tilak Road, Hyderabad

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been trans-
ferred under the RegistrationAct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Hyderabad on 4-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 4-1-938/R 12 and 13 at Tilak Road,
Hyderabad.

Area : 87.34 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Three Aces, Registered Firm, Rep. by its partners Sri Bishanlal Ahuja, and 5 others, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th December 1975

Ref. No. RAC. No. 178/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 16 in H. No. 4-1-938 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

26—386GI/75

(2) Smt. Geetha Bai, W/o Shiv Shanker, 3-2-350 at Chappal Bazar, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 4-1-938/R 16 with land at Tilak Road, Hyderabad.
Area : 43.67 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 4-12-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th December 1975

Ref. No. RAC. No. 183/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkata-
raman, being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Stair Case No. 4-1-938/R-11
situated at Tilak Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad on 4-4-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely:—

(1) M/s Three Aces, Registered Firm, It's 6 partners.
Represented by Sri Bishanlal Ahuja, Abid Road,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Raj Kumar S/o Kedarnath,
2. Smt. Shobha Bai W/o Sri Hari Ram,
3. Smt. Basanthi Bai W/o Kedarnath,
4. Smt. Rukmini Bai W/o Mahabir Pershad,
5. Shobha Bai W/o Giri Raj Charan,
6. Smt. Pushpa Lata Bai W/o Shiv Charan,
All residing at Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the 'said Act',
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Stair case bearing No. 4-1-938/R, 11 at Tilak
Road, Hyderabad.
Area: 40.50 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-12-1975
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1975

Ref. No. RAC. No. 204/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 6-2-25 Portion situated at Jagtial, Kareemnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kareemnagar on 16-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating for concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Dharma Raj Gopal Rao,
2. Sri Krishna Bhoopal Rao,
3. Sri Ram Bhoopal Rao,
All three residing at Chelgal Village, Jagtial-Tq. Kareemnagar-Dist.
(Transferor)

(2) 1. Shri G. Latchiah S/o Balaiah,
R/o Jagtial Tq. Kareemnagar, Dist.
2. Sri G. Thukkaiah S/o Balaiah, Jagtial-Tq. Kareemnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of House No. 6-2-25 situated at Jagtial-Tq. Kareemnagar-Dist.
(Area : 460.30 Sq. Mts.).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-1975

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Sri Dharma Rajagopal Rao,
2. Sri Ram Bhoopal Rao,
3. Sri Krishna Bhoopal Rao,
all three residing at M. No. 3-6-416/3 at
Himayathanagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1975

Ref. No. RAC. No. 205/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkata-
raman,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Portion of House No. 6-2-25
situated at Jagtial, Kareemnagar-Dist.
(and more fully
described in the Schedule annexed hereto), has been trans-
ferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kareemnagar on 16-4-75,
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the 'said Act,' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act,' or the Wealth Tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the 'said Act', to the following
persons, namely :—

- (2) 1. Ch. Chandrasekharaiah S/o Hanmaiah,
2. Sri Y. Shankaraiah S/o Bheemalingam,
both are resident of Jagithyal-Tq. Kareemnagar-
Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act',
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of House No. 6-2-25 at
Jagtial-Tq. Kareemnagar-Dist.
Area : 460.30 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th December 1975

Ref. No. RAC. No. 206/75-76.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of H. No. 6.2.935/2 situated at Jagtial-Tq. Kareemnagar Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kareemnagar on 16-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Dharma Raja Gopal Rao,
2. Sri Ram Bhoopal Rao,
3. Sri Krishna Bhoopal Rao,
all three residing at M. No. 3-6-416/3 at Himyathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Ananthula Ramachandram S/o Dubbaiah,
Jagtial, Kareemnagar-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property :— Portion of House No. 6-2-25 at Jagtial-Tq. Kareemnagar-Dist.
Area : 427.32 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-12-1975
Seal :

FORM ITNS- ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP/1362.—Whereas, I. RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Sheikhan Bazar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in April, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Hakumat Rai, Satish Kumar
Ss/o Lachhman Das,
Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Lajpat Rai, Lakhpat Rai
Ss/o Sh. Jawala Dhar c/o
M/S Gift Centre,
Chowk Rainik Babar,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 880 of April, 75 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP/1363.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Sikh Lines, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in March, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surinder Kumar, Hari Kishan Lal
Ss/o Hazari Mal s/o Balbhadar Mal,
r/o Civil Lines, Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) Shri Jagdish Sahai s/o Shiv Ram s/o Lachhman Dass—Amar Nath Pathak s/o Kishan Chand s/o Rala Ram—Goverdhan Singh s/o Dharam Singh s/o Karam Singh—Dev Kumar Lakhanpal s/o Hari Kishan s/o Daulat Ram—Tilak Raj Vishisht s/o Datta Ram s/o Poholo Ram, Kishan Chand Sharma s/o Lachhman Das caste Brahmin. Brahma Nand Kaushal s/o Shiv Ram s/o Kashi Ram, Kewal Singh s/o Sadhu Singh s/o Teja Singh, Manohar Lal s/o Das Ram Caste Banti, Tilak Raj s/o Gori Mal s/o Nand Lal—Ajit Singh s/o Mela Singh s/o Ram Singh, Gurcharan Singh s/o Niranjana Singh s/o Gurdit Singh, Pt. Kundan Lal s/o Thakar Dass s/o Gopi Ram—Jaggiwan Kumar s/o Lahori Ram Caste Brahmin, Tirath Ram s/o Shiv Ram Caste Brahmin, Mohinder Singh Hansi s/o Bishan Singh Saini r/o Hoshiarpur Members of Hoshiarpur Employees Class-Coop. House Building Society Ltd.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 4350 of March, 1975 of S.R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 21-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP/1364.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bassi Khawaju, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in April, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Hira Ram son of Shri Nathu Ram s/o
Shri Kura Ram Saini of Bassi Khawaju,
Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Satnam Singh, Surjit Singh s/o
S. Saroop Singh s/o Harbail Singh of
Mohalla Kacha Toba Hoshiarpur in equal shares.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property].

Objectives, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 360 of April, 1975 of S.R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Om Gopal s/o Sh. Krishna Kishore,
Jullundur, now H. No. 17, Sector 7-A Chandigarh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Ved Parkash, Joginder Kumar, Yashpal
Ss/o Sh. Ram Lal, 46 Vijay Nagar,
Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP/1365.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in April, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—386GI/75

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 378 of April, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP/1366.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Garha Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in March, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sukhjinder Singh s/o Gurcharn Singh, of Ramgarh.
(Transferor)
- (2) Jullundur Transport Co-operative Society Ltd. Zone, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 10699 of March, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP/1367.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Garha Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jullundur in March, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Gurcharan Singh G. A. Sukandal Kaur r/o Ramgarh, Teh. Jullundur,

(Transferor)

- (2) Jullundur Transport Corporation Society Ltd. Zone, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. No. 10571 of March, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Sukhjinder Singh s/o Gurbachan Singh of Vill. Ramgarh, Teh. Kapurthala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP/1368.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Garha Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in March, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Jullundur Transport Corporation Society Ltd. Zone, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 10572 of March, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP/1369.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per Schedule situated at Garha Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sukhjinder Singh s/o Gurbachan Singh of Ramgarh, Teh. Kapurthala,
(Transferor)
- (2) Jullundur Transport Corporation Society Ltd. Zone, Jullundur.
(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 10700 of March, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP/1370.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per Schedule situated at Dadowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in April, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/S Vir Singh, Jagir Singh Ss/o Ganga Singh,
r/o Village Dadowal, Teh. Phillaur.
(Transferor)
- (2) Sh. Amrik Singh s/o Sohan Singh,
r/o Village Raipur Pharala.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 160 of April, 1975 of S.R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Vir Singh, Jagir Singh Ss/o Ganga Singh
r/o Village Dadowal, Teh. Jhillaur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP/1971.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per Schedule situated at Dadowal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Phillaur in May, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Sh. Amrik Singh s/o Soban Singh,
r/o Village Raipur Pharala.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE 'I' REFERRED TO

Land as mentioned Regd. deed No. 623 of May, 1975 of S.R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Vir Singh, Jagir Singh Ss/o Ganga Singh
r/o Village Dadowal, Teh. Phillaur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pritam Singh,
r/o Village Raipur Phailas.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP/1372.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Dadowal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in May, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land as mentioned in Regd. deed No. 837 of May, 1975 of S.R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 21-11-75
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vir Singh, Jagir Singh Ss/o Ganga Singh
r/o Village Dadowal, Teh. Phillaur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Paritam Singh s/o Sadhu Singh.
r/o Village Raipur Pharla.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP/1373.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Dadowal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in April, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
28—386G1/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE 'I' REFERRED TO

Land as mentioned in Regd. deed No. 97 of April, 1975 of S.R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vir Singh, Jagir Singh Ss/o Ganga Singh
village Dadowal, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Surinder Pal s/o Bujha Ram,
Village Raipur Pharla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP/1374.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule
situated at Dadowal
(and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in April, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 76 of April, 1975 of S.R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 21-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vir Singh, Jagir Singh SS/o Ganga Singh
r/o Village Dadowal, Teh. Phillaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Lachman Das s/o Bujha Ram,
r/o Raipur Pharla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the land.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]Objections, if any, to the acquisition of the property
may be made in writing to the undersigned.

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP 1375.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule

situated at Dadowal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in May, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Land as mentioned in Regd. deed No. 487 of May, 1975 of S.R. Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Date : 21-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Manmohan Singh S/o Raghubir Singh 154,
Sector 8-A Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Lal Singh s/o Maiya Singh Village Bahon,
Teh. Nwanshahr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP/1376.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section inafter referred to as the 'said Act' have reason to believe 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahr in April, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 71 of April 1975 of S. R. Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Manmohan Singh s/o Raghbir Singh s/o Amar Singh r/o Rahon (Through Gurcharan Singh, 154, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(2) Shri Lal Singh s/o Mayia Singh r/o Rahon.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP-1377.—Whereas, I RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated a Rahon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nwanshahr in March 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1958).

Land as mentioned in Regd. deed No. 4697 of March 1975 of S. R. Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 21-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gurmohinder Kaur d/o Shri Gurdev Singh,
Sector 8-B, H. No. 680, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod Kumar s/o Krishan Lal Mohalla
Sarafa, Rahon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP-1378.J Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Rahon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawanshahr in May 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 337 & 459 of May 1975 of S.R. Nawanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gurmohinder Kaur d/o Shri Gurdev Singh,
Sector 8-B, H. No. 680, Chandigarh.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manoj Kumar s/o Krishan Lal Mohalla
Sarafa, Rahon.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Jullundur, the 21st November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP-1379.—Whereas, I RAVINDER KUMAR,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'Said Act')
have reason to believe that the immovable property
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.

No. As per schedule situated at Rahon,

and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Nwanshahr in May 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 459 of May 1975 of
S.R. Nwanshahr.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 21-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP-1382.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kothi No. 398-L Model Town, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in March 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act,' to the following persons namely :—

- (1) Shri Hans Raj Sehgal s/o Shri Rulia Ram Punjab Housing Board, Sector-17, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Mrs. Harjinder Kaur w/o Dr. Ajit Singh, Kothi No. 398-L, Model Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in Regd. deed No. 10668 of March, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hans Raj Sehgal s/o Shri Rulia Ram Punjab
Housing Board, Sector-17, Chandigarh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Harjinder Kaur w/o Dr. Ajit Singh, Kohti
No. 398-L, Model Town, Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the Kothi
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Jullundur, the 21st November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1383.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Kothi No. 398-L Model
Town, Jullundur,

more fully described in the Schedule annexed here
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Jullundur in April 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
therein as are defined in Chapter XXXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in Regd. deed No. 620 of April 1975
of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the
resaid property by the issue of this notice (under sub-section
of Section 269D of the said Act to the following persons
to-wit:

386GI/75

Date : 21-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kailash Nath s/o Gurandita Ram r/o, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Harbhajan Kaur D/o Tarsem Singh 20Z, New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 21st November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1386.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kohti No. 202, New Jawahar Nagar, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in April, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Kothi as mentioned in Regd. deed No. 389 of April, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kailash Nath S/o Gurandita Ram r/o Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Major Mohinder Singh s/o Chanan Singh 202, New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any other person interested in the Kothi.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP-1385.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Kothi No. 202, New Jawahar Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 2 of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in Regd. deed No. 277 of April 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kailash Nath s/o Gurandita Ram r/o Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Amar Kaur w/o S. Chanan Singh, 202, New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person whom the undersigned knows to be

(4) Any other person interested in the Kothi

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Jullundur, the 21st November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP/1384.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No As per schedule situated at Kothi No. 202, New Jawahar Nagar, Jullundur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in March 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in Regd. deed No. 10821 of March, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section ((1 of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :

Date : 21-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Chander Kanta w/o Panna Lal s/o Durga Das, W.T. 51, Basti Sheikh, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Umrao Singh s/o Bakhtawar Singh r/o Badala, Teh. Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 21st November 1975

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP-1380.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable aproperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated Land at Basti Sheikh, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 15 of April, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 21-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 21st November 1975

Ref. No. AP-1387.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chander Kanta w/o Panna Lal s/o Durga Dass, W.T. 51, Basti Sheikh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Umrao Singh s/o Bakhtawar Singh R.O. Badala, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 14 of April, 1975 S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 21-11-1975.

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1976

F. 19/5/75-EI(B)

New Delhi, the 27th December, 1975

A competitive examination for recruitment to the Indian Forest Service is held by the Union Public Service Commission at AHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CUTTA CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUhati), ERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANthi commencing on the 29th June, 1976 in accordance with Rules published by the Cabinet Secretariat, (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated the 27th December, 1975.

THE CENTRE AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The appropriate number of vacancies to be filled on the results of examination is 50. This number is liable to alteration.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dhr House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dhr House, New Delhi-110011, by Money Order, or Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office; cheques or currency notes will not be accepted in lieu of money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE: CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRESCRIBED FORM FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1976. APPLICATIONS (FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1976) WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 23rd February 1976 (8th March 1976 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 23rd February, 1976) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the prescribed fee in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

6. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission.

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 3 of the Notice. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION, ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 23rd February, 1976.

Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee, will be considered provisionally, but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application along with the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's Office on or before the closing date,

the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the Commission's Office after the closing date, will not be considered.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations, can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) **CROSSED** Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure 1).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (see para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF OCTOBER, 1976 CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5 :—

(i) (a) **CROSSED INDIAN POSTAL ORDERS** for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary Union Public Service Commission
at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) **CROSSED Bank Draft for the paid fee—**

Bank Draft should be obtained from any of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary Union Public Service Commission payable at the State of India, Parliament Street, New Delhi and should be Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the int of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 48.00, 2.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's Commissioner, Ambassador or Representative, as they may be in that country who should be asked to credit amount to the account head "051—Public Service Commission—Examination Fees." The candidates should forward the receipt from that Office with the application.

(ii) **Certificate of Age.**—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an India university as equivalent to Matriculation or in an extract from Register of Matriculates maintained by a University, the extract must be certified by the proper authority of the university. A candidate who has passed the High Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or complete years and months. In such cases a candidate must send addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED TO A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) **Certificate of Education Qualification.**—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as can support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but it cannot bind themselves to accept it as sufficient.

If the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of the University Certificate.

NOTE.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them eligible to appear at the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

(iv) *Photographs*.—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India:

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*
son/daughter* of _____ of
village/town* _____ in District/Division*
_____ of the State/Union Territory*
_____ belongs to the _____ Caste/Tribe*
which is recognised as a Scheduled Caste/Tribe* under:—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or*
his/her* family ordinarily reside(s) in village/town*
..... of District/Division* of
the State/Union Territory* of

Signature.....

**Designation.....

(with seal of Office)

Place.....

Date.....

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(b)(ii) or 5(b)(iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971:—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5(b)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament, or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A candidate who was a resident of the former Portuguese Territories of Goa, Daman and Diu before the 20th day of December, 1961 and claiming age concession under Rule 5(b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim :—

- (1) Director of Civil Administration.
- (2) Administrators of the Concelhos.
- (3) Mamlatdars.

(iv) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania claiming age concession under Rule 5(b)(vii) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(v) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(viii) or 5(b)(ix) should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b)(x) or 5(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area and was released as a result of such disability.

Signature
Designation
Date

*Strike out whichever is not applicable.

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(b)(xii) or 5(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate in form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Forces in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature
Designation
Date

6. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, Delhi-110001, (ii) Sale counters of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

12. *Communications regarding Application.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

1. NAME OF EXAMINATION.
2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO

13. *Change in address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE RE-DIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER

100-74454